16

(Pages-192)

NEWS CLIPPINGS

2006

जरूरतमंदों के लिए नि:शुल्क कंबल वितरण

प्रभा खेतान फाउण्डेशन एवम् श्री सीमेन्ट का संयुक्त कार्यक्रम

कोलकाता, ३० दिसम्बर (नि.प्र.)। स्थानीय सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर सक्रिय संस्था प्रभा खेतान फाउन्डेशन एवं श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा पश्चिम बंगाल में आठ हजार कंबलों का वितरण जरूरतमंदों को नि:शुल्क किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में १ जनवरी से १० जनवरी तक कंबलों का वितरण जिले स्तर पर सक्रिय स्थानीय संस्थाओं की मदद से किया जाएगा। कोलकाता शहर में शनिवार १४ जनवरी को सात स्थानों पर कंबल वितरण का कार्यक्रम है। सभी जगहों पर स्थानीय संस्थाओं की मदद से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वितरण समारोहों में श्री सीमेंट लिमिटेड के चेयरमैन श्री हरिमोहन बांगड़, पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हाशिम अब्दुल हालिम, राज्य सरकार के मुख्य सचेतक श्री राबिन देब, संसदीय कार्यमंत्री श्री प्रबोधचंद सिन्हा, सिने तारिका रूपा गांगुली आदि उपस्थित रहेंगी। शहर के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित इन वितरण समारोहों में विख्यात फिल्म निर्देशक गौतम घोष, सिने तारिका कोनिनिका, जून मालिया, तनुश्री शंकर के अलावा फिल्म, कला एवं साहित्य क्षेत्र की नामी-गिरामी हस्तियों से कंबल वितरित करवाया जाएगा। प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी एवं वितरण कार्यक्रम के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि फाउण्डेशन हर साल जरूरतमंदों को कंबल का वितरण करता है, किन्तु इस वर्ष श्री सीमेंट लिमिटेड के सहयोग से इसे वृहद स्तर पर कोलकाता के अलावा पूरे राज्य में करना संभव हो पाया है। सहयोगी संस्थाओं में सिने तारिका रूपा गांगुली की संस्था, 'छाया', 'प्रेम मिलन', 'अखिल भारतीय गौड़ ब्राह्मण सभा', 'नवारुण संघ' तथा बालीगंज उत्थान समिति आदि प्रमुख हैं। श्री भूतोड़िया ने कहा कि जरूरतमंद व्यक्तियों के लिए यही सबसे बड़ा तोहफा होगा।

३१ दिसम्बर २००५ दैनिक विश्वमित्र

जरूरतमंदों में नि:शुल्क कंबल वितरण

कोलकाता, 30 दिसंबर। प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं श्री सीमेंट लि. द्वारा पश्चिम बंगाल में आठ हजार कंबलों का वितरण जरूरतमंदों को नि:शुल्क किया जोगा। पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में 1 जनवरी से 10 जनवरी तक कंबलों का वितरण जिले स्तर पर सक्रिय स्थानीय संस्थाओं की मदद से किया जाएगा। श्री सीमेंट लि. के चेयरमैन श्री हरिमोहन बांगड़, पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाव हाशिम अब्दुल हलीम, राज्य सरकार के मुख्य सचेतकश्री रॉबिन देव, संसदीय कार्यमंत्री श्री प्रबोधचंद सिन्हा, सिने तारिका रूपा गांगुली आदि उपस्थित रहेंगी। अलग-अलग स्थानों पर आयोजित समारोहों में विख्यात फिल्म निर्देशक गौतम घोष, सिने तारिका कोनिनिका, जून मालिया, तनुश्री शंकर के अलावा फिल्म कला एवं साहित्य क्षेत्र की नामी-गिरामी हस्तियों से कंबल वितरित करवाया जाएगा। न्यासी एवं वितरण कार्यक्रम के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने विज्ञप्ति में कहा है कि फाउंडेशन हर साल जरूरतमंदों को कंबल का वितरण करती है। सहयोगी संस्थाओं में सिने तारिका रूपा गांगुली की संस्था,'छाया','प्रेम मिलन','अखिल भारतीय गौड ब्राह्म सभा','नवारुण संघ' तथा बालीगंज उत्थान समिति आदि प्रमुख हैं।

छपते छपते, कोलकाता, शनिवार, 31 दिसम्बर-2005

प्रभा खेतान फाउंडेशन कंबल बांटेगा

कोलकाता, 30 दिसंबर : प्रभा खेतान फाउंडेशन व श्री सीमेंट लिमिटेड ने संयुक्त रूप से राज्य में गरीबों को आठ हजार कंबलों का निःशुल्क वितरण करने का फैसला किया है. विभिन्न इलाकों में एक से 10 जनवरी तक स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से यह कार्य किया जायेगा. कोलकाता में 14 जनवरी को सात विभिन्न स्थानों पर निःशुल्क कंबल वितरण होगा. कंबल वितरण के दौरान श्री सीमेंट लिमिटेड के चेयरमैन हरिमोहन बांगड़, राज्य विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हालिम, राबिन देब, संसदीय कार्यमंत्री प्रबोध चंद सिन्हा, अभिनेत्री रूपा गांगुली आदि भी मौजूद रहेंगी. कंबल वितरण फिल्म निर्देशक गौतम घोष, अभिनेत्री कोनिनिका, जून मलिहा, तनुश्री शंकर आदि के हाथों होगा. प्रभा खेतान के न्यासी संदीप भूतोड़िया ने कहा कि संस्था हर वर्ष गरीब व जरूरतमंदों को कंबल वितरण करती है. लेकिन इस वर्ष श्री सीमेंट लिमिटेड के सहयोग से इसे वृहद स्तर पर किया जा रहा है. इस कार्य में छाया, प्रेम मिलन, अखिल भारतीय गौड ब्राहम्ण सभा, नवारुण संघ व बालीगंज उत्थन समिति ने भी सहयोग प्रदान किया है.

प्रभात खबर | शनिवार, 31 दिसंबर, 2005

जरूरतमंदों में निःशुल्क कंबल वितरण

कोलकाता : प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा पश्चिम बंगाल में आठ हजार कंबलों का वितरण जरूरतमंदों को निःशुल्क किया जायेगा। पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में 1 जनवरी से 10 जनवरी तक कंबलों का वितरण जिले स्तर पर सक्रिय स्थानीय संस्थाओं की मदद से किया जायेगा। कोलकाता में शनिवार 14 जनवरी को 7 स्थानों पर कंबल वितरण का कार्यक्रम है।

सभी जगहों पर स्थानीय संस्थाओं की मदद से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। वितरण समारोहों में श्री सीमेंट लिमिटेड के चेयरमैन हरिमोहन बांगड़, पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, राज्य सरकार के मुख्य सचेतक राबिन देव, संसदीय कार्यमंत्री प्रबोधचंद सिन्हा, सिने तारिका रूपा गांगुली आदि उपस्थित रहेंगी।

31 दिसम्बर, 2005 दैनिक जागरण

आठ हजार कंबलों का होगा वितरण

कोलकाता, ३० दिसंबर (जनसत्ता)। प्रभा खेतान फाउंडेशन और श्री सीमेंट लिमिटेड की ओर से राज्य के विभिन्न जिलों में गरीब तबकों के लोगों के बीच एक से दस जनवरी के दौरान करीब आठ हजार कंबलों का वितरण किया जाएगा। संस्था की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संयोजक संदीप भूतोड़िया ने बताया कि १४ जनवरी को शहर में कंबल वितरण समारोह को आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हालिम, वाममोर्चा विधायक दल के मुख्य सचेतक राबिन देव, राज्य के आबकारी व संसदीय मामले के मंत्री प्रबोधचंद सिन्हा, रूपा गांगुली समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

जनसत्ता, कोलकाता, ३१ दिसंबर २००५

एक से कम्बल वितरण शुरु

कोलकाता, 30 दिसम्बर (पसं.)। प्रभा खेतान फाऊन्डेशन एवं श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा पश्चिम बंगाल में आठ हजार कंबलो का वितरण जरूरतमंदों को निःशुल्क किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में 1 जनवरी से 10 जनवरी तक कंबलों कंबलों का वितरण जिले स्तर पर सक्रिय स्थानीय संस्थाओं की मदद से किया जायेगा। कोलकाता शहर से शनिवार दिनांक 14 जनवरी से 7 स्थानों पर कंबल वितरण का कार्यक्रम है।

राजस्थान पत्रिका 31 दिसम्बर 2005

जरूरतमंदों में नि:शुल्क कंबल वितरण

कोलकाता, 2 जनवरी। स्थानीय सामाजिक, सांस्कृतिक स्तर पर सक्रिय संस्था प्रभा खेतान फाउन्डेशन एवं श्री सीमेंट लिमिटेड द्वारा पश्चिम बंगाल में आठ हजार कंबलों का वितरण जरूरतमंदों को नि:शुल्क किया जाएगा। पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में 1 जनवरी से 10 जनवरी तक कंबलों का वितरण जिले स्तर पर सक्रिय स्थानीय संस्थाओं की मदद से किया जाएगा। कोलकाता शहर में शनिवार दिनांक 14 जनवरी को 7 स्थानों पर कंबल वितरण का कार्यक्रम है। वितरण समारोहों में श्री सीमेंट लिमिटेड के चेयरमैन श्री हरिमोहन बांगड़, पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हशिम अब्दुल हालिम, राज्य सरकार के मुख्य सचेतक श्री राबिन देब, संसदीय कार्यमंत्री श्री प्रबोधचंद सिन्हा, सिने तारिका रूपा गांगुली आदि उपस्थित रहेंगी। फाउन्डेशन के न्यासी एवं कार्यक्रम के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि फाउन्डेशन हर साल जरूरतमंदों को कंबल का वितरण करती है किन्तु इस वर्ष श्री सीमेंट लिमिटेड एवं सहयोगी संस्थाओं के सहयोग से इसे वृहद स्तर पर कोलकाता के अलावा पूरे राज्य में करना संभव हो पाया है।

'सन्मार्ग' कोलकाता, मंगलवार, 3 जनवरी, 2006

PARTY IN STYLE

Wenna Perngmark, Arjun, Bikram and Anna

Sundeep

It was a week long New Year's eve party hosted by social activist **Sundeep Bhutoria** at his residence. it was a big bash for the Who's Who of Kolkata, including consulate officials, top cops, industrialists, journos, painters, bureaucrats, designers and of course, Tolly celebs. We spotted **Roopa Ganguly, Bikram Ghosh, Augostino Pinna, Wanna Perngmark, Gleb Yu Gorasimov, Bhupendra Singh Gujral, Arjun, Nilanjana Chakraborty, Harsh** and **Anamika Lodha, Arun** and **Suchandra Bhutoria, Jawahar Sircar, Arindam Sil**, artist **Sangram Guha, Joseph, Anna Maria Hage** and **Prasun Mukherjee**. The theme décor and the cuisine were different for each day. Guests had a choice of Chinese, Lebanese, Gujarati, Japanese, Punjabi and south Indian cuisine with different floral and theme arrangements.

Harsh, Anamika and Abhilasha

Jahar and Suchandra

Sangram and Sampa

Arun

Sen's sensibilities c

HT City Correspondent

Post Satyajit Ray, the importance of narrative was lost in the jungle of 'experimental' and indifferent films. Aparna Sen, however, sticks to the style of story-telling and sets new standards of excellence with each of her movies. No wonder, *15 Park Avenue* evoked an overwhelming response as it premiered on Friday at 89 Cinemas.

A poignant story of a schizophrenic woman in search of an imaginary address, the film created ripples since it was launched early last year with an impressive cast that included cerebral actors of three generations, Waheeda Rehman, Shabana Azmi and Konkona Sensharma. It also features Rehman and Soumitra Chatterjee together since Ray's *Abhijaan* and brings back fond memories of Sen's directorial debut, *36 Chowringhee Lane*, where she had cast Dhritiman Chatterjee, as one of the principal actors.

Konkona and Shabana, introduced the film to the audience along with Sen. "I am touched by the audience's response. There are many women like the character I played who spend their lives caring about their dependent families and end up being lonely. The film has addressed a sensitive issue," said Shabana after the screening.

For Sen, congratulations poured in from eminent personalities who attended the screening. "How can a person be so talented? It's incredible!" author Sunil Gangopadhyay referred to Sen after watching the movie. Former MP Bharati Roy, painter Shuvaprasanna, director Sandip Ray, MP Mohammed Salim, set designer Bibi Roy, theatre personality Sohag Sen, actor Ranjit Mallick with wife Deepa and daughter Koel, jewellery designer Ni-anjana Chakraborty — the ist of celebrity guests emed unending.

Nana Patekar, who is in n for Goutam Ghose's a, was also spotted. an amazing film," said a.

ne guests also praised kona highly for her nuanced performance as a schizophrenic woman suffering from occasional bouts of epilepsy. Sen's talented daughter, however, was absent later in the evening (she left early because of high fever).

"You can SMS your best wishes to her. She will be very happy," said a proud mother to her close friends.

After the screening, the cast and crew trouped to BED, an open-air restaurant cum nightclub. Sen made a late entry with husband Kalyan Ray. The media jostled as the charismatic actor-turned-director posed time and again with her celebrity guests. "Why did you miss my film?" she asked in mock anger as Roopa Ganguly walked in.

The producer of the film, Bipin Kumar Vohra, was happy at the reactions the film evoked. "It will be great if all goes well till the end. Three cheers for the film!" he said.

Subhankar Chakraborty

From left: Konkona Sensharma is overwhelmed by the response she generated as a sc
Jahar Sarkar, former chief electoral officer, litterateur Sunil Gangopadhyay and his wi

From left: Actor Ranjit Mallick with daughter Koel, soc
Shuvaprasanna and former MP Bharati Roy were effus

From left: Gregen and Alexzandrea, the remarkably ta
producer Bipin Vohra with Nana Patekar, MP Md Salim

9A

rowned at premiere

Photos: Salil Bera

ophrenic woman in the film; director Aparna Sen seems embarrassed as accolades poured in from Swati Gangopadhyay, and author-husband Kalyan Ray after the screening of the film

Shabana Azmi

Sandip Ray

ites Madhu Neotia, Sonali Vohra, industrialist Sandeep Bhutoria, actor Roopa Ganguly, painter in their praise at the premiere party of the film at BED on Friday

Debashree Roy

ted child actors of the film at the premiere party, actors Nakul Vaid and Kushal Chakraborty, MLA Sougata Roy at the star-studded screening of *15 Park Avenue*

Harsh Neotia

9B

Tale of two sisters

Roopa with Bipin

No prizes for guessing how the premiere party for *15 Park Avenue* in B.E.D was like. From director Aparna Sen to actors Roopa Ganguly, Kushal Chakraborty and painter Suvaprasanna, all were present at the do. Child artistes, Gregan and Alex turned out to be the show stealers. Not to mention chairman and managing director of SPS Films, Bipin Vohra, who felt every bit the proud producer of a film that went down well with the audience. Apart from the Tolly folks, industrialists, politicians, socialites and media persons they were all there to congratulate the unit. Social activist Sundeep Bhutoria was seen talking to Roopa Ganguly about a forthcoming social venture. "I am sure it will bag lots of awards of this year — nationally or internationally," said Bhutoria.

Suvaprasanna and Sundeep

Kushal

Gregan, Aparna and Alex

Samir Jana

Koneenica and Sohag

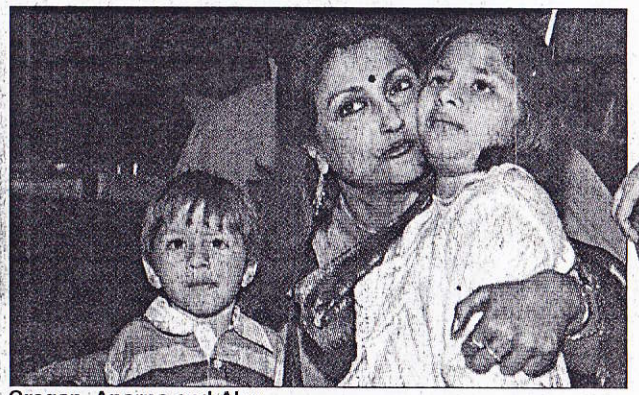

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

SUNDAY 8 JANUARY 2006

جوڑاسانکو اسمبلی حلقہ کے ایم ایل اے ستیہ نارائن بجاج اتوار کو اپنے حلقہ میں ضرورت مندوں کو کمبل تقسیم کرتے ہوئے۔

روزانہ "آزاد ہند" کلکتہ AZAD HIND

KOLKATA 2006 1/ جنوری

Hasim A Halim

Somen Mitra

Roopa Ganguly

Rabin Deb

For the people

Kolkata is not a miser when it comes to showing that it cares for those in need. Prabha Khaitan Fountain, a city based renowned NGO, is one such instance. It has devoted itself to the cause of people for years.

And this time around the NGO has collected 10,000 blankets which will be distributed among the poor today. "This weekend, we will be giving out 3,000 blankets in Kolkata and the remaining 7,000 will be distributed among the various districts of Bengal," said **Sundeep Bhutoria**, the convenor of the programme. Bhutoria also added that in 10 different programmes to be hosted in Kolkata, industrialists, politicians, consul generals and celebrities from Tollygunge will come forward to support the cause.

Speaker **Hasim Abdul Halim** will attend at a function organised by the Iran Society while the Congress leader, Somen Mitra, will be present at the function by Bharat Relief Society. Actor **Roopa Ganguly** will hand out the blankets at Tollygunge from her own NGO Chhaya while the chief whip, **Rabin Deb**, will be there at the Topsia football ground on January 15. MLA **Satyanarayan Bajaj** and the consul of Chile, Nepal and industrialist **Arun Bhutoria**, will also be present.

The managing trustee of the foundation, **Dr Prabha Khaitan,** will also be there at various functions. "Every corporate has some social responsibilities. With the help of NGOs we should help the poor in every possible way," said **HM Bangur**, the managing director of Sree Cement Ltd, which is the main sponsor of the event.

Prabha Khaitan

संक्रांति पर प्रभा खेतान फाउंडेशन कंबल बांटेगा

कोलकाता, 13 जनवरी : मकर संक्रांति के मौके पर प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा महानगर में तीन हजार कंबल का वितरण कल व रविवार को किया जायेगा. गौरतलब है कि प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा सात हजार कंबलो का वितरण मेदिनीपुर, नदिया, बर्दवान, पुरुलिया आदि ज़िलों में एक जनवरी से 12 जनवरी तक किया गया. वितरण कार्यक्रम में महानगर के रिलीफ सोसायटी, छाया, जोडासांको वेलफेयर ट्रस्ट, बालीगंज विकास परिषद, ईरान सोसायटी, शताब्दी फाउंडेशन, पश्चिम बंगाल हिंदी विकास परिषद आदि संस्थाएं सहयोग कर रही हैं. कार्यक्रम के संयोजक व न्यासी संदीप भूतोड़िया ने बताया कि वितरण कार्यक्रम में सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता, अभिनेता-अभिनेत्री, पार्षद, उद्योगपति सहित अन्य उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड भी उपस्थित रहेंगे. समारोह में टालीगंज से दमदम व मध्य कोलकाता के कई स्थानों पर गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे. इसमें विधानसभा अध्यक्ष हाशिम अब्दुल हलीम, राज्य सरकार के मुख्य सचेतक रबिन देव, कांग्रेस के सोमेन मित्रा, तृणमूल विधायक सत्यनारायण बजाज, नेपाल के कौंसुल जनरल गोविंद प्रसाद कुसुम व अरुण भूतोड़िया शामिल हैं.

प्रभात खबर १४ जनवरी २००६

कंबल वितरित किए

कोलकाता, १३ जनवरी (जस)। प्रभा खेतान फाउँडेशन की ओर से शीत के अवसर पर राज्य में १० हजार कंबल वितरित किए जा रहे हैं। इसकी जानकारी फाउँडेशन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई इसमें बताया गया कि बीते दिनों मेदिनीपुर, नंदिया, बर्दमान, पुरुलिया में सात हजार कंबल वितरित किए जा चुके हैं। इसके अलावा शनिवार और रविवार को कोलकाता में विभिन्न स्थानों पर तीन हजार कंबल वितरित किए जा रहे हैं। इस काम में कई संस्थाएँ मदद कर रही हैं। इसमें पश्चिम बंग हिंदी विकास परिषद , छाया, ईरान सोसायटी भी शामिल हैं।

२ जनसत्ता, कोलकाता, १४ जनवरी २००६

मकर संक्रांति के अवसर पर दस हजार जरूरतमंदों को कंबल वितरण

प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं श्री सीमेंट द्वारा आयोजित

कोलकाता, १३ जनवरी। महानगर की सुपरिचित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था, प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा पश्चिम बंगाल में शीत लहर के मद्देनजर १० हजार जरूरतमंदों को निःशुल्क कंबल वितरण किया जाएगा। ७ हजार कंबल पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों, मुख्यतः मिदनापुर, नदिया, वर्द्धमान, पुरुलिया इत्यादि में जनवरी १ से जनवरी १२ तक वितरित कर दिये गये हैं। कोलकाता महानगर में करीब ३ हजार कंबलों का वितरण विभिन्न कार्यक्रमों में शनिवार एवं रविवार को वितरित किए जाएंगे।

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा वितरण कार्यक्रम योजना को मूर्त रूप देने के लिए महागनर की विभिन्न संस्थाएं सहयोग दे रही है। जिनमें भारत रिलीफ सोसाइटी, छामा, जोड़ासांको वेलफेयर ट्रस्ट बालीगंज वेलफेयर सोसाइटी, ईरान सोसाइटी, प. बं. हिन्दी विकास परिषद आदि प्रमुख हैं। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभा खेतान फाउण्डेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया ने बताया कि वितरण कार्यक्रमों में सभी राजनैतिक दलों के नेतागण, बंगला फिल्म जगत की हस्तियां, मानद काउंसिल गण, उद्योगपति एवं अन्य क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के प्रमुख सहभागी श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। श्री बांगड़ ने कहा कि औद्योगिक घरानों का भी यह कर्तव्य होता है कि इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों में आगे बढ़कर मदद करें। उल्लेखनीय है कि महानगर में दो दिवसीय आयोजित वितरण समारोह में टालीगंज से दमदम एवं मध्य कोलकाता के कई स्थानों पर प्रमुख व्यक्ति शिरकत करेंगे। इनमें प्रमुख हैं , पं. बंगाल विधानसभा अध्यक्ष, जनाब हाशिमअब्दुल हालीम, राज्य सरकार के मुख्य सचेतक श्री राबिन देव, प्रदेश कांग्रेस के नेता श्री सौमेन मित्रा, तृणमूल विधायक श्री सत्यनारायण बजाज, बंगला फिल्म अभिनेत्री रूपा गांगुली एवं कोनिनिका बनर्जी, चिली के मानद काउंसिल श्री जे. के. सर्राफ, नेपाल के मानद काउंसिल जनरल श्री गोविंद प्रसाद 'कुसुम' एवं रियल स्टेट डेवलपर श्री अरुण भूतोड़िया। प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी डॉ. प्रभा खेतान स्वयं भी विभिन्न जगहों पर आयोजित वितरण कार्यक्रमों में उपस्थित रहेंगी। इस वितरण समारोह की सफलता हेतु श्री विश्वम्भर नेवर, श्री दिनेश बजाज, श्री राजकुमार शर्मा, श्री राजेश बिहानी आदि विगत कई दिनों से सक्रिय हैं।

कोलकाता, १४ जनवरी २००६ दैनिक विश्वमित्र

मकर संक्रांति पर आज 10 हजार गरीबों में कम्बल वितरण

प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं श्री सीमेंट द्वारा आयोजित

कोलकाता, 13 जनवरी (संवाददाता)। महानगर की सुपरिचित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा पश्चिम बंगाल में शीतलहर को देखते हुए 10 हजार जरूरतमंदों को निःशुल्क कम्बल वितरण किया जायेगा। 7 हजार कम्बल राज्य के विभिन्न जिलों मिदनापुर, नदिया, बर्दवान, पुरुलिया आदि में गत एक जनवरी से 12 जनवरी तक वितरित किये गये।

कोलकाता में लगभग 3 हजार कम्बल कल एवं परसों वितरित किये जायेंगे। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा इस वितरण कार्यक्रम योजना को मूर्त रूप देने के लिए महानगर की विभिन्न संस्थाएं सहयोग दे रही है। जिसमें भारत रिलीफ सोसाइटी, छाया, जोड़ासांकू वेलफेयर ट्रस्ट, बालीगंज विकास परिषद, ईरान सोसाइटी, शताब्दी फाउंडेशन, पश्चिम बंग, हिन्दी विकास परिषद आदि प्रमुख हैं। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया ने विज्ञप्ति में कहा है कि वितरण कार्यक्रमों में सभी राजनीतिक दलों के नेतागण एवं बंगला फिल्म जगत की हस्तियां, मानद काउंसिलगण, उद्योगपति एवं विशिष्ट व्यक्ति इस मौके पर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के प्रमुख सहभागी श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ भी उपस्थित रहेंगे।

इसमें प्रमुख हैं विधानसभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम, मुख्य सचेतक रॉबिन देव, विधायक सोमेन मित्र, विधायक सत्यनारायण बजाज, अभिनेत्री रूपा गांगुली एवं कोनिनिका बनर्जी, चिली के मानद काउंसिल जे. के. सराफ, नेपाल के मानद काउंसिल जनरल गोविंद प्रसाद (कुसुम) एवं रियल स्टेट डेवलपर अरुण भूतोड़िया। प्रभा खेतान फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी डा. प्रभा खेतान स्वयं भी विभिन्न जगहों पर आयोजित वितरण कार्यक्रमों में उपस्थित रहेगी। इस वितरण सारोह की सफलता हेतु विश्वम्भर नेवर, दिनेश बजाज, राजकुमार शर्मा, राजेश बिन्नानी आदि गत कई दिनों से सक्रिय हैं।

छपते छपते, कोलकाता, शनिवार, 14 जनवरी-2006

भारत रिलीफ सोसाइटी द्वारा मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डा. प्रभा खेतान गरीबों में कम्बल वितरण करती हुई। साथ में सोसाइटी के अध्यक्ष श्री चिरंजी लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष द्वद श्री जगदीश चंद्र एन मूंदड़ा, श्रीबालकृष्ण माहेश्वरी, पार्षद रेहान खातून व श्वेता इन्दौरिया, श्री श्यामलाल डोकानिया एवं सोसाइटी के प्रधान सचिव श्री विश्वम्भर नेवर।

उल्लेखनीय है कि श्री सीमेंट लिमिटेड एवं प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा कोलकाता एवं राज्य के जिलों में 10 हजार कम्बलों का वितरण किया गया था। विभिन्न सार्वजनिक सेवा संस्थाओं के माध्यम से यह वितरण किया गया। कम्बल वितरण में अन्य कई संस्थाओं ने भी भाग लिया जिनमें छाया, जोड़ासांको वेलफेयर ट्रस्ट, बालीगंज विकास परिषद, ईरान सोसाइटी, प. बंग हिन्दी विकास परिषद प्रमुख हैं। इन आयोजनों में श्री हरिमोहन बांगड़, श्री संदीप भूतोड़िया, चीली के मानद कौंसुल श्री जुगल सराफ, नेपाल के कौंसुलेट डा. गोविन्द प्रसाद कुसुम, विधायक सत्यनारायण बजाज शामिल थे।

छपते छपते, कोलकाता, सोमवार, 16 जनवरी -2006

REACHING OUT: Roopa Ganguly and cousin Sona (left) distribute blankets to the needy along with members of her NGO Chhaya and Pra5ha Khaitan Foundation

THE TELEGRAPH CALCUTTA THURSDAY 19 JANUARY 2006

शिविर संपन्न

कोलकाता : प्रभा खेतान फाउंडेशन व प्रेम मिलन (कोलकाता) की ओर से कल सुतानुती पाइकपाड़ा के सहयोग से नलिनी उद्यान में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में 311 लोगों का परीक्षण किया गया. इस मौके पर पूर्व पार्षद दिलीप बनर्जी ने कहा कि हमारा उद्देश्य गरीबों को फायदा पहुंचाना है. इस अवसर पर प्रेम मिलन के सचिव चंद्रकांत सराफ ने बताया कि सैकड़ों लोगों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया गया है. 58 लोगों को 29 जनवरी को चश्मा दिया जायेगा. इस अवसर पर 100 लोगों को कंबल दिये गये. श्री सराफ ने बताया कि 12 मार्च को सुतानुती पाइकपाड़ा के के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा. शिविर को सफल बनाने में दिलीप सराफ, राजकुमार बागला, कांताप्रसाद सिंह, नरेश शर्मा, गोरा चक्रवर्ती, संजय अग्रवाल व रतन अग्रवाल सक्रिय रहे.

प्रभात खबर

कोलकाता

मंगलवार, 24 जनवरी, 2006

प्रभा खेतान फाउण्डेशन एवं प्रेम मिलन ने किया सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

कोलकाता, २३ जनवरी। प्रभा खेतान फाउण्डेशन एवं प्रेम मिलन (कोलकाता) द्वारा रविवार को सुतानुटी पाईकपाड़ा के सहयोग से नलिनी उद्वान में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ३११ लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पूर्वपार्षद दिलीप बनर्जी ने कहा कि प्रभा खेतान फाउंनडेशन एवं प्रेम मिलन आज हमारी संस्था से जुड़ी है जिससे अधिक से अधिक गरीबों का लाभ मिलेगा। प्रेम लिमन के सचिव चंद्रकान्त सराफ ने बताया कि सैकड़ों लोगों का ई.सी.जी. रक्तग्रुप, रक्तचाप, ब्लड सूगर, सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं आंख जांच किया गया। आंख जांच के उपरान्त चश्मा योग्य पाए गए ५८ लोगों को आगामी रविार २९ जनवरी को चश्मा प्रदान किया जाएगा।

दैनिक विश्वमित्र

कोलकाता, २४ जनवरी २००६

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सम्पन्न

कोलकाता, 23 जनवरी (पसं.)। प्रभा खेतान फाउण्डेशन एवं प्रेम मिलन कोलकाता की ओर से सुतानुटी पाइकपाड़ा के सहयोग से नलिनी उद्यान मैदान में एक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 311 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस मौके पर पूर्व पार्षद दिलीप बनर्जी ने कहा कि प्रभा खेतान फाउण्डेशन व प्रेम मिलन कोलकाता पहले से ही सामाजिक सेवा मूलक कार्यों को बढ़ावा दे रही हैं। प्रेम मिलन के सचिव चंद्रकांत सराफ ने बताया कि शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है। शिविर में नेत्र जांच के दौरान चश्मा योग्य पाए गए 58 लोगों को आगामी रविवार 29 जनवरी को चश्मा प्रदान किया जाएगा।

आगामी 12 मार्च को इन दोनों संस्थाओं व सुतानुटी पाइकपाड़ा के सहयोग में एक रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। प्रभा खेतान फाउण्डेशन की तरफ से 100 लोगों को कंबल भी प्रदान किए जाएंगे। शिविर में दिलीप सराफ, राजकुमार बाग्ला, कांता प्रसाद सिंह, नरेश शर्मा, गोरा चक्रवर्ती, संजय अग्रवाल व रतन जयसवाल सक्रिय रहे।

राजस्थान पत्रिका | कोलकाता

मंगलवार | 24 जनवरी 2006

प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन ने किया सैकड़ों लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन(कोलकाता) के संयुक्त तत्वावधान में सुतानुती पाईकपाड़ा में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के अवसर पर पूर्व पार्षद दिलीप बनर्जी, प्रेम मिलन के सचिव चंद्रकांत सराफ, दिलीप सराफ, कांता प्रसाद सिंह, राजकुमार बागला, नरेश शर्मा, गोरा चक्रवर्ती, गिरधर हर्ष एवं संजय अग्रवाल।

कोलकाता, २५ जनवरी (सेस)। प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन (कोलकाता) द्वारा रविवार २२ जनवरी को सुतानुती पाईकपाड़ा के सहयोग से नलिनी उद्यान में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर ३११ लोगों का परीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पूर्व पार्षद दिलीप बनर्जी भी उपस्थित थे। प्रेम मिलन के सचिव चंद्रकांत सराफ ने बताया कि सैकड़ों लोगों का ईसीजी, रक्तग्रुप, रक्तचाप, ब्लड सूगर, सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं आंख जांच किया गया। आंख जांच के उपरान्त चश्मा योग्य पाए गए ५८ लोगों को आगामी रविवार २९ जनवरी को चश्मा प्रदन किया जाएगा। श्री सराफ ने बताया कि आगामी १२ मार्च को सुतानुती पाईकपाड़ा के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में प्रभा खेतान फाउंडेशन की तरफ से १०० लोगों को कंबल वितरण भी किया गया। शिविर को सफल बनाने में दिलीप सराफ, राजकुमार बागला, कांता प्रसाद सिंह, नरेश शर्मा, गोरा चक्रवर्ती, संजय अग्रवाल रतन जायसवाल सक्रिय थे।

बुधवार, 25 जनवरी 2006 सेवासंसार

Partying pleasure

Sundeep Bhutoria with Jagdish Khattar and Parvej Deewan

Few days before, renowned industrialist and social worker **Sundeep Bhutoria** hosted a party in honour of **Kim Hak-Su**, under secretary general of United Nations and the executive secretary of ESCAP, who was in New Delhi for WFUNA model UN for Asia Pacific Countries and now this was another bash by Bhutoria at India International Centre, New Delhi where most of the bureaucrats were talking about the Central budget.

Among the first few guests to arrive at the party were the chief election commissioner, **BB Tandon**, followed by **Gopala Swami** and **Naveen Chawla**, members of Election Commission. Was there any discussion about the forthcoming Bengal assembly election? Bhutoria was not ready to make any comment on this. Not only the commission members, senior bureaucrats like **PK Hota**, Union health secretary, **KM Sahni**, Union labour secretary, **R Srivastava**, director general of sports, **VK Malhotra**, chairman of FCI, **P Baijal**, chairman of TRAI and many other senior government officials were also there.

During the programme, **J Singh**, managing director of Dupont India and **J Khattar**, managing director of Maruti were spotted discussing with **Binoo Sen**, ex Union steel secy and member of POTA Review Committee. **RK Dhawan, PM Nayar**, secretary to the President and **KS Vaidyanathan**, senior vice-president of ITC were also present there.

Ashok Kapoor, ex-principal secretary of government of West Bengal, was also there with his recently married son **Raghav** and daughter-in-law **Namrata**. Renowned politician **Farooq Abdullah** made a late entry accompanied by senior bureaucrat **Parvej Deewan**.

BB Tandon

P M Nayar

Farooq Abdullah

Naveen Chawla

Binoo Sen

Bhutoria with the guests

Ashok Kapoor and P Baijal

Partying pleasure

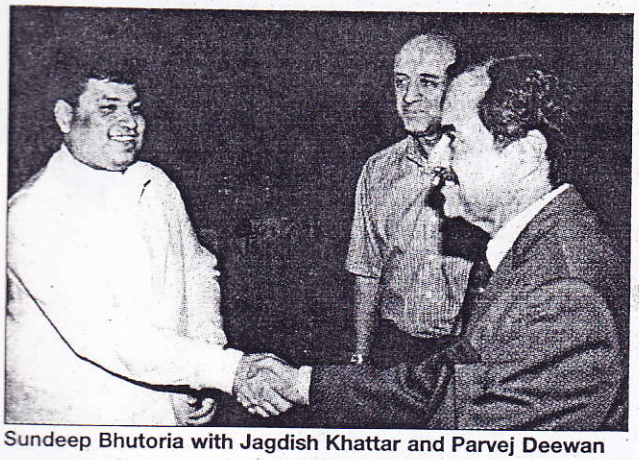

Sundeep Bhutoria with Jagdish Khattar and Parvej Deewan

Few days before, renowned industrialist and social worker **Sundeep Bhutoria** hosted a party in honour of **Kim Hak-Su**, under secretary general of United Nations and the executive secretary of ESCAP, who was in New Delhi for WFUNA model UN for Asia Pacific Countries and now this was another bash by Bhutoria at India International Centre where most of the bureaucrats were talking about the Central budget.

Among the first few guests to arrive at the party were the chief election commissioner, **BB Tandon,** followed by **Gopala Swami** and **Naveen Chawla**, members of Election Commission. Was there any discussion about the forthcoming Bengal election? Bhutoria was not ready to make any comment on this. Not only the commission members, senior bureaucrats like **PK Hota**, Union health secretary, **KM Sahni**, Union labour secretary, **R Srivastava**, director general of sports, **VK Malhotra**, chairman of FCI, **P Baijal**, chairman of TRAI and many other senior government officials were also there.

During the programme, top corporate honchos like **J Singh**, **J Khattar**, **KS Vaidyanathan** were spotted discussing with **Binoo Sen**, ex Union steel secy and member of POTA Review Committee. **RK Dhawan** and **PM Nayar** secretary to the President were also present there.

Ashok Kapoor, ex-principal secretary of government of West Bengal, was also there with his recently married son **Raghav** and daughter-in-law **Namrata**. Renowned politician **Farooq Abdullah** made a late entry accompanied by senior bureaucrat **Parvej Deewan**.

BB Tandon

P M Nayar

Farooq Abdullah

Naveen Chawla

Binoo Sen

Bhutoria with the guests

Ashok Kapoor and P Baijal

Subrata Kr Mondal

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

THURSDAY 2 MARCH 2006

Cine celebrations

(Clockwise from top) Mrinal Sen, Shayon Munshi, Raima Sen and Anjan Dutt; Moon Moon Sen with Sundeep Bhutoria; Parambrata Chatterjee; Riya Sen with Victor Banerjee at the launch of Dutt's new film *The Bong Connection*.
Pictures by Aranya Sen

What: The launch of Anjan Dutt's film *The Bong Connection*.

■ **Where:** Rosewood Hall, The Park.

■ **When:** Friday evening.

■ **The bash:** The unveiling of the English film that tries to put Bengal on the global map also saw the launch of production house Moxie Entertainment Pvt Ltd.

PARTY TIME

The brainchild of Joy B. Ganguly, the film aims to promote cinema from Bengal and establish its essence in the world market.

So, *Bong Connection* will not only be shot in Houston — apart from Calcutta — but will also be premiered at the North American Bengali Conference (NABC) in Houston later this year.

Apart from the main cast — Raima Sen, Shayon Munshi, Riya Sen and Parambrata Chatterjee — lots of well-wishers turned up to convey their best wishes to Dutt and his team.

If Mrinal Sen was happy to see Dutt make another film, Victor Banerjee — also part of the cast — had tongue firmly in cheek as he spoke about "Stephen Hawking's Big Bong Theory".

Bikram Ghosh, who features in the soundtrack of the movie composed by Neel Dutt, was also there describing his connections with Bengal and beyond.

Some surprise guests for the evening were Moon Moon Sen and Mohan Agashe, who joined the action pretty late in the evening. By then the wine was flowing freely, and the finger food was doing the rounds.

The film's shooting started last Thursday at Someplace Else, The Park, and will go on till mid-February in Calcutta, before the venue shifts to the United States in March.

■ **Voiceover:** "We should feel sorry that we haven't been able to give a *Dil Chahta Hai* from this part of the world. But better late than never," said Joy, who is also the ideator of the film.

Pratim D. Gupta

THE TELEGRAPH
CALCUTTA MONDAY
30 JANUARY 2006

Master strokes

This was an exhibition of paintings by eminent painter **Suvaparasanna** at a city five star hotel. Apart from a gathering of art connoisseurs, it turned out to be a lively social do. The show had it all — from appreciation of art, exchange of opinions to an informal chit-chat. **Wasim Kapur**, **Robin Mondal**, **Usha Uthup** and **Harsh Neotia**, all graced the occasion and shared a light moment with the artist. The exhibition was inaugurated by Governor **Gopal Krishna Gandhi**. We spotted industrialist **Sanjeev Goenka** discussing with social activist **Sundeep Bhutoria** about the forth coming election of Bengal. End of the day quite a toast was raised in the name of art. Now that's what we call celebrating for art's sake!

Ashish Chakraborty

Suvaprasanna

Robin Mondal

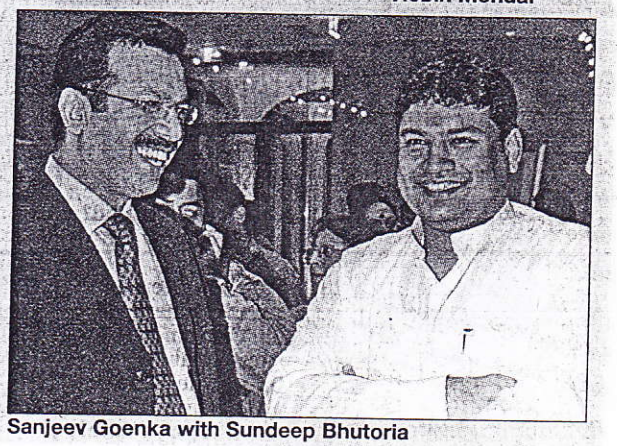

Sanjeev Goenka with Sundeep Bhutoria

Calcutta Times, Times of India
Thursday 2nd February 2006

Women's affairs

Marilyn Moyer

There was a dinner party on the 78th annual session of All India Women's Conference at **EZCC** on Sunday. The conference was inaugurated by Governor **Gopal Krishna Gandhi. Malini Bhattacharyay** was also present at the inaugural programme. At the dinner party hosted by **Dr Prabha Khaitan**, chairperson of the Prabha Khaitan Foundation, we spotted **Kalpakam Yechuri**, mother of CPI-M leader **Sitaram Yechuri**, **Manorama Bawa**, president of All India Women's Conference and many other eminent personalities.

Manorama and Suman

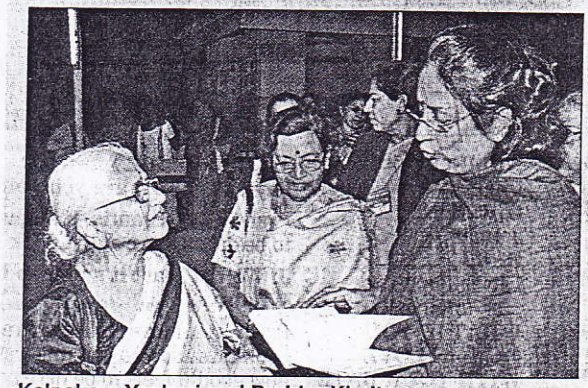

Kalpakam Yechuri and Prabha Khaitan

Calcutta Times, Times of India
Thursday 2nd February 2006

Photos: Nitin Malik

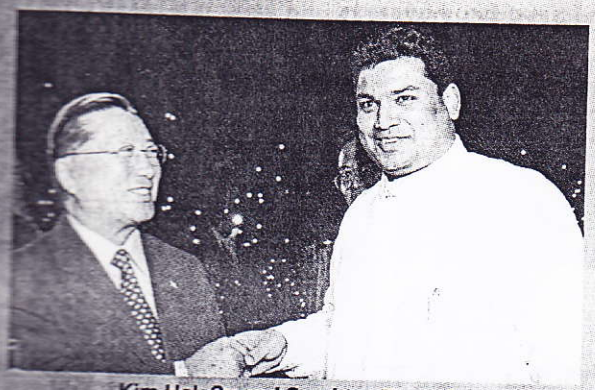

Kim Hak Su and Sundeep Bhutoria

Ram Niwas Mirdha & Gregory Kovrizhenko

Nothing official about it!

Incia Khan

It's spring and the party scene in the city is really hotting up. Any excuse for a party does the trick to get people together to have a good time.

Such a scene was seen at Hotel Forte Grand, recently. The occasion was a party thrown by Sundeep Bhutoria of the World Federation of United Nations Associations for the heads of delegations attending the WFUNA Asia/Pacific Model UN Conference. Said Sundeep, "Thirty countries from Asia/Pacific participated at this meet and debated issues like job security and threats to human security. An important role in this was played by the student delegates representing the youth of the region."

After serious discussions, everybody decided to relax by dancing and chilling out. Drinks, snacks and a sumptuous spread added to the party atmosphere.

Among those present were UN officials, senior bureaucrats, diplomats and delegates.These included Ram Niwas Mirdha, Kim Hak Su, Desh B Sahae, ML Sethia, Pera Wells, Lucy Knight, Lee Kwang Boon and Carolina Hernandez.

RAHUL VERMA

Irena Blehova and Vikas Jain

Shalini Dewan and Margaret Hanley

Celebration time

IK Gujral

Kim Hak-Su, Sundeep Bhutoria and Pera Wells

The occasion was social activist **Sundeep Bhutoria**'s most happening party that took place in the Capital recently. The party was thrown by Bhutoria in honour of **Kim Hak-Su**, under secretary general of United Nations and the executive secretary of ESCAP, who was in New Delhi for WFUNA model UN for Asia Pacific Countries. Who's who of all works of life were spotted at the bash. Starting from the top political leaders to the senior bureaucrats, UN officials to the famous designers, renowned journalists to the intellectuals all were present at the do. Hardly one could miss the diplomats from 40 different consulates who were there to meet Kim Hak-Su. Said Sundeep as convenor of the conference, "Thirty countries from Asia/Pacific participated at this meet and debated issues like job security and threats to human security. An important role in this was played by the student delegates representing the youth of the region." Ex-Prime Minister **IK Gujral**, foreign minister **Anand Sharma**, **Pera Wells** and IFUNA secretary general **Suresh Srivastava** were also spotted at the inaugural session. After serious discussions, everybody decided to spend some light moments with music and dance. Drinks, snacks and a sumptuous spread added to the flavour.

Fruzina Molnar, Carolina Hernandez, Incia Khan and Lucille Knight

Amarjit Kaur Ahuja (right) with an US diplomat

Noureddine Bardad with Ram Niwas Mirdha

Sitaram Sharma, Sanjay Sethia and Sun Yuxi

Celebration time

Kim Hak-Su, Sundeep Bhutoria and Pera Wells

Amarjit Kaur Ahuja, Chief Resident Commissioner, Govt of Rajasthan (right) with an US diplomat

Sitaram Sharma, Sanjay Sethia and Sun Yuxi

IK Gujral and Sundeep Bhutoria

Noureddine Bardad with Ram Niwas Mirdha

Fruzina Molnar, Carolina Hernandez, Incia Khan and Lucille Knight

The occasion was Sundeep Bhutoria's most happening party that took place in the Capital recently. The party was thrown by Bhutoria, secretary of Rajasthan Foundation (Kolkata), and President of Rajasthan National Forum, in honour of Kim Hak-Su, under secretary general of United Nations and the executive secretary of ESCAP, who was in New Delhi for WFUNA model UN for Asia Pacific Countries. Who's who of all works of life were spotted at the bash. Starting from the top political leaders to the senior bureaucrats, UN officials to the famous designers, renowned journalists to the intellectuals all were present at the do. Hardly one could miss the diplomats from 40 different consulates who were there to meet Kim Hak-Su. Said Sundeep as convenor of the conference, "Thirty countries from Asia/Pacific participated at this meet and debated issues like job security and threats to human security. An important role in this was played by the student delegates representing the youth of the region." Ex-Prime Minister IK Gujral, foreign minister Anand Sharma, Pera Wells and IFUNA secretary general Suresh Srivastava were also spotted at the inaugural session. After serious discussions, everybody decided to spend some light moments with music and dance. Drinks, snacks and a sumptuous spread added to the flavour.

Samir Jana

Desi delight

(Clockwise from top) Dolly with her daughter Koel, Agnimitra and Kiran

It was a night out with the glam girls of the fashion industry on Wednesday at a city star hotel. Needless to say then that a fashion show will pull designers and celebs to the venue. This event proved no different. There were the likes of **Kiran Uttam Ghosh, Agnimitra Paul, Usha Uthup and** social activist **Sundeep Bhutoria.** The ramp, however, was set ablaze by big names such as **Noyonika, Vidisha Pavate, Tupur Chatterjee, Sonali Rosario, Rachel Byrose** and others.

Sundeep

Over a laugh

Laughter is the best medicine...this age old maxim was again proved right at the pre-Holi celebrations at the **Calcutta Swimming Club** on Friday. The occasion was Hasya Kavi Sammelan. The guest list included the Who's Who of Kolkata. From politicians to social activists, businessmen to intellectuals, all were present. There was **Ravi Todi, HP Budhia** and his wife and **Dr Prabha Khaitan.** We also spotted social activist **Sundeep Bhutoria** there. The usual dress code of the club is formals. But it made an exception this Friday. Bhutoria, who is always seen in his trademark white kurta churidar, hardly visits this club due to this formal dress code. But the relaxation of dressing rules allowed him to be present in his choice of attire. "I have not visited CSC from the time they have banned our national dress — kurta and churidar — even in their banquet, which they give on rent. But today it's good to be here and see that even the president of the club, Ravi Todi, is in the same attire," Bhutoria said.

Anjit Dutta

Chitra Todi and Sundeep Bhutoria

Uma Budhia and Praveen Shukla

HP Budhia and Suman Dubey

Ramesh Taparia and Hari Om Pawar and others

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

SUNDAY 12 MARCH 2006

व्यर्थ न जाने दें मानव जीवन : गुलाब कोठारी

जैन संस्कृति संसद ने किया कोठारी का सम्मान

कार्यालय संवाददाता

कोलकाता, 30 मार्च। राजस्थान दिवस और नव वर्ष के उपलक्ष्य में राजस्थान पत्रिका के संपादक गुलाब कोठारी के कोलकाता आगमन पर जैन संस्कृति संसद की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। गुरुवार को हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित इस समारोह में कई जैन और मारवाड़ी सभा-संस्थाओं ने गुलाब कोठारी को माला, सुपारी, नारियल, दुपट्टा, स्मृति चिह्न और साफा पहनाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के शुरू में मुख्य अतिथि गुलाब कोठारी को सम्बोधित करता हुआ एक गीत गाया गया। तत्पश्चात् श्रीमती सुशीला मंगोलिया ने उन्हें तिलक लगाकर आभार व्यक्त किया। सम्मानित करने वालों में सर्वप्रथम समाजसेवी, उद्योगपति सुंदर लाल दुगड़ ने गुलाब कोठारी को भगवान महावीर का फोटो, दुपट्टा और साफा पहनाकर सम्मानित किया। उसके बाद श्री जैन सभा के प्रधान सचिव धर्मचंद, अखिल भारतीय तेरापंथी महिला परिषद् की श्रीमती तारा देवी सुराणा, जैन हॉस्पिटल और रिसर्च सेंटर के पन्नालाल, संपत लाल बच्छावत, कार्यक्रम के प्रधान अतिथि विनोद संचेती, अमर चंद सिपानी, विजय कुमार लाहटा, श्री जैन सभा के प्रधान सचिव धर्मचंद राखेचा, हरक चंद कांकरिया, कमल सिंह रामपुरिया समेत कई समाजसेवी और उद्योगपतियों ने साफा, शॉल ओढ़ाकर उनका आदर सम्मान किया। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान पत्रिका के संपादक गुलाब कोठारी ने अपनी पुस्तक मानस की विषय वस्तु से सम्बन्धित विचार व्यक्त किए।

जैन संस्कृति संसद की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में पुस्तक मानस की विषय वस्तु पर और जैन समाज के विचारों को व्यक्त करते गुलाब कोठारी। पत्रिका

कोठारी ने कहा कि मनुष्य जीवन पिछले सुकर्मों का फल है। इसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। मनुष्य ही वह जीव है जिसमें मन, दया, करुणा होती है। इन्हीं भावों से जीवन संतुलित होता है। मानस के अनुसार मनुष्य जीवन ईच्छाओं से चलता है। लेकिन ईच्छाएं भी नियंत्रित होनी चाहिए।

इस सम्मान समारोह से पहले गुलाब कोठारी मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य से मिले। मुख्यमंत्री से मिलकर कोलकाता में बसे राजस्थानियों की समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को तुरंत निपटाने के साथ हर संभव मदद का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम में गुलाब कोठारी ने मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात का जिक्र करते हुए प्रवासी राजस्थानियों और जैन समुदाय के वरिष्ठ लोगों को मुख्यमंत्री का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन त्रिलोक चंद डागा ने किया। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया, सुंदर लाल दुगड़ आदि ने भी अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम का अंत विनय चंद मालू की कविता से हुआ।

राजस्थान पत्रिका | 31 मार्च 2006

(From left) Christin, Jecab and Guenther; Martin, R Pasupati and SV Ramana; Dev and Juergen

Artistic touch

Milena

This party was hosted in honour of the German artist **Guenther Vecker** on Wednesday. With the guest list including social activist **Sundeep Bhutoria, Juergen** and **Anne Fischer, Dev Nayak** and others, the party was a success.

Shipra, Mithu and Nandita

Sundeep, Anne and Ivete

THE TIP

Jazz up your drinks

■ **Rim your glass:** To add texture and flavour to a cocktail, rim your glass with just about anything from kosher salt to sugar to cocoa powder to crushed graham cracker crumbs.

■ **Try garnishing:** While the single olive garnish of a martini is justifiably a classic, a martini can also be garnished with, for example, a caperberry or a blue-cheese-stuffed olive.

■ **Add herbs:** Freeze fresh herbs such as cilantro, rosemary or basil into ice-cube trays and use them to garnish cocktails. Rosemary's great with gin; basil's perfect with sweet drinks; cilantro's ideal in a Bloody Mary.

■ **A twist of citrus:** When you squeeze a twist of citrus over a flame and into a drink, you're left with rich, caramelised flavours as well as a unique presentation.

■ **Sweeten up:** Use a stick of sugarcane to garnish rum or cachaca-based cocktails (like mojitos or caipirinhas) — as it soaks up the drink, it gets sweeter and more tender, and can be chewed as a palate-cleanser once the drink is done.

Subrata Kr Mondal

Guenter with his wife (left), Nitin, Lavneeta and Kamlini

Weert and Sundeep

A German affair

The German consul general, **Guenter Wehrmann** hosted a party at his Alipore residence on Tuesday which was attended by German diplomats from Berlin and Delhi. **Bernd Borchardt**, the South Asian head of Federal Foreign Office was seen discussing German business prospects in Kolkata. Even political counsellor, **Weert Borner**, was talking about his experience in India. **Rudolf Schwenk**, Unicef's representative was talking about the functioning of the NGOs. US official **Paul M Fermoile** was speaking to the new British deputy high commissioner, **Simon CH Wilson**. Russian consul general **Nikolay M Fedyukovich** was telling guests how he likes to visit Kalimpong and Darjeeling. **Vasant Subramanyan** and **TK Mukherjee** and **Sundeep Bhutoria** were enjoying the evening with German diplomat **Juergen Fischer**.

Paul, Shishir and Juergen

Bernd with Aninda

Rudolf with his wife

Simon with wife

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

THURSDAY 27 APRIL 2006

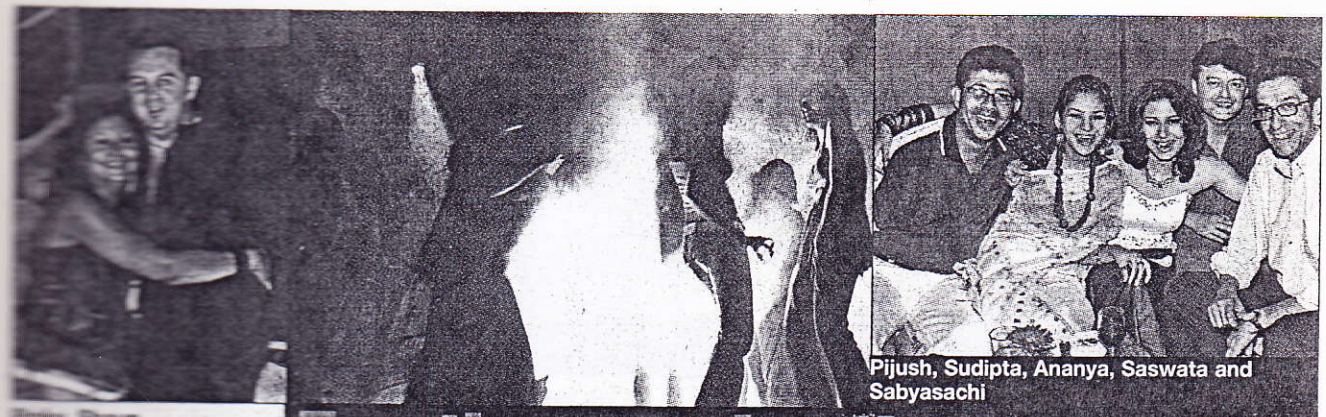

Pijush, Sudipta, Ananya, Saswata and Sabyasachi

For those who live to eat!

Neeraj, Jessica

Sunday eve was a perfect amalgamation of fire and ice. It was an eve where red and black created an aura of mystic celebration. It was a night where spice and sensuality mingled to make the launch of the *Times Food Guide* 2006 and Times Food Awards nite a grand success. And what else do you expect from Kolkatans, the city of food connoisseurs? One of the most important highlights of the evening was the food court where the award winning restaurants had showcased some of their choicest fares. Ummm... we can still see the grills sizzling, the aroma of *biryani* wafting in the air. Can still see people savouring the taste of *chitol muithya, gatte ki sabzi*, escalopes of *bhekti* spiked with fresh lime and walnut oil, *bhekti teriyaki*... it was a foodies' Paradise. Did we forget to mention something? Oh, yes... the desserts. *Mishti mukh chara ki khaoa* complete *hoye*? Says social-activist Sundeep Bhutoria, "The Guide is a lovely concept. It 'guides' the food lovers of Kolkata to taste different kinds of cuisine. The vegetarian dishes that were spread out at the food court were delicious." *Times Food Guide 2006*, priced at Rs 75 is available at all leading book stores and Planet M in Kolkata or to book your copy SMS 'foodguide' to 8888 or you can even log on to *www.shopping.indiatimes.com*

Sundeep

Sanjay

Tina, Pooja, Nicola

Cactus with Rimjhim

Rituparna gets a foot massage from Squeeze, hair and beauty salon

Watch the exclusive coverage of *Times Food Guide 2006* only on Kolkata TV on May 7, 9.30 pm onwards

प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन (कोलकाता) के संयुक्त तत्वावधान में सुतानुटी पाईकपाड़ा में आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के अवसर पर प्रेम मिलन के सचिव चन्द्रकांत सराफ, दिलीप सराफ, राजकुमार बागला, नरेश शर्मा, गोरा चक्रवर्ती, संजय अग्रवाल, रतन जायसवाल परिलक्षित हैं। (दाएं) लोगों का परीक्षण करते हुए चिकित्सकगण।

प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन का स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन (कोलकाता) द्वारा रविवार 22 जनवरी को सुतानुटी पाईकपाड़ा के सहयोग से नलिनी उद्यान में एक नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 311 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पूर्व पार्षद दिलीप बनर्जी ने कहा कि प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं प्रेम मिलन आज हमारी संस्था से जुड़ी है जिससे अधिक से अधिक गरीबों का लाभ मिलेगा। उन्होंने दोनों संस्था के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार प्रकट किया। प्रेम मिलन के सचिव चन्द्रकांत सराफ ने बताया कि आज सैकड़ों लोगों का ईसीजी, रक्तगुप, रक्तचाप, ब्लड शूगर, सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं आंख जांच किया गया। आंख जांच के उपरांत चश्मा योग्य पाये गये 58 लोगों को आगामी रविवार 29 जनवरी को चश्मा प्रदान किया जाएगा। इस शिविर में प्रभा खेतान फाउण्डेशन की तरफ से 100 लोगों को कम्बल वितरण भी किया गया। इस शिविर को सफल बनाने में दिलीप सराफ, राजकुमार बागला, कान्ता प्रसाद सिंह, नरेश शर्मा, गोरा चक्रवर्ती, संजय अग्रवाल, रतन जायसवाल सक्रिय थे।

राष्ट्रीय महानगर

बुधवार, 25 जनवरी 2006

Sundeep with Rituparna

A tribute

To pay tribute to the legendary **Naushad**, the crème de la crème of Kolkata gathered at Kalamandir on Saturday. Eminent personalities like actor **Rituparna Sengupta** and social activist **Sundeep Bhutoria** were also present.

गिरिजा व्यास के सम्मानार्थ मिलन गोष्ठी

कोलकाता, ३० मई (नि.प्र.)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा डॉ. गिरिजा व्यास के सम्मानार्थ एक मिलन गोष्ठी एवं रात्रि भोज का आयोजन स्थानीय हिन्दुस्तान क्लब में कल सायं ७ बजे किया गया है। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस गोष्ठी में पूर्व सांसद प्रो. मालिनी भट्टाचार्य एवं सुप्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक तिलोक चन्द डागा एवं पार्षद श्वेता इन्दौरिया ने बताया कि इस गोष्ठी में साहित्य संगीत, कला, फिल्म, व्यवसाय आदि विभिन्न क्षेत्र की शीर्ष महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया ने बताया कि डॉ. व्यास बैंकाक से आज दोपहर कोलकाता पहुंचेगी तथा कल दिल्ली लौट जायेंगी। इस मिलन गोष्ठी में राजस्थान मूल की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगे।

दैनिक विश्वमित्र कोलकाता, ३१ मई २००६

सम्मान में मिलन गोष्ठी

कोलकाता, 30 मई (वि)। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष डा. सुश्री गिरिजा व्यास के सम्मानार्थ एक मिलन गोष्ठी एवं रात्रि भोज का आयोजन स्थानीय हिन्दुस्तान क्लब में आज सांय 7 बजे किया गया है। प्रभा खेतान फाउण्डेशन की ओर से आयोजित इस गोष्ठी में पूर्व सांसद प्रो. मालिनी भट्टाचार्य एवं सुप्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक तिलोक चन्द डागा एवं पार्षदा श्वेता इन्दोरीया ने बताया कि इस गोष्ठी में साहित्य संगीत कला, फिल्म, व्यवसाय आदि विभिन्न लोगों की शीर्ष महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। फाउण्डेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया ने बताया कि डा. व्यास बैंकॉक से आज दोपहर कोलकाता पहुंचेगी तथा कल दिल्ली लौट जाएगी। इस मिलन गोष्ठी में राजस्थानी मूल की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधी भी

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता >> बुधवार >> 31 मई, 2006

प्रभा खेतान फाउंडेशन की मिलन गोष्ठी व रात्रिभोज में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ गिरिजा व्यास के साथ न्यासी संदीप भूतोड़िया, प्रभा खेतान, लेखिका तसलीमा नसरीन, पार्षद श्वेता इंदौरिया व अन्य.

प्रभात खबर | कोलकाता, 1 जून, गुरुवार, 2006 10

गिरिजा व्यास के सम्मान में रात्रि भोज

कोलकाता, 1 जून। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा हिन्दुस्तान क्लब में आयोजित एक रात्रि भोज में शहर के प्रतिष्ठित लोग उपस्थित हुए। गिरिजा व्यास, मालिनी भट्टाचार्य, तसलीमा नसरीन, मीना पुरोहित, दिनेश बजाज, फैयाद अहमद खान, वसीम कपूर, आर. एस. लोढा जैसे नाम इसमें शामिल है। इस मौके पर महिला आयोग की अध्यक्ष गिरिजा व्यास ने उनके आयोग द्वारा की गई दहेज के खिलाफ योजनाओं के बारे में बताया। प्रभा खेतान ने भी महिलाओं जागरूक करते हुए उन्हें अपनी आलम पहचान बनाने की सलाह दी।

छपते छपते, कोलकाता, शुक्रवार, 2 जून-2006

समाज में महिलाओं की हालत अभी भी बदतर-गिरिजा व्यास

कोलकाता, 1 जून (न. प्र.)। हमारा देश हर क्षेत्र में विकासशील है लेकिन महिलाओं पर होने वाले अत्याचारों में वृद्धि हो रही है। आज भी उन्हें सिर्फ एक वस्तु समझा जाता है। सती प्रथा जैसी कुरीतियां अभी भी देश के कुछ भागों में विद्यमान हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष गिरिजा व्यास ने ये बातें प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि कड़े कानूनी प्रावधानों के बावजूद दहेज, भ्रूण हत्या, बलात्कार जैसी घटनाओं में वृद्धि हो रही है। भ्रूण हत्या के कारण देश में महिलाओं के अनुपात में खतरनाक ढंग से गिरावट आ रही है जो भविष्य के लिए बहुत ही चिंता का विषय है। व्यास ने बताया कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने इन सभी समस्याओं पर काबू पाने के लिए 19 प्रकार के नये कानून को सरकार के पास भेजा है जो पहले के कानूनों से अधिक व्यावहारिक एवं असरदार हैं। आयोग ने सरकार से रोजगार गारंटी योजना में महिलाओं के लिए 40 फीसदी आरक्षण की मांग की है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग ने महिलाओं में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक कार्यक्रम 'चलो गांव की ओर' आरम्भ किया है जिसके अन्तर्गत महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे बताया जाता है। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा आदि राज्यों में चल रहा है। इस समारोह में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य मालिनी भट्टाचार्य, प्रसिद्ध लेखिका तसलीमा नसरीन, विधायक दिनेश बजाज, एमआईसी फैयाज अहमद खान, पार्षद श्वेता इंदौरिया, संदीप भूतोड़िया आदि उपस्थित थे।

'सन्मार्ग' कोलकाता, शुक्रवार 2 जून 2006

Celebration of womanhood

It was time to celebrate girl power and believe in the equality of genders...such was the ambience at the dinner-cum-welcome party thrown by Prabha Khaitan Foundation in honour of Dr Girija Vyas, Chairperson, National Women's Commission, at the Hindustan Club last Wednesday. The party was attended by **Sharbari Dutta**, **Piu Sarkar**, **Taslima Nasreen**, **Renu Roy**, former MP **Mallini Bhattacharya**, **Renuka Shah** of FICCI Ladies Organisation, **Chitra Todi** from Jagriti, **Anuja Chakraworty**, regional director ICCR, **Heena Gorsia**, KMC councillors **Meena Purohit**, **Moushumi Ghosh** and **Sweta Indoria**. Apart from the politician **Vijay Upadhyay**, **Arjun Chakraborty** with wife **Nilanjana**, **Wasim Kapoor** and industrialist **RS Lodha** and **Govind Sarda** were also there. Singer **Suchandra** was discussing about her new music album with Taslima while state women commission head **Yashodhara Bagchi** was discussing about women's issues with chairman of the foundation **Dr Prabha Khaitan**. Adding to the assortment of the evening was a special dinner that followed the welcome address.

Girija with Prabha

Sundeep with Taslima

Heena with Renu

Sweta and Chitra

Vijay and Jayasree

Fayaz

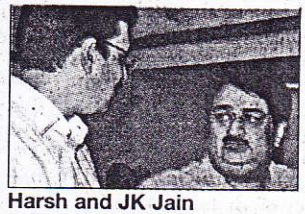

Harsh and JK Jain

Guests at the party join in a discussion

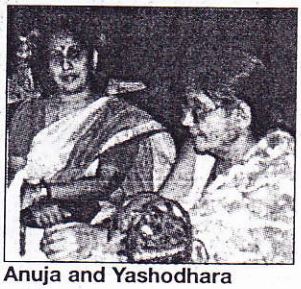

Anuja and Yashodhara

(From top) Piu, Sharbari, Suchandra, Govind, Wasim, Renuka and TC Daga

भारत रिलीफ सोसाइटी द्वारा आयोजित विद्यादान महोत्सव में नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण समारोह का उद्घाटन करती हुई सुप्रसिद्ध सिने तारिका सुश्री शताब्दी राय। साथ में श्री संदीप भूतोड़िया, राज्य के श्रम मंत्री श्री अनादि साहू, श्री मामराज अग्रवाल, श्री विश्वम्भर नेवर एवं अन्य।

भारत रिलीफ ने पाठ्य पुस्तकें वितरित की

कोलकाता, 3 जून (संवाददाता)। सुप्रसिद्ध सेवा संस्था भारत रिलीफ सोसाइटी ने साधुरामबंसल फाउंडेशन से मिलकर नि:शुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आज आयोजन किया। स्कूल में पढ़ रहेकुल 1200 गरीब छात्र-छात्राओं में पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गयी। मुख्यत: यह पुस्तक हिन्दी, उर्दू एवं बंग्ला माध्यम के छात्रों को पुस्तकें प्रदान की गयी। एक से आठवीं कक्षा के बच्चों को उनकी पाठ्यक्रम की पूरी पुस्तकें हर वर्ष दी जाती है।

कोलकाता के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों से भी बच्चे आये थे। गौरतलब है कि भारत रिलीफ सोसाइटी पिछले 21 वर्षों से गरीब छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें प्रदान कर रही है। कार्यक्रम का प्रारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। उद्घाटन एवं पुस्तक वितरण कार्य श्रम राज्य मंत्री श्री अनादि साहू ने किया। बंग्ला फिल्म जगत् की प्रसिद्ध अभिनेत्री शताब्दी राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थी। इस कार्यक्रम में श्री साधुराम बंसल मुख्य अतिथि थे। राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भुतोड़िया, विशिष्ट अतिथि श्री हरिराम चौधरी ने भी इस अवसर पर भाषण दिया। समारोह की अध्यक्षता श्री मामराज अग्रवाल ने की। संस्था के अध्यक्ष चिरंजीलाल अग्रवाल, प्रधान सचिव विश्वम्भर नेवर ने सभागत अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री नाथूराम गुप्ता ने किया।

छपते छपते, कोलकाता, रविवार, 4 जून-2006

जरूरतमंद छात्र पाठ्य पुस्तक नहीं खरीद पाते : अनादि

भारत रिलीफ सोसाइटी का पाठ्य पुस्तक वितरण संपन्न

जागरण संवाद, कोलकाता

श्रम मंत्री अनादि साहू ने कहा है कि देश का यह दुर्भाग्य है कि आजादी के उनसठ वर्षों बाद भी जरूरतमंद एवं गरीब लोग पाठ्य पुस्तक नहीं खरीद पाते हैं। ऐसे में समाजसेवी संस्थाओं की ओर से निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरित करना सरकार के अधूरे कार्य को पूरा करना है। श्री साहू भारत रिलीफ सोसाइटी एवं साधुराम बंसल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इक्कीसवां ज्ञान यज्ञ विद्यादान (निःशुल्क पुस्तक वितरण) समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत रिलीफ सोसाइटी सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अपने सेवामूलक कार्यों के लिए जानी जाती है। सरकार से जो भी सहयोग बन पड़ेगा वो हम हमेशा मुहैया करायेंगे। कार्यक्रम में सिने तारिका शताब्दी राय ने श्रेया मुमताज व नाजिया मुमताज को पाठ्य पुस्तक प्रदान की। गौरतलब है कि इन दोनों छात्राओं ने बारह सौ छात्र व छात्राओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त किया है। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री साहू ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम के प्रधान अतिथि साधुराम बंसल ने कहा कि एक शिक्षित व्यक्ति से पूरा परिवार शिक्षित होता है। सोसाइटी के सचिव व पत्रकार विश्वंभर नेवर ने सोसाइटी के द्वारा इक्कीस वर्षों से किये जा रहे कार्यों को बताया। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में सोसाइटी के पास मोबाइल अस्पताल, निःशुल्क होमियोपैथिक, आयुर्वेदिक, एलोपैथिक चिकित्सा की व्यवस्था, एंबुलेंस सेवा, आधुनिक सुविधा संपन्न दंत चिकित्सा केंद्र, निर्माणाधीन नेत्र चिकित्सालय, उपलब्ध है। हिंदी, बांग्ला व उर्दू माध्यम के छात्रों को पाठ्य पुस्तक वितरित किया जाता है। कार्यक्रम में श्रम मंत्री अनादि साहू, साधुराम बंसल, सिने तारिका शताब्दी राय, हरिराम चौधरी, राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भूतोड़िया, श्यामराज अग्रवाल, दिनेश साह, नाथुराम गुप्त, चिरंजीलाल अग्रवाल सहित अन्य अतिथि मौजूद थे।

पुस्तक वितरित करतीं शताब्दी राय — जागरण

दैनिक जागरण
रविवार, 4 जून 2006

भारत रिलीफ सोसाइटी द्वारा आयोजित नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण समारोह का उद्घाटन करती हुई सुप्रसिद्ध सिने तारिका शताब्दी राय। साथ में हैं श्री संदीप भूतोड़िया, राज्य के श्रम मंत्री अनादि साहू, श्री विश्वम्भर नेवर एवं अन्य।

- विश्वमित्र

भारत रिलीफ ने पाठ्य पुस्तकें वितरित की

कोलकाता, ३ जून (नि.सं.)। सुप्रसिद्ध सेवा संस्था भारत रिलीफ सोसाइटी ने साधुराम बसल फाउंडेशन से मिलकर नि:शुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आज आयोजन किया। स्कूल में पढ़ रहे कुल १२०० गरीब छात्र-छात्राओं में पाठ्य-पुस्तकें वितरित की गयी। मुख्यत: यह पुस्तक हिन्दी, उर्दू एवं बंगला माध्यम के छात्रों को प्रदान की गयी। एक से आठवीं कक्षा के बच्चों को उनकी पाठ्यक्रम की पूरी पुस्तकें हर वर्ष दी जाती हैं। कोलकाता के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों से भी बच्चे आये थे। गौरतलब है कि भारत रिलीफ सोसाइटी पिछले २१ वर्षों से गरीब छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें प्रदान कर रही है। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वंदना से किया गया। उद्घाटन एवं पुस्तक वितरण कार्य श्रम राज्य मंत्री श्री अनादि साहू ने किया। बंगला फिल्म जगत की प्रसिद्ध अभिनेत्री शताब्दी राय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थीं। इस कार्यक्रम में श्री साधुराम बंसल मुख्य अतिथि थे। राजस्थान फाउंडेशन के सचिव संदीप भुतोड़िया, विशिष्ट अतिथि श्री हरिराम चौधरी ने भी इस अवसर पर भाषण दिया। समारोह की अध्यक्षता श्री मामराज अग्रवाल ने की। संस्था के अध्यक्ष चिरंजीलाल अग्रवाल, प्रधान सचिव विश्वम्भर नेवर ने समागत अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री नाथूराम गुप्ता ने किया।

कोलकाता, ४ जून २००६ दैनिक विश्वमित्र

Manab, Sanat, Subha, Chandra and Partha

Italian affair

The who's who had assembled at a city hotel on Friday on the occasion of the Italian national day party. The chief secretary of state, **Amit Kiran Deb,** and wife **Ranjana** were present along with a host of bureaucrats, including home secretary **Prasad Ranjan Roy**. Italian consul general **Agostino Pinna** was busy chatting with diplomats and other guests. The Russian consul general, **Nikolay Fedyukovich,** also attended the party. Even artist **Suvaprasanna** made his presence felt at the do while **Rita Bhimani** was party to the affair with husband **Kishore Bhimani**.

Social activist **Sundeep Bhutoria** was heard discussing his recent visit to Syria, Iraq borders with diplomats. The guests had a gala time enjoying the pasta spread laid out for them.

Santanu with Sundeep

Anne Fischer with Anne Blasquez

Bharati, Amit Kiran, Aloke, Agostino and Ranjana

Tanusree

Natalia

Jugal, Yoshikazu with Nikolay

All for children

Chief guest Sundeep Bhutoria looks on while actor Shatabdi Roy (left) gives away the books

The sight of students sitting on the pavement and struggling to concentrate amidst the sea of noise is indeed a heart rending experience. And being concerned for these poor souls has always been the forté of a generous few. Subsequently, the city witnessed a noble gesture made by the **Bharat Relief Society**, as it distributed school textbooks to students of nursery till 10. This society has been organising such programmes for the past three years. The 2006 event that was organised in Mohammed Ali Park, was graced by **Bishambhar Newar**, minister **Anadi Sahu**, social activist **Sundeep Bhutoria** who was also chief guest and actor **Shatabdi Roy**.

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

TUESDAY 13 JUNE 2006

Academy of Fine Arts, New South Gallery From June 12 to June 18, 3 pm to 8 pm, Prabha Khaitan Foundation presents an exhibition of painfings and sculpture by Sajal Kanti Mitra, Jayeeta Saha, Madan Gopal Dutta, Asish Kumar Das.

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

FRIDAY 9 JUNE 2006

प्रभा खेतान फाउंडेशन की ओर से युवा चित्रकारों की एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स में आयोजित पेंटिग्स प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में साहित्यकार डा. प्रभा खेतान, तिलोकचन्द डागा, वसीम कपूर, पियू सरकार, इटली के महावाणिज्य महादूत ऑगस्टिनो पिन्ना, प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया एवं अन्य।- विश्वमित्र चित्र

कोलकाता, १३ जून २००६ दैनिक विश्वमित्र

एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स की साउथ गैलरी में लगी चित्र प्रदर्शनी में संदीप भूतोड़िया, वासिम कपूर, पीयू व अन्य.

प्रभात खबर

मंगलवार, 13 जून, 2006

जीवन के रंग दर्शाते पेंटिंग और स्कल्पचर

मेट्रो रिपोर्टर

कोलकाता। जीवन के कड़वे-मीठे अनुभवों को अभिव्यक्त करने का एक अच्छा माध्यम पेंटिंग और शिल्पकारी है। इन्हीं अनुभवों को इंगित करते हुए अकादमी ऑफ फाइन आर्ट्स साउथ गैलरी में पेंटिंग, स्कल्पचर एग्जिवीशन लगाई गई है। सोमवार को एग्जिवीशन का उद्घाटन किया गया। यह 18 जून तक चलेगी। प्रभा खेतान फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस सात दिवसीय एग्जिवीशन का उद्घाटन प्रसिद्ध चित्रकार वसीम कपूर और बंगला फिल्मों की अभिनेत्री पीयू सरकार व फाउंडेशन की प्रमुख प्रभा खेतान ने किया।

एग्जिवीशन में आशीष कुमार दास, सजल कांति मित्रा, जयिता दास व मदन गोपाल दत्ता की पेंटिंग्स और स्कल्पचर को लगाया गया हैं। शिल्पकार आशीष बताते हैं कि बड़ौदा में एमएफए (कला से संबंधित पाठ्यक्रम)करने जाने पर मुझे अहसास हुआ

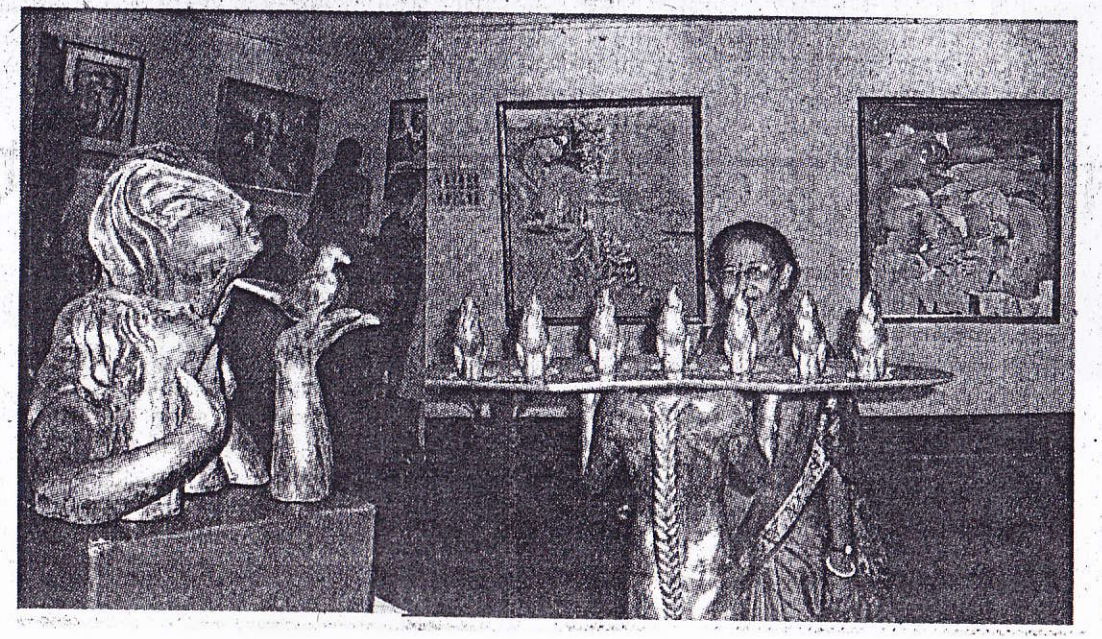

कि कोलकाता की कला को बड़ौदा और बड़ौदा की कला को कोलकाता में लाना चाहिए। आशीष की बनाई मूर्तियां मनुष्य को आत्मा के साथ सामंजस्य की शिक्षा देती हैं। सजल कांत मित्रा की एग्जिवीशन में लगी 15 पेंटिंग्स प्रकृति की खूबसूरती के साथ ही जीवन की खुशहाली को दर्शाती हैं। सजल का मानना है कि वास्तविक जीवन में हमें बहुत दुख झेलने होते हैं। इसलिए मैंने अपनी पेंटिंग्स को उन दुखों से दूर रखा। आशीष की पेंटिंग्स ज्यादातर एक्रेलिक और ऑयल पेंटिंग हैं।

चित्रकार जयिता शाहा की एग्जिवीशन में लगी 14 पेंटिंग्स में ज्यादातर पेंटिंग नेपाली हैंडमेड पेपर पर बनाई गई हैं। जयिता ने अपनी पेंटिंग में अपने अनुभवों को व्यक्त करने की कोशिश की है। कलाकार मदन गोपाल दत्ता ने इस अवसर पर 5 शिल्प और पांच पेंटग्सि को प्रदर्शित किया है। मदन के शिल्प एक साथ कई कहानियां कह रहे हैं।

राजस्थान पत्रिका

कोलकाता » मंगलवार » 13 जून, 2006

Art for art's sake

The artists

Gunter Wehrmann

Connoisseurs of art and culture, Kolkatans can now witness the creative and original works of painters and sculptors. An exhibition of such works have been organised by the Prabha Khaitan Foundation in the New South Gallery of the Academy of Fine Arts. Scheduled to continue till Sunday, the exhibition will display the works of Sajal Kanti Mitra, Jayeeta Saha, Madan Gopal Dutta and Asish Kumar Das. Dr Prabha Khaitan, chairperson of the foundation, said, "The foundation has long been into promoting literature, art and culture. Through such exhibitions, it seeks to encourage new and promising artists". The inauguration ceremony was attended by Dr Prabha Khaitan, actor Piu Sarkar, veteran painter Wasim Kapoor, Italian consul general Agostino Pinna, German consul general Gunter Wehrmann and social worker T C Daga, among others.

Prabha, Daga, Wasim, Piu and Agostino

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

THURSDAY 15 JUNE 2006

प्रभा खेतान फाउंडेशन ने लगायी कला प्रदर्शनी

जागरण ब्यूरो,
कोलकाता

प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में एकेडमी आफ फाइन आर्ट्स की साउथ गैलरी में शुरू हुई कला प्रदर्शनी देखने के लिये कलाप्रेमियों की भीड़ जुट रही। सोमवार 12 जून को प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया था तथा यह रविवार 18 जून तक चलेगी। इसमें सजल कांति मित्रा, जयिता साहा, मदन गोपाल दत्ता व आशीष कुमार दास की कलाकृतियां प्रदर्शित की गयी हैं। सजल कांति मित्रा के फ्लूट, रिलेशंस, रिवर सीरीज के जबकि जयिता साहा के आयल व पेपर तथा वाटर कलर वाले चित्र प्रदर्शित किये गये हैं।

मदन गोपाल दत्ता के चित्रों तथा मूर्तियों को भी लोग पसंद कर रहे हैं। उन्होंने टेरेकोटा की कलाकृति भी यहां रखी है।

चित्र प्रदर्शनी देखते कलाकार — जागरण

दैनिक जागरण
शुक्रवार, 16 जून 2006

CONNOISSEURS' DELIGHT

[illegible] Chopra

On Monday evening, the Academy of Fine Arts provided Kolkatans an insight into the creative craft of four contemporary artists — Sajal Kanti Mitra, Jayeeta Saha, Madan Gopal Dutta and Asish Kumar Das.

The inauguration was attended by artists Wasim Kapoor and Piu Sarkar and consul general of Italy, [illegible]. The recent exhibition showcased several paintings and sculptures curated by the Prabha Khaitan Foundation.

As connoisseurs scrutinised the exhibits, a bronze figurine, titled Durga, attracted immense admiration from Kapoor and Sarkar. "This sculpture is truly remarkable and can be mistaken for the work of a senior and renowned artist," said Kapoor.

The statuette by Das depicts an unknown exterior encasing the soul of goddess Durga, which, according to the artist, represents the invisible divine power maintaining balance between good and evil in the universe.

SUBIR HALDER

Creative zest: Wasim Kapur, Piu Sarkar, Sajal Kanti Mitra and Asish Kumar Das at the exhibition at the Academy of Fine Arts on Monday

The rich and interesting colours in Mitra's paintings also won the spectators' attention.

Emanating a lot of positive energy, his works celebrate the beauty of nature. The use of bright orange in *Spring* (mixed media on canvas) and green in *The Flute* speak about the artist's zest for life.

While Mitra's oeuvre is streaked with abstraction, Saha chooses to stick to concrete representations of real life experiences and emotions. Simplicity is very palpable in the flat and two-dimensional compositions — *Moment* (water colour on Nepali hand-made paper) and Reminiscence — which fulfills the artist's desire to differentiate her craft from works obsessed with photographic documentation.

Dutta remained reticent and let his work do all the talking. The female anatomy rolled seamlessly into most of his sculptures — *Are Refuge* (fibre glass), *Fillial Passion* (bronze) and *Mascot Mom* (fibre glass). A certain gloom and shadiness of expression is pronounced in his works *Neo-Scenicism* and *Phenomenal Fallacy*.

Thursday, June 22, 2006
Hindustan Times, Kolkata

Family, friends raise a toast to Mittal success

Anuradha Himatsingka &
Rakhi Mazumdar
KOLKATA

IT'S celebration time at the Mittal family! As the Arcelor deal finally got through late on Sunday, family members, friends and their close aides lapped up the moment, showering the family with congratulatory SMSes, compliments and blessings from all over the world. "I always knew Niwas will do something big in his life. The announcement did not come as a surprise to me. But it is a great feeling," said LN Mittal's sister Seema Lohia from Jakarta.

The older of the two sisters, she is perhaps closest to LN Mittal among all the siblings. She has also spent the maximum time with him. She was married and already settled in Indonesia when he went to establish the family's first overseas unit in that country, PT Ispat Indo. Incidentally, Seema still stays in that country years after LN moved to London. "I still remember, how ecstatic I was when he came to Jakarta with his wife and one-year-old Adit. His comforting presence in Jakarta at the time was a source of strength, because I was so far away from my parents, my younger brothers and little sister Saroj," Seema recounted affectionately. Married to SP Lohia, Seema went to Jakarta in 1972 and LN sometime in 1975.

LN, family members claim, loves being with children. He is not only fond of them, but also has a way with them which many find of his age and stature find it surprising. "I was very lonely once he left for London sometime in 1995 and became engrossed in his steel. He was Lakshmi for the world at large, but Niwas for us," Seema adds.

Closer home, Adit's mother-in-law Anjana Patodia said she was proud of her son-in-law. "He has been in charge of mergers and acquisitions of the group and we know, he has contributed a lot towards the company's progress." Anjana Patodia and husband Mahendra Patodia congratulated their 'intelligent and genius' son-in-law on his mobile late Sunday evening. "His spirit of optimism and determination to win, no matter what, is admirable. He always sees light at the end of the tunnel and puts in long hours of work despite being only 30 years now," she told ET from Hyderabad.

Business friends, colleagues and close associates — all vouch that the Mittals have been able to hire and retain the best professionals in the industry because of their humble nature. Recounts Mrs Patodia: "His determination and the do-or-die attitude gets reflected even in everyday life. During our holiday to Thailand a couple of months ago, Adit decided to learn para-sailing. He would pull all of us, including my husband, and put in more than six hours of hard work with the tutor to master the art of para-sailing to perfection.

His zeal to become a perfectionist in everything is amazing."

"Adit", as he is fondly referred to by both his parents and his in-laws, loves water sports and skiing. Sometimes he even loves to play scrabble while holidaying, is full of life, goes for regular workouts and has a fancy for all kinds of continental cuisine.

His wife Megha, now 29 years old, is into interior designing and is busy designing the family's Delhi bungalow and the newly acquired aircraft and yatch.

Despite Adit's busy schedule, family circles said the couple manage to keep in touch with each other and spend quality time. Megha is a good classical Bharatnatyam dancer. Now, even Adit has picked up western dancing to perfection, sources disclosed.

Father-in-law Mahendra Kumar Patodia of Hyderabad-based GTN Industries Ltd was very excited about the deal because "they have made the whole country proud." The family, sources in Marwari circles said, is also a member of the governing council of Rajasthan Foundation.

The family is from Rajgarh-Sadulpur of Churu district in Rajasthan and are involved with numerous social welfare projects. "They still feel for their native place — Rajasthan and have occasionally expressed their eagerness to take up new welfare projects," a senior member of the Rajasthan Foundation (Kolkata chapter) said.

Something's cooking with favourite chef

KOLKATA's most celebrated chef and a favourite of the Mittal family — including brothers Pramod and Vinod Mittal — Munna Maharaj may soon find himself busy drawing up the menu for a mega celebration of the Mittal family. Munna Maharaj, however, refused to give a glimpse of the possible menu when ET got in touch with him on Monday.

"The family loves Hindustani cuisine, including chaat preparations, roti, sabji and dahi items. All this, along with chena ka mithai mixed either with gur or seasonal fruits, could be part of the dream menu for the celebration," Mr Maharaj said.

International tycoon reveals velvet gloves on fist of steel

Our Bureau
KOLKATA

LAKSHMI Mittal's native district Churu in Rajasthan is understandably proud of him. It is not everyday that a son of the soil manages to clinch the biggest M&A deal to emerge as the world's leading steel maker.

He may be creating waves in the world of steel globally but the ripples of it hardly reach his birth place — Rajgarh-Sadulpur village in Churu. What touches the sleepy little district in north-central Rajasthan is the social work Mr Mittal and his family take part in. Most of his social work is clubbed under Rajasthan Foundation and LNM Foundation, of which he is an active member. A non-resident Rajasthani, Mr Mittal may not have been able to personally fly down to Churu every time he visits India but this doesn't prevent him from personally monitoring activities that the two foundations carry out on a regular basis.

Industry circles say the Mittal family, under the aegis of Rajasthan Foundation, launched mobile medical vans in the district. The family has also taken initiatives to clean up the drainage system and is probably in talks with the members to start a midday meal for school children in the district.

All this social work is well woven into the business philosophy of the group. In Jharkhand, where the group plans to set up a new 12-million tonne steel plant, the Mittals have signed a separate memorandum of understanding with the Jharkhand government confirming their social commitment to the region. "Social responsibility is a core part of our business philosophy in all the markets in which we operate and it would be our intention to support activities focused around technical education, which are vital for improving and sustaining industrial growth in the region," Mr Mittal had said during his trip to Jharkhand in October, 2005.

Internationally too, the Mittals have focussed on philanthropy as part of a larger initiative in corporate social responsibility. Mittal Steel USA, America's largest steelmaker and a division of Mittal Steel Co, focused on rebuilding efforts on the beachfront town of Long Beach, which was devastated by Hurricane Katrina.

Mittal Steel made an initial commitment of $1 million. During the first phase, the company plans to install a team of engineers and logistics specialists in Long Beach. This team will conduct a comprehensive assessment of the area, the physical impact of Hurricane Katrina and the most urgent needs of the community. Subsequently, it is slated to participate in the actual rebuilding of Long Beach.

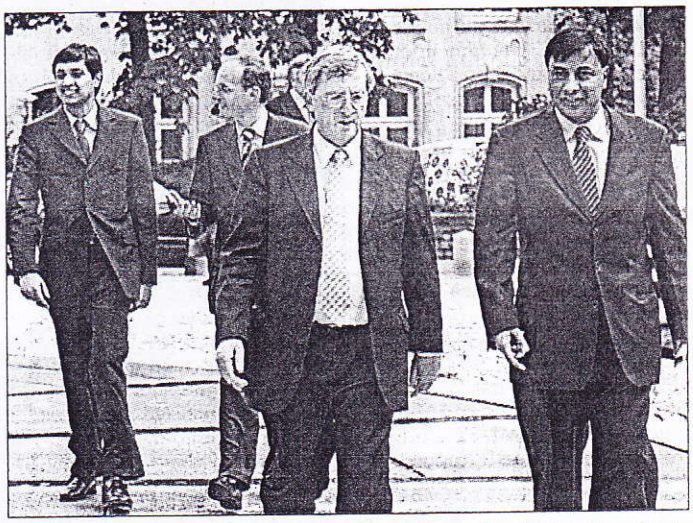

Aditya Mittal, Luxembourg Justice Minister Luc Frieden & Prime Minister Jean Claude Juncker, Lakshmi Mittal after an informal meeting in Luxembourg on Tuesday. – AP

THE ECONOMIC TIMES KOLKATA WEDNESDAY 28 JUNE 2006

Subrata Kotal

Actor SWASTIKA MUKHERJEE and industrialist SUNDEEP BHUTORIA at Aakarshan 2006 — an exhibition organised by Inner Wheel club of Calcutta Mahanagar of fashion accessories, handicrafts, metal artifacts, paper products and tribal jewellery at Ice Skating Rink

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

THURSDAY 29 JUNE 2006

I EXPECT...

What do our entrepreneurs expect on the industrial development front?

Harsh Neotia

I would like to see a better Bengal. The state highways and fly-overs should be especially taken care of, since they support the transport system. Public convenience should get preference, as they form the state. Another aspect I would like to taken care of is, a consensus on land acquisition related formalities. And yes, it would be better if the convoluted process of getting clearances for projects are done away with.

Sanjay Budhia

In one world, excellence. We all have a lot of expectation from the newly formed state government. The rest of India as well as the world, are looking at us and Bengal is on the verge of blossoming. Since infrastructure of a state is its very backbone, I expect it to be strengthened it even more. This seems all the more important since Bengal focuses equally on both industry and agriculture.

Bipin Vohra

The chief minister has been making great progress. The gates are opening and many good players are showing interest in setting up industries in Bengal. But I expect more manpower to be harnessed because it will help improve the employment scenario. The more the manpower, the more will be the aggregate purchase power. And I am quite confident that very soon, Bengal will be completely changed.

Sundeep Bhutoria

It is a good feeling to know that Bengal is standing at the beginning of a new era. The new state government has proved to work in the interest of the general people. The most assuring aspect is that many big companies, even those that form the top five industries of India, are showing interest in setting up factories in our Bengal. I have great hopes from my state in the years to come.

D K Jaiswal

Tourism should be encouraged. Tourism is an arena that sees to the inward flow of money and this works in the benefit of the state. Being into the hotel industry, I am more interested in the promotion of tourism, since that will lead to the flourishing of this industry. I also expect that the promotion of airlines will be looked after. I believe that in this era of globalisation Bengal will emerge as the real player.

A little bit of everything

Subrata Kr Mondal

A felicitation programme for the Anglo Indian teachers community was held last week at a city club. The city's who's who including, socialites, televisions anchors and politicians were present. The O'Brien family trooped in — **Neil, Barry** and **Derek,** all together. Mayor **Bikash Ranjan Bhattacharya** was seen having a discussion with **Bishop Raju**. The guests mingled and indulged in chito-chat over snacks and drinks.

Sundeep

Derek

Neil

Barry

Bishop Raju with Bikash

CALCUTTA TIMES, THE TIMES OF INDIA

WEDNESDAY 5 JULY 2006

Press Clipping

Publication : Samachar Jagat
Date : Sunday, July 9, 2006
Edition : Jaipur
Page : 3

राज्यपाल करेगी 'सभी को शिक्षा कार्यक्रम' की शुरुआत

जयपुर (कासं.) । प्रतिभा पाटिल 23 जुलाई को राजस्थान में सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरूआत करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से राजस्थान में यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति अंको के आधार पर नहीं बल्कि छात्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी। राजस्थान नेशनल फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउन्डेशन राजस्थान में इस कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहा है। 23 जुलाई को शाम 4 बजे राजस्थान की राज्यपाल महामहिम प्रतिभा पाटिल राजभवन में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्सायन, मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन और राजस्थान की प्रमुख सीमेंट उत्पादक कम्पनी श्री सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरि मोहन बांगड़ भी उपस्थित रहेंगे।

Press Clipping

Publication : Dainik Navjyoti
Date : Sunday, July 9, 2006
Edition : Jaipur
Page : 2

प्राथमिक शिक्षा के लिए गरीब बच्चों को मिलेगी छात्रवृत्ति: राजस्थान नेशनल फोरम एवं कोलकाता का प्रभा खेतान फाउन्डेशन राज्य में सभी को शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने जा रहा हैं। इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत राज्यपाल प्रतिभा पाटील तेईस जुलाई को शाम चार बजे राजभवन में करेंगी। इस अवसर पर शिक्षाविद् डा. कपिला वात्सायन, बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन एवं श्री सीमेंट लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक हरि मोहन बांगड़ मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक के जरूरतमन्द छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह छात्रवृत्ति छात्रों को उनके आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के लिए श्री सीमेंट लिमिटेड ने पंन्द्रह लाख रुपए प्रदान किए हैं। कार्यक्रम के संयोजक एवं फोरम के अध्यक्ष सन्दीप भूतोडिया ने बताया की प्रभा खेतान फाउन्डेशन अब तक लगभग बारह हजार छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर चुका है।

Shashi

Press Clipping

Publication : Mahaka Bharat
Date : Sunday, July 9, 2006
Edition : Jaipur
Page : 2

‘सभी को शिक्षा’ की शुरुआत 23 से

पांचवीं तक के गरीब छात्रों को निःशुल्क शिक्षा

कार्यालय संवाददाता
जयपुर, 8 जुलाई।

राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक के गरीब बच्चों को निःशुल्क शिक्षा मुहैया कराई जाएगी। राजस्थान नेशनल फोरम के ‘सभी को शिक्षा’ कार्यक्रम के तहत सभी वर्गों के गरीब बच्चों को यह सुविधा दी जाएगी।

राज्यपाल प्रतिभा पाटिल 23 जुलाई को राजभवन में कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया कि सभी को शिक्षा के तहत दी जाने वाली छात्रवृत्ति का मापदंड विद्यार्थी की अंकतालिका नहीं होकर उसकी गरीबी होगी।

इसके लिए छात्रों को एक फार्म भरकर आवेदन करना होगा। आवेदन करने वाले छात्रों में से बजट के आधार पर निम्नतम स्तर वाले छात्रों को सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कोलकाता का प्रभा खेतान फाउंडेशन कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद डॉ. कपिला वात्स्यायन, बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि श्रीसीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ ने इस कार्य के लिए 15 लाख रुपए भेंट किए हैं। उन्होंने कहा कि ‘हर एक-पढ़ाए एक’ कार्यक्रम में उन भामाशाहों की आवश्यकता है जो हर माह गरीब बच्चों के लिए पांच सौ से एक हजार रुपए दे सकें।

Press Clipping

Publication : Seema Sandesh
Date : Wednesday, July 9, 2006
Edition : Jaipur
Page : 2

राजस्थान नेशनल कोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी और कार्यक्रम के संयोजक संदीप भूतोड़िया पत्रकार वार्ता की संबोधित करते हुए।

'सभी को शिक्षा' की शुरूआत करेंगी पाटील

जयपुर, 8 जुलाई (कासं)। राज्यपाल प्रतिभा पाटील 23 जुलाई को राजस्थान में सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा राजस्थान में यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक के जरुरतमंद छात्रों को छात्रवृति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति अंकों के आधार पर नहीं बल्कि छात्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी।

राजस्थान नेशनल फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउण्डेशन राजस्थान में इस कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है। 23 जुलाई को शाम 4 बजे राजस्थान की राज्यपाल प्रतिभा पाटील राजभवन में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् डा. कपिला वात्सायन, मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन और राजस्थान की प्रमुख सीमेंट उत्पादक कंपनी सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक एवं राजस्थान नेशनल फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोडिया के अनुसार प्रभा खेतान फाउण्डेशन, कलकत्ता पिछले पांच सालों से देश भर में महिला प्रशिक्षण केन्द्र, बाल साक्षरता कार्यक्रम, जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कपड़ा और खाना, विभिन्न विषयों पर व्याख्यान जैसे कार्यक्रम संचालित कर रहा है। फाउण्डेशन अब तक लगभग बारह हजार छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर चुका है।

फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार राजस्थान में इस कार्यक्रम के लिए श्री सीमेंट लिमिटेड ने 15 लाख रुपये प्रदान किये हैं। "हर एक-पढ़ाए एक" अभियान को साकार करने के उद्देश्य से हम कुछ सहयोगी भी तलाश रहे हैं जो पांच सौ से लेकर एक हजार रुपये मासिक सहयोग देकर इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

Press Clipping

Publication : Hindustan Times (H T Jaipur Live)

Date : Sunday, July 9, 2006

Edition : Jaipur

Page : 3

Education scheme to help deprived

HT Live Correspondent

TO SUPPORT the education system in the form of fee deposit, books and other such modes, a campaign "Sabhi ko Shiksha" meaning Education-for-All would be launched by the Governor of the state, Pratibha Patil on July 23.

The campaign will encourage children of economically weaker sections of the society to reach the classrooms.

The programme would be run by Rajasthan National Forum, an NGO committed to education. As per the plan, applications would be called and after scrutiny all the deserving candidates would be provided scholarships in the form of educational resources.

The programme campaign for students of Class I to V, would be a called "Each one-Educate one", said the president of the forum, Sandeep Bhutodiya. For this, assistance from other agencies and individuals was also sought. Financial help of Rs 500 to 1,000 per month would directly be provided to the needy children, he added.

General Secretary of the Forum, Pradeep Chaturvedi said that Governor Pratibha Patil would inaugurate the programme on July 23.

On the event of launching the programme, educationist Dr Kapila Vatsyayan and Bangladeshi writer Taslima Nasrin would also be present.

Press Clipping

Publication : Dainik Bhaskar
Date : Sunday, July 9, 2006
Edition : Jaipur
Page : 9

सभी को शिक्षा कार्यक्रम 23 से

जयपुर, 8 जुलाई ◆ नसं। प्राथमिक स्तर तक की पढ़ाई करने वाले गरीब छात्रों के लिए 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम की शुरुआत 23 जुलाई को राज्यपाल प्रतिभा पाटील करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से चलाए जाने वाले इस कार्यक्रम में जरूरतमंद छात्रों को आर्थिक आधार पर छात्रवृत्ति दी जाएगी।

Press Clipping

Publication : Punjab Kesri
Date : Sunday, July 9, 2006
Edition : Jaipur
Page : 5

राजस्थान में सभी को शिक्षा कार्यक्रम शुरू होगा

जयपुर, (पटेल): राजस्थान नेशनल फोरम राज्य में सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरूआत करेगी।

इसका विधिवत शुभारंभ राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा पाटिल आगामी 23 जुलाई को करेगी। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से 5 तक के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति आर्थिक आधार पर दी जाएगी।

Dainik Jagran
Page - 4
10/07/06

पाटील करेंगी 'सभी को शिक्षा' अभियान की शुरुआत

जागरण संवाद केंद्र, जयपुर

राज्यपाल प्रतिभा पाटील 23 जुलाई को राजस्थान में 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा प्रदेश में यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत पांचवीं कक्षा तक के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति अंकों के आधार पर नहीं बल्कि छात्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी।

फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउंडेशन राजस्थान में इस कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है। 23 जुलाई को शाम चार बजे राज्यपाल प्रतिभा पाटील राजभवन में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्सायन, मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन और राजस्थान की प्रमुख सीमेंट उत्पादक कंपनी श्री सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ भी उपस्थित होंगे।

कार्यक्रम के संयोजक एवं राजस्थान नेशनल फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया के अनुसार प्रभा खेतान फाउंडेशन अब तक लगभग देशभर के बारह हजार छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर चुका है। फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार राजस्थान में इस कार्यक्रम के लिए सीमेंट लिमिटेड ने 15 लाख रुपये प्रदान किए हैं।

Press Clipping

Publication : Rajasthan Statement

Date : Monday, July 10, 2006

Edition : Jaipur

Page : 2

'सभी को शिक्षा' की शुरूआत 23 से

पांचवीं तक के गरीब छात्रों को नि:शुल्क शिक्षा

(स्टेटमेन्ट संवाददाता)

जयपुर, 9 जुलाई। राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से पांच तक के गरीब बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा मुहैया कराई जाएगी। राजस्थान नेशनल फोरम के 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम के तहत सभी वर्गों के गरीब बच्चों को यह सुविधा दी जाएगी।

राज्यपाल प्रतिभा पाटील 23 जुलाई को राजभवन में कार्यक्रम की शुरूआत करेंगी। फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया कि सभी को शिक्षा के तहत दी जाने वाली छात्रवृत्ति का मापदंड विद्यार्थी की अंकतालिका नहीं होकर उसकी गरीबी होगी।

इसके लिए छात्रों को एक फार्म भरकर आवेदन करना होगा। आवेदन करने वाले छात्रों में से बजट के आधार पर निम्नतम स्तर वाले छात्रों को सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कोलकाता का प्रभा खेतान फाउंडेशन कार्यक्रम की शुरूआत करेगा। फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्स्यायन, बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़ ने इस कार्य के लिए 15 लाख रुपए भेंट किए हैं। उन्होंने कहा कि 'हर एक-पढ़ाए एक' कार्यक्रम में उन भामाशाहों की आवश्यकता है जो हर माह गरीब बच्चों के लिए पांच सौ से एक हजार रुपए दे सकें।

Press Clipping

Publication : Rajasthan Patrika
Date : Monday, July 10, 2006
Edition : Jaipur
Page : 6

गरीब विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

जयपुर, 8 जुलाई। गरीब विद्यार्थियों को शिक्षा मुहैया कराने के लिए राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। इसमें छात्रवृत्ति भी दी जाएगी। राज्यपाल 23 जुलाई को राजभवन में शाम 4 बजे इसकी शुरुआत करेंगी। फोरम अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया व महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि छात्रवृत्ति कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों को अंकों के आधार पर नहीं, बल्कि आर्थिक स्थिति को देखकर दी जाएगी।

Press Clipping

Publication : Hindustan Times (H T Jaipur Live)
Date : Monday, July 10, 2006
Edition : Jaipur
Page : 3

Courting controversy

One does not know how Governor Pratibha Patil will react to the idea of sharing the dias with controversial Bangladeshi writer Taslima Nasreen at a function that was organised in the city on July 23. But one must give credit to media-savvy organisers of the 'Sabhi Ko Shiskha' scheme who, by inviting the author of 'Lajja', have ensured a wide publicity for the event as the local media can be expected to turn up in full strength at the function to get a quote or byte of the author whose name has become synonymous with controversy.

Press Clipping

Publication : Young Leader
Date : Wednesday, July 12, 2006
Edition : Jaipur
Page : 2

23 जुलाई को राज्यपाल करेंगी "सभी को शिक्षा" कार्यक्रम की शुरुआत

प्राथमिक शिक्षा के छात्रों को छात्रवृत्ति की योजना

जयपुर, 11 जुलाई। राज्यपाल महामहिम प्रतिभा पाटिल 23 जुलाई को राजस्थान में "सभी को शिक्षा" कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा राजस्थान में यह कार्यक्रम शुरु किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से पाँच तक के जरूरतमन्द छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति अंकों के आधार पर नहीं बल्कि छत्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी।

राजस्थान नेशनल फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउन्डेशन राजस्थान में इस कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है। 23 जुलाई को शाम 4 बजे राजस्थान की राज्यपाल महामहिम प्रतिभा पाटिल राजभवन में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करेंगी।

इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्सायन, मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन और राजस्थान की प्रमुख सीमेंट उत्पादक कम्पनी श्री सीमेंट लिमिटेड के प्रबन्ध निदेशक हरिमोहन बांगड़ भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक एवं राजस्थान नेशनल फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोंडिया के अनुसार प्रभा खेतान फाउन्डेशन, कलकत्ता पिछले पाँच सालों से देशभर में महिला प्रशिक्षण केन्द्र, बाल साक्षरता कार्यक्रम, जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कपड़ा और खाना, विभिन्न विषयों पर व्याख्यान जैसे कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

फाउन्डेशन अब तक लगभग बारह हजार छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर चुका है। फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार राजस्थान में इस कार्यक्रम के लिए श्री सीमेंट लिमिटेड ने 15 लाख रुपए प्रदान किये हैं। "हर एक-पढ़ाए एक" अभियान को साकार करने के उद्देश्य से हम कुछ सहयोगी भी तलाश रहे हैं जो पांच सौ से लेकर एक हजार रुपए मासिक सहयोग देकर इस कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं।

Press Clipping

Publication : Vanijya Setu
Date : Tuesday, August 1, 2006
Edition : Jaipur
Page : 5

राजभवन में आयोजित भव्य समारोह में 'सभी को शिक्षा' का उद्घाटन

विशेष संवाददाता

जयपुर। राज्यपाल प्रतिभा पाटील का कहना है कि संस्कारवान समाज के निर्माण के लिए शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करना बहुत जरूरी है। पाटील गत रविवार को राजभवन में राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थी। पाटील ने कहा कि प्रत्येक शिक्षित व्यक्ति को किसी निरक्षर को पढ़ाने की जिम्मेदारी उठानी चाहिए ताकि राज्य में शिक्षा का प्रसार तेजी से हो सके। उन्होंने इस क्षेत्र में स्वयंसेवी संस्थाओं से आगे आने का आह्वान किया। समारोह में शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने राज्य सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में चल रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। श्री सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एच.एम. बांगड़, चर्चित लेखिका तस्लीमा नसरीन, संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र की निदेशक शालिनी दीवान, शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्स्यायन व फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इससे पहले होटल राजपूताना शेरेटन में हुई प्रेस वार्ता में फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने घोषणा की कि फोरम को शिक्षा से वंचित बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए श्री सीमेंट लिमिटेड की ओर से 15 लाख रुपए भी प्रदान किए गए। श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक एच.एम. बांगड़ ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत कक्षा एक से कक्षा आठ तक के निर्धन बच्चों को पढ़ने-लिखने के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। सहायता आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को मिलेगी इसके लिए प्राप्तांकों को आधार नहीं बनाया गया है।

Press Clipping

Publication : Jan Nayak
Date : July 20,2006
Edition : Kota
Page : 8

सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरूआत 22 से

♦ राजस्थान नेशनल फोरम का प्रयास
♦ प्राथमिक स्तर के बच्चों को छात्रवृत्ति

-कार्यालय संवाददाता-

कोटा, 19 जुलाई। राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा पाटिल 23 जुलाई को सायं राजभवन में सभी को शिक्षा कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करेंगी।

राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से प्रदेश में यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। फोरम के अध्यक्ष संदीप भूताड़िया व महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत कक्षा एक से पांच तक के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति आर्थिक आधार पर होगी।

उन्होंने बताया कि फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउन्डेशन, राजस्थान में इस कार्यक्रम में इस कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहा है। राजभवन में 23 जुलाई की शाम चार बजे राज्यपाल कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद डॉ. कविता वात्सायन, मशहूर लेखिका तसलीमा नसरीन एवं श्री सीमेन्ट के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के संयोजक एवं राजस्थान नेशनल फोरम के अध्यक्ष सन्दीप भूतोडिया के अनुसार प्रभा खेतान फाउन्डेशन कलकत्ता पिछले पांच सालों से देशभर में महिला प्रशिक्षण एवं साक्षरता केन्द्रों सहित कई कार्यक्रमों को संचालित कर रही है।

फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम को फोरम 34 जिला केन्द्रों के साथ-साथ सभी ग्रामीण इलाकों को भी जोड़ेगी।

इसके लिए एक समिति स्थानीय स्तर पर गठित की जाएगी। छात्रवृत्ति की राशि विद्यार्थी की एक वर्ष की फीस के बराबर होगी।

Press Clipping

Publication : Rajasthan Plus (TOI)
Date : Friday, July 14, 2006
Edition : Jaipur
Page : 1

From left to right: Sundeep Bhutoria, Taslima Nasreen, Pratibha Patil, Ghanshyam Tiwari and HM Bangur

Educate one and all

Despite notable efforts from different countries worldwide to ensure the right to education for all, the problem still persists. Even today more than 100 million children and countless adults fail to complete their basic education. Reasons for this are plenty...economic stagnation, rapid population growth, widening economic disparities, crimes, politics, civil strife and so on. Providing literacy or education for all is one such cause. Pratibha Khaitan Foundation is a renowned NGO, which is dedicated to social, cultural and educational advancement of the society. Its project-'Education for All' which was launched five years back in Kolkata provides help to the needy students for basic education through scholarships.

"More than 12000 students were benefited under this project. We are planning to launch the same project in Rajasthan too, in collaboration with Rajasthan National forum " said convener of the project, Sundeep Bhutoria who is also the president of RNF. The launching ceremony will be held at Raj Bhawan on July 23. Apart from the Governor, Government of Rajasthan, Pratibha Patil who will preside over the ceremony, eminent educationalist, Dr. Kapila Vatsyayan, industrialist HM Bangur, Ghanshyam Tiwari, education minister of Government of Rajasthan and renowned author Taslima Nasreen will also be present for the occasion, informed Pradeep Chaturvedy, secretary of the forum. "I am definitely looking forward to my trip to Jaipur. I feel that more projects like this will help to ensure a secure future for the underprivileged ones," opines Taslima. "Our main aim is to educate one and all. And for this noble cause a Rajasthan based cement company Shree Cement has donated us Rs15 lakhs," added Bhutoria.

The managing director of the Shree Cements HM Bangur said that he feels extremely proud in associating his company's name with such a noble cause and said that every corporate should share same sort of social responsibility.

Press Clipping

Publication : Desh ki Dharti
Date : July 14, 2006
Edition : Kota
Page : 8

G

सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरूआत 23 जुलाई को

जयपुर 13 जुलाई। राज्यपाल महामहिम प्रतिभा पाटिल 23 जुलाई को राजस्थान में सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरूआत करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा राजस्थान में यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी। यह छात्रवृत्ति अंकों के आधार पर नहीं बल्कि छात्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जायेगी। फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउन्डेशन राजस्थान में इस कार्यक्रम की शुरूआत करने जा रहा है। 23 जुलाई को शाम 4 बजे राजस्थान की राज्यपाल राजभवन में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरूआत करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद डॉ.कपिला वात्सायन, मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन और राजस्थान के प्रमुख श्री सीमेन्ट उत्पादक कंपनी सीमेन्ट लिमिटेड के प्रबंधक निदेशक हरिमोहन बांगर भी उपस्थित रहेंगे।

Press Clipping

Publication : Dainik Bhaskar
Date : July 14, 2006
Edition : Kota
Page : 7

23 को राज्यपाल करेगी 'सभी को शिक्षा कार्यक्रम' की शुरुआत

भास्कर न्यूज ◆ कोटा, 13 जुलाई। राज्यपाल प्रतिभा पाटिल 23 जुलाई को राजस्थान में 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम की शुरुआत करेगी। राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा एक से पांच तक के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाएगी। कार्यक्रम संयोजक व फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने बताया कि फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउंडेशन राजस्थान में इसकी शुरुआत करेगा।

Press Clipping

Publication : Evening Plus

Date : Thursday, July 13, 2006

Edition : Jaipur

Page : 4

'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम 23 से

जयपुर, 13 जुलाई (कॉर्पोरेट संवाददाता)

राज्यपाल प्रतिभा पाटील 23 जुलाई को राजस्थान में 'सभी को शिक्षा', कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। राजस्थान नेशनल फोरम द्वारा राजस्थान में यह कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक के जरूरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह छात्रवृत्ति अंकों के आधार पर नहीं बल्कि छात्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी।

राजस्थान नेशनल फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी के अनुसार फोरम के तत्वावधान में कोलकाता का प्रभा खेतान फाउंडेशन राजस्थान में इस कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहा है। 23 जुलाई को शाम 4 बजे राजस्थान की राज्यपाल प्रतिभा पाटील राजभवन में इस कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत करेंगी। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्सायन, मशहूर बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन और राजस्थान की प्रमुख सीमेंट उत्पादक कंपनी श्री सीमेंट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरि मोहन बांगड़ भी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम के संयोजक एवं फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया के अनुसार प्रभा खेतान फाउंडेशन, कोलकाता पिछले पांच सालों से देशभर में महिला प्रशिक्षण केन्द्र, बाल साक्षरता कार्यक्रम, जरूरतमंद लोगों को मुफ्त कपड़ा और खाना, विभिन्न विषयों पर व्याख्यान जैसे कार्यक्रम संचालित कर रहा है। फाउंडेशन अब तक लगभग बारह हजार छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान कर चुका है। फोरम के महासचिव प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान में इस कार्यक्रम के लिए श्री सीमेंट लिमिटेड ने 15 लाख रुपए प्रदान किए हैं।

SUMAN SARKAR/HT

Writer Taslima Nasreen at the launch of the Education for All programme in the city on Sunday

Calm and fiery that's Taslima for you

HT Live Correspondent

She is one writer from the Indian sub-continent who has been surrounded by controversies more than anybody else. Fiery issues of religious fanaticism, sexual and physical violence and gender equality issues have always been close to her pen, calling the wrath of fundamentalist forces and resulting in exile from her own country, Bangladesh. Yet, Taslima Nasreen is unwavering in her pursuit of the causes she has always talked about.

In Jaipur to attend the launch of the 'Education for all' scholarship programme, Taslima had yet another con-

WRITER'S NOTE

troversy waiting for her with reports by a local daily that she was asked not to attend the official ceremony at Governor House. Though she denied she knew anything of it and the organisers said it was only libel.

Since she has written a lot about the injustice meted out to women, questions about any changes in the state of affairs under the leadership of a woman in her country were obvious. However, she said that being a woman, a leader need not necessarily take steps to improve the condition of women.

"You need ideological commitment to initiate any changes," she said, admitting that the condition of women in India was far better than in Bangladesh or Pakistan, "but some gender inequality issues do exist."

So, is it writers like her who can change the scene for the better? "The situation in either case hasn't changed much. We still have to fight religious fundamentalism and try to create a more tolerant and peaceful world," said Taslima. "As a writer, I have been doing my bit by writing about it. The very fact that the fundamentalists are trying to stop me by throwing me out of the country and banning my books proves that it is leaving impact in some way. Even they know it, and are afraid women may wake up and revolt," Taslima said talking about her controversial book Lajja. Taslima informed she was now working on the fifth part of her autobiography; four parts of which have already been published.

You can be sure about one thing; she sure doesn't lash out words verbally as much as she does through the pen. Calm and very much in control despite the flurry of questions from the media, she appeared a different person altogether from what one would have imagined.

Monday, July 24, 2006
HT Jaipur Live

धार्मिक कट्टरता के खिलाफ आगे आएं : तसलीमा

जयपुर, 23 जुलाई (कासं)। बांगलादेश की जानी मानी लेखिका तसलीमा नसरीन ने विश्व में बढ़ती धार्मिक कट्टरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसे रोकने के लिए सभी देशों को आगे आना चाहिए। आज होटल राजपूताना शेरेटन में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि जिस तरह से विश्व में धार्मिक कट्टरता बढ रही है। जो कि पूरे विश्व के देशों के लि खतरा है उन्होंने कहा कि भारत में महिलाओं की पाकिस्तान एवं बांगलादेश की तुलना में बेहतर स्थिति है। उन्होंने कहा कि उन्हें विवादों की चिंता नहीं है। वह जो भी सोचती है उसे ही लिखती है। चाहे किसी को बुरा लगे। बांगलादेश में महिलाओं की स्थिति पर लिखी उनकी पुस्तक एवं उसके प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में तसलीमा नसरीन ने कहा कि बांगलोदश में परिवर्तन थोड़ा धीमा है। लेकिन यह कह सकती है कि उनकी भावनाओं की लोगों ने कद्र की है। राजस्थान नेशनल कोरम के अध्यक्ष संजीव भूतडिया ने कहा कि तसलीमा नसरीन के राज भवन में आयोजित समारोह में भाग लेने को लेकर कोई विवाद नहीं है उन्होंने कहा कि तसलीम राजस्थान घूमने के मकसद से आई थी लेकिन राजस्थानी प्रवासियों की ओर से शुरू किए गए शिक्षा संबंधी अभियान एजूकेशन फार आल के कार्यक्रम को निमंत्रण पर वह आई है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध संस्कृतिविद कपिला वात्स्यान एवं संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र की निदेशक शालिनी दीवान भी आई है।

समाचार जगत, जयपुर, 24 जुलाई, 2006 (2)

नहीं बदले हालात

जयपुर, 23 जुलाई (मे.सं.)। बांग्लादेश की चर्चित लेखिका तस्लीमा नसरीन का मानना है कि शीर्ष पदों पर महिलाओं के बैठने मात्र से हालात नहीं बदलते। राजस्थान नेशनल फोरम संस्था की ओर से सभी को शिक्षा कार्यक्रम की शुरुआत करने जयपुर आई नसरीन ने राजस्थान पत्रिका से बातचीत में यह कहा। प्रस्तुत है उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

- **बांग्लादेश में प्रधानमंत्री महिला व विपक्षी नेता महिला है। क्या इससे देश में महिलाओं की स्थितियों में सुधार हुआ है?**
  शीर्ष पदों पर महिलाओं के बैठ जाने मात्र से महिलाओं की स्थिति पर कुछ विशेष फर्क नहीं पड़ता है। इसके लिए जमीनी स्तर से बदलाव करने पड़ते हैं।
- **आप इन दिनों क्या लिख रही हैं?**
  मैं अपनी जीवनी लिख रही हूं। इसके तीन हिस्सों को बांग्लादेश में प्रतिबंधित कर दिया गया है और एक हिस्से को पश्चिम बंगाल में भी प्रतिबंधित किया गया है।
- **इस अभियान से आप कैसे जुड़ी हैं ?**
  शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक व्यक्ति का मूल अधिकार है। इसके प्रचार-प्रसार से शोषण मुक्त जगत का निर्माण किया जा सकता है।
- **भारत व बांग्लादेश में महिलाओं की स्थिति?**
  बांग्लादेश और पाकिस्तान में महिलाओं की स्थिति भारत की तुलना में ज्यादा खराब है।

तस्लीमा को लेकर कोई विवाद नहीं

जयपुर, 23 जुलाई (का.सं.)। राजभवन तथा राजस्थान नेशनल फोरम ने प्रख्यात बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन को रविवार को राजभवन में आयोजित समरोह में रोकने से साफ इनकार किया है। तय कार्यक्रम के हिसाब से नसरीन समारोह में शरीक भी हुईं और खुद उन्होंने कोई विवाद नहीं बताया। कार्यक्रम के आयोजक राजस्थान नेशनल फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने पत्रकारों से कहा कि तस्लीमा को कार्यक्रम में शामिल होने या नहीं होने के बारे में राजभवन से कोई निर्देश नहीं मिले। प्रेस वार्ता में मौजूद तस्लीमा ने भी कहा कि उन्हें राजभवन या आयोजक फोरम की ओर से ऐसे कोई निर्देश नहीं मिले जिसमें राजभवन जाने पर रोक का जिक्र हो। गौरतलब है कि एक समाचार पत्र (पत्रिका नहीं) में इस आशय का समाचार प्रकाशित हुआ था कि राजभवन ने आयोजकों को तस्लीमा को कार्यक्रम में नहीं बुलाने को कहा गया।

'राजभवन ने तस्लीमा को समारोह में आने के लिए कभी मना नहीं किया। ना ही मीडिया के प्रवेश पर पाबंदी लगाई। कार्यक्रम राजभवन की ओर से नहीं था। यह समारोह के आयोजकों को तय करना था कि किन्हें बुलाना है, किन्हें नहीं।'

प्रवक्ता, राजभवन

राजस्थान पत्रिका जयपुर » सोमवार » 24 जुलाई 2006

मुझे विवादों की चिंता नहीं-तस्लीमा

जयपुर, 23 जुलाई (कासं)। बांग्लादेश मूल की प्रख्यात लेखिका तस्लीमा नसरीन का कहना है कि मुझे विवादों की चिंता नहीं है। मैं जो सोचती हूं, वही लिखती हूं, वह चाहे किसी को अच्छा लगे या बुरा, मुझे इसकी परवाह नहीं।

तस्लीमा नसरीन रविवार को राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से आयोजित 'एजुकेशन फॉर ऑल प्रोग्राम' में शिरकत करने आई थी। उन्होंने कहा कि मैं धार्मिक कट्टरवाद के सख्त खिलाफ हूं, लेकिन आज विश्व में कट्टरवाद हावी होता जा रहा है। इसे खत्म करने के लिए लोगों को एकजुट होना होगा। भारतीय महिलाओं की स्थिति के बारे में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश की तुलना में भारतीय महिलाओं की स्थिति काफी सुखद हैं। आज यहां की महिलाएं हर फील्ड में आगे जा रही हैं। तस्लीमा नसरीन से उनकी पुस्तकों के बांग्लादेश में पड़ रहे प्रभावों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि मेरी पुस्तकों का प्रभाव तो है, लेकिन प्रभाव की चाल काफी धीमी है।

राजभवन गई तस्लीमा

सभी विवादों को दरकिनार करते हुए तस्लीमा नसरीन रविवार को राजभवन गई। जब उनसे राजभवन में उनके जाने को लेकर उठे विवाद के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि मुझे विवाद के बारे में कुछ पता नहीं है। उधर राजस्थान नेशनल फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने कहा कि राजभवन की ओर से ऐसा कोई आदेश नहीं आया था कि तस्लीमा नसरीन को राजभवन में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जयपुर, 24 जुलाई, 2006

महका भारत

'सबके लिए शिक्षा' कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर लोगों को सम्बोधित करती राज्यपाल प्रतिभा पाटिल व बालिका को सम्मानित करती लेखिका तस्लीमा नसरीन।

शिक्षा में भागीदारी का आह्वान

सबके लिए शिक्षा कार्यक्रम का शुभारंभ

जयपुर, 23 जुलाई (कासं)। राज्यपाल प्रतिभा पाटिल ने लोगों को आह्वान किया है कि वे शिक्षा के प्रसार के लिए सक्रिय भागीदारी निभाएं।

राजभवन सोमवार को राजभवन में प्रभा खेतान फाउंडेशन एवं राजस्थान नेशनल फोरम के संयुक्त तत्वावधान में संचालित 'सबके लिए शिक्षा' कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रसार को मजबूती देने के लिए 'इच वन एजूकेट वन' का नारा बुलंद होना चाहिए। पाटिल ने कहा कि राज्य सरकार स्कूलों में मुफ्त शिक्षा प्रदान कर रही है। इस कार्य में स्वयंसेवी संस्थाएं भी जुड़कर इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ाने में सहभागी बन सकती हैं।

शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में किताबें निःशुल्क उपलब्ध कराने के साथ ही आदिवासी क्षेत्रों की बालिकाओं को साइकिलें भी उपलब्ध कराई गई हैं। बच्चों के हैल्थ कार्ड भी बनाए जा रहे हैं। शिक्षाविद् डॉ. कपिला वात्सायन, बांग्लादेश की चर्चित लेखिका तस्लीमा नसरीन, संयुक्त राष्ट्र सूचना केन्द्र की निदेशक शालिनी दीवान तथा श्री सीमेंट के प्रबंध निदेशक एच.एम. बांगड़ ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम के अंत में राज्यपाल ने फाउंडेशन की छात्रवृत्ति के लिए सवाईमाधोपुर के छात्र विकास त्यागी, जयपुर के हर्षित चौहान तथा अजमेर के मनीष कुमार को चयनित पत्र प्रदान किया। बाद में एक अन्य समारोह में तसलीमा नसरीन ने इस अभियान की शुरुआत तीन चयनित बच्चों को पाठ्य पुस्तकें प्रदान कर की।

उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति का मूल अधिकार है और औरतों पर कोई अत्याचार नहीं हो, कोई बच्चा निरक्षर न हो, पूरे विश्व से आतंकवाद मिटे यही मेरा सपना है। फोरम के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने कहा कि कोलकाता की प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में यह कार्यक्रम शुरु किया गया है।

कार्यक्रम के अंतर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के जरुरतमंद छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। छात्रवृत्ति का आधार अंक की बजाय उस छात्र की आर्थिक स्थिति होगी। श्री सीमेंट ने इस कार्यक्रम के लिए 15 लाख रुपए प्रदान किए हैं।

महका भारत

जयपुर, 24 जुलाई 2006

कट्टरता की बजाय इन्सानियत का पैगाम जरूरी

नगर प्रतिनिधि

जयपुर, 23 जुलाई। बन्द होठों का था सबब कोई, वक्त आएगा तो हम भी बोलेंगे कुछ इसी तर्ज पर विवादास्पद लेकिन प्रख्यात बांग्ला लेखिका तस्लीमा नसरीन का जयपुर का दौरा रहा। सबके लिए शिक्षा कार्यक्रम में भाग लेने अपनी पहली राजस्थान यात्रा पर आई तस्लीमा नसरीन से किसी सनसनी की आस लेकर पहुंचे पत्रकारों को उस समय भारी निराशा हुई जब वो पत्रकार वार्ता में पूरे समय नपे-तुले लिखे हुए मजमून के सिवाय खामोशी की चादर ओढ़े रही। हालांकि जयपुर में उनके पहुंचने से पहले ही उनके राजभवन में जाने या ना जाने को लेकर काफी चर्चा थी। तस्लीमा ने बताया कि वे राजभवन कार्यक्रम में शामिल होने जा रही है तथा उन्हें आयोजकों ने बुलाया है इसके सिवाय उन्हें किसी भी विवाद का पता नहीं है। तस्लीमा ने बताया कि भारत में महिलाओं की स्थिति पाकिस्तान एवं बांग्लादेश की महिलाओं से काफी अच्छी हैं। बांग्लादेश में महिला शासक होने पर भी वहां पर महिलाओं की स्थिति बदतर हैं। आज धार्मिक कट्टरता की बजाय इन्सानियत एवं भाईचारे की जरूरत हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अभी तक पांच बायोग्राफी लिखी है

विवादास्पद लेखिका तस्लीमा का जयपुर दौरा

जिसमें से चार तो बांग्लादेश में प्रतिबंधित है तथा एक पर पश्चिमी बंगाल में प्रतिबंध है। अपनी विवादास्पद पुस्तक लज्जा के बारे में उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी पुस्तक में शामिल विषयों पर कोई गुरेज नहीं हैं। वे इस बात से कतई भयभीत नहीं हैं कि कौन उन्हें प्यार करता है तथा कौन उन्हें जान से मार सकता है। उनकी पुस्तक पढ़ने से बांग्लादेश के लोगों की सामाजिक सोच में काफी परिवर्तन आया है। उनके देश में आइडियोलोजिकली कमिटमेन्ट से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने विकासशील देशों में महिलाओं के देह व्यापार, बलात्कार एवं खरीद-फरोख्त को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इन पर सख्ती से अंकुश लगाने की आवश्यकता हैं। खास तौर से उन्होंने बालिका शिक्षा में विकासशील देशों जिनमें भारत, पाकिस्तान तथा बांग्लादेश का उन्होंने जिक्र किया में काफी जागरूकता एवं कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

दैनिक नवज्योति • जयपुर, सोमवार 24 जुलाई, 2006

तस्लीमा पहुंचीं राजभवन

राज्यपाल की पहल पर कार्यक्रम में बुलाया, राजभवन के अफसर और आयोजक कुछ भी कहने से बचते रहे

राजभवन में राज्यपाल प्रतिभा पाटील के साथ तस्लीमा।

विशेष संवाददाता ◆ जयपुर, 23 जुलाई। आखिर राजभवन विवादास्पद लेखिका तस्लीमा नसरीन की मेजबानी के लिए तैयार हो ही गया। रविवार शाम को राज्यपाल प्रतिभा पाटील और तस्लीमा एक साथ मंच पर थीं लेकिन दोनों के चेहरों और समारोह स्थल पर खामोशी छाई हुई थी।

BHASKAR भास्कर इंपैक्ट IMPACT

राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से राजस्थान में 'सब के लिए शिक्षा' कार्यक्रम के राजभवन में आयोजित समारोह में तस्लीमा के शामिल होने पर परहेज संबंधी खबर भास्कर में छपने के बाद राज्यपाल ने पहल की और तस्लीमा को राजभवन बुलाया। तस्लीमा रविवार शाम को राजभवन में आयोजित समारोह में शामिल हुईं। समारोह में शामिल होने के बाद राज्यपाल और तस्लीमा में संक्षिप्त बातचीत भी हुई।

चर्चित उपन्यास 'लज्जा' और आत्मकथा 'द्विखंडितो' को लेकर विवादों में रही बांगलादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन की राजस्थान की पहली यात्रा भी विवादित रही। फोरम ने कार्यक्रम की शुरुआत के लिए राजभवन में समारोह का आयोजन रखा था और इसमें तस्लीमा को भी बतौर अतिथि बुलाया गया था। इसके लिए छपवाए आमंत्रण पत्रों में भी तस्लीमा का नाम था। ▸▸ शेष पेज 6 पर

मुझे आयोजकों ने राजस्थान में 'सबके लिए शिक्षा' कार्यक्रम की शुरुआत के लिए बुलाया था। मुझे पहले कहा गया कि राजभवन में कार्यक्रम होगा जिसमें शामिल होना है। बाद में मना किया। फिर शामिल होने के लिए कहा गया। राजभवन में मेरे जाने या नहीं जाने का विवाद कैसे उपजा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।
तस्लीमा नसरीन, प्रसिद्ध लेखिका

उनका पहले राजभवन में जाने का कार्यक्रम था। राजभवन में आयोजित समारोह में स्थान की कमी के कारण हमने मीडिया को नहीं बुलाया इसीलिए राजपूताना शेरेटन होटल में हमने अलग से कार्यक्रम करने का निर्णय किया। अब वे राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राजभवन ने मना नहीं किया।
संदीप भूतोड़िया, अध्यक्ष, राजस्थान नेशनल फोरम आयोजक एजूकेशन फॉर ऑल

दैनिक भास्कर
जयपुर, सोमवार 24 जुलाई, 2006

वुमन ऑफ सब्स्टेंस

राजेश कुमावत

विवादों की परवाह नहीं करती : तस्लीमा

सिटी रिपोर्टर

मैं विवादों की परवाह नहीं करती, डरती भी नहीं। धार्मिक कट्टरपंथ और धार्मिक आतंकवाद के साथ महिला अत्याचारों के खिलाफ मेरी कलम चलती रहेगी।' शहर में आई बांग्लादेश मूल की चर्चित उपन्यासकार तसलीमा नसरीन ने रविवार को पत्रकारों से यह बात कही। तसलीमा ने एक सवाल के जवाब में कहा, उनके उपन्यास 'लज्जा' के बाद भी बांग्लादेश में महिलाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वहां दोनों महत्त्वपूर्ण पदों पर महिलाओं की मौजूदगी के बावजूद यह दुर्भाग्य की बात है कि महिलाओं और बालिकाओं को शिक्षा, समानता और उनके वाजिब हक नहीं मिल रहे। उनके उपन्यास के बाद एक आंदोलन की शुरुआत होती लेकिन इससे पहले ही कट्टरपंथी ताकतों ने उनको देश से निकाल फेंका। उन्होंने कहा कि एक महिला होने का मतलब यह नहीं होता कि वह महिला हितों के लिए बदलाव की बात करेगी ही। ऐसा ही कुछ बांग्लादेश में हो रहा है।

भारत में महिलाओं की स्थिति ज्यादा बेहतर

भारत में महिलाओं की स्थिति पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर है। यहां महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकार और समानता का हक दिलाने, उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए कई महत्त्वपूर्ण आंदोलन हुए हैं। दूसरे मामलों में एशियाई देशों में महिलाओं की दशा कमोबेश एक जैसी ही है।

आटोबायोग्राफी का पांचवां भाग जल्दी

तसलीमा नसरीन की आटोबायोग्राफी का पांचवां भाग जल्द प्रकाशित होगा। तसलीमा बताती हैं, मैं इन दिनों उसी को पूरा करने में जुटी हूं। मेरी आटोबायोग्राफी के चार भाग प्रकाशित हो चुके हैं। इन चारों ही खंडों को बांग्लादेश में प्रतिबंधित किया गया है। तसलीमा इसकी परवाह नहीं करतीं।

जुल्म और अन्याय से परे एक खूबसूरत दुनिया का सपना

राजपूताना शैरेटन होटल और राजभवन में आयोजित 'एजुकेशन फॉर ऑल' कार्यक्रम के समारोह में आयोजकों की ओर से लिखित भाषण पढ़ते हुए तसलीमा ने जुल्म और अन्याय से परे एक खूबसूरत दुनिया का सपना संजोया। तसलीमा ने कहा कि उनका सपना एक ऐसी खूबसूरत दुनिया देखने का है जहां समाज धर्मनिरपेक्ष हो, महिलाएं अत्याचार और उत्पीड़न मुक्त हों। सब में मानवता और प्यार हो। उन्होंने कहा, शिक्षा सब बच्चों का मौलिक अधिकार है। विशेष रूप से बालिकाओं को समान रूप से लिंगभेद किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और उनको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिले।

लेखक को सियासी पचड़ों से दूर रखें

तस्लीमा को लेकर साहित्य जगत में छिड़ी व्यापक चर्चा

राजस्थान में रविवार से शुरु हुए 'सबके लिए शिक्षा' अभियान के राजभवन में होने वाले उद्घाटन समारोह में तस्लीमा नसरीन के पहले जाने और फिर नहीं जाने के निर्णय से उपजे सवाल पर शहर का साहित्य जगत काफी उद्वेलित रहा। कई साहित्यकारों ने कहा लेखक को तो इन सियासी पचड़ों से दूर रखा जाना चाहिए तो किसी ने इसे दो देशों के आपसी संबंधों के परिप्रेक्ष्य में जायज भी ठहराया। कई साहित्यकारों ने तस्लीमा के नजरिए को उचित ठहराते हुए यहां तक कहा कि भारत में तो उनका स्वागत होना चाहिए। विभिन्न देशों में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले का हिन्दुस्तान समर्थन नहीं करेगा तो और कौन करेगा। बाद में राजभवन में समारोह में शिरकत करने की खबर पर इन लोगों ने राहत की सांस भी ली पर साथ ही सारे प्रकरण पर ढुलमुल नीति को खेदजनक भी बताया।

प्रकरण खेदजनक

तस्लीमा के कृतित्व और व्यक्तित्व पर पुस्तक लिखने वाले जयपुर के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. मोहन कृष्ण वोहरा ने दिल्ली से फोन पर भास्कर से इस सारे प्रकरण की जानकारी प्राप्त कर इस पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तस्लीमा लेखिका के रूप में सम्मान की पात्र है, हम यदि किसी को सम्मान नहीं दे सकते तो इस तरह अपमानित करने का भी हमें हक नहीं है।

कांग्रेस चिंतन का प्रभाव

भाषाविद् डॉ. कलानाथ शास्त्री ने कहा कि यदि यह निर्णय राजभवन का था तो निश्चित ही कांग्रेस चिंतन का प्रभाव नजर आता है। उन्होंने कहा कि तस्लीमा ने पर्दे के पीछे के तथ्य उजागर किए हैं चूंकि इस चिन्तन में विभिन्न देशों में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की स्थिति को उजागर किया है इसलिए भारत को तो उनका समर्थन करना ही चाहिए।

दो देशों के संबंध का मामला

पूर्व कुलपति व विचारक डॉ. के.एल. कमल का कहना है कि चूंकि तस्लीमा बांगलादेश से निष्कासित हैं एवं वहां उनके खिलाफ फतवा भी जारी किया हुआ है इसलिए हो सकता है दो देशों के संबंधों को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्तर पर ऐसा निर्णय लिया गया हो। लेकिन फिर भी यदि पहले बुलाने का निर्णय कर लिया गया था तो राजभवन को उस पर कायम रहना चाहिए था।

घर आए की बेइज्जती

प्रसिद्ध विचारक प्रो. जसबीर जैन इस वाकए को घर आए की बेइज्जती मानती हैं। जसबीर दुखी हैं कि तस्लीमा के साथ उनसे अधिक गुणी और वरिष्ठ लेखिका कपिला वात्सायायन भी हैं लेकिन तस्लीमा को बेवजह ही अधिक तरजीह दी जा रही है। प्रश्न यह है कि राजभवन ने इस आयोजन की जिम्मेदारी क्यों ली और फिर यदि जिम्मेदारी ले ही ली तो फिर उसे हर हालत में अपने निर्णय पर कायम रहना चाहिए था।

सिटी भास्कर जयपुर, सोमवार 24 जुलाई, 2006

'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम प्रारम्भ

जयपुर, (ब्यूरो): राजस्थान नेशनल फोरम के तत्वावधान में कोलकाता के प्रभा खेतान फाउन्डेशन ने आज राजस्थान में 'सभी को शिक्षा' कार्यक्रम की शुरूआत की। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा के जरूरतमन्द छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इस योजना में छात्रवृत्ति अंकों के आधार पर नहीं बल्कि छात्रों के आर्थिक स्तर को ध्यान में रखकर दी जाएगी। इस कार्यक्रम को राजस्थान के सभी 32 जिला केन्द्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी चलाया जाएगा। राजस्थान में इस कार्यक्रम के लिए श्री सीमेंन्ट ने 15 लाख रुपए प्रदान किए।

स्थानीय 24 जुलाई, 2006 सोमवार

Press Clipping

Metro 141 (Rajasthan Patrika)

Thursday, July 20, 2006

Jaipur

Global Public Relations

तस्लीमा नसरीन

कपिला वात्स्यायन

एजुकेशन फॉर ऑल

तस्लीमा और कपिला जयपुर में

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान नेशनल फोरम प्रतिभा खेतान फाउन्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में बेसिक एजुकेशन के लिए एक स्कॉलरशिप प्रोग्राम में शिरकत करने के लिए बांग्लादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन और मशहूर शिक्षाविद् कपिला वात्स्यायन जयपुर आ रही हैं। वे 23 जुलाई को राजभवन में होने वाले एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल प्रतिभा पाटील भी मौजूद रहेंगी।

तस्लीमा नसरीन उपन्यास 'लज्जा' के बाद पूरी दुनिया की सुर्खियों में आ गई थीं। कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा भी जारी किया। इन दिनों उन्होंने कोलकाता में शरण ली हुई है।

[illegible] को आयोजित ध्रुवपद नाद निनाद कार्यशाला के समापन पर प्रस्तुति देते कलाकार।

पत्रिका

फैली ध्रुवपद नाद निनाद की सुरभि

[illegible] की तान पर जब समवेत [illegible] सभागार में [illegible] फैल गई। मौका था [illegible] कला के संयुक्त [illegible] ध्रुवपद कार्यशाला [illegible] कार्यक्रम का आगाज [illegible] पर आधारित [illegible] से अठगुन तक की लयकारी और विभिन्न बोल बांट, लयबांट, चक्करदार तिहाई का उम्दा प्रदर्शन किया। इसके बाद वैदिक [सामवेद] त्रिस्वरों में निबद्ध मंत्र अग्नि स्तुति में राग के लालित्य को दर्शाने की पुरजोर कोशिश की। पं. लक्ष्मण भट्ट द्वारा रचित गीतों कहरवा ताल में निबद्ध मां...मां.. मां...पानी परे और झप ताल में निबद्ध मां शारदे साधूं...में कलाकारों ने स्वर और शब्दों का समान रूप से प्रयोग किया। कलाकारों ने ताल, आदि ताल, चौताल, सूलताल, साहरा, धमार का हाथों पर भी प्रदर्शन किया, जिसमें निष्णात कौशल की [illegible]मी नजर आई। इसके बाद कलाकारों ने सूलताल में निबद्ध राग मेघ में रचना 'राधे आए मेघ...' में वर्षा ऋतु [illegible] वर्णन किया। पखावज पर राकेश रेही और तानपुरे पर ओमप्रकाश नायर व गार्गी बनर्जी ने सशक्त संगत की। मुख्य अतिथि ट्रैफिक एसपी सत्यप्रिया सिंह थीं। करीब 50 विद्यार्थियों ने ध्रुवपद की आलापचारी व बारीकियां सीखीं।

[illegible]भर के टूर ऑपरेटर [illegible]जुटेंगे जयपुर में

[illegible] सम्मेलन जयपुर [illegible] तक [illegible] सम्मेलन के [illegible] के बीच काफी [illegible] ऑपरेटर्स की [illegible] सम्मेलन [illegible] हुआ। [illegible] से आयोजित इस सम्मेलन मे इण्डियन एसोसिएशन टूर ऑपरेटर्स से जुडे करीब दो हजार से अधिक सदस्य जुटेंगे। सम्मेलन में सदस्य पर्यटन व उससे जुड़े बिजनेस के विकास, सुविधाएं बढ़ाने एवं पर्यटन में मौजूद समस्याओं के निराकरण पर चर्चा करेंगे। इण्डियन एसोसिएशन टूर ऑपरेटर का एक प्रतिनिधिमण्डल हाल ही सम्मेलन स्थल व सुविधाओं को देखने के लिए पर्यटन विभाग के आयुक्त ए.के.सिंह, सचिव विनोद जुत्शी आदि अधिकारियों से मिला था।

तस्लीमा नसरीन

कपिला वात्स्यायन

एजुकेशन फॉर ऑल

तस्लीमा और कपिला ज़यपुर में

जयपुर, 19 जुलाई। राजस्थान नेशनल फोरम प्रतिभा खेतान फाउन्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में बेसिक एजुकेशन के लिए एक स्कॉलरशिप प्रोग्राम में शिरकत करने के लिए बांग्लादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन और मशहूर शिक्षाविद् कपिला वात्स्यायन जयपुर आ रही है। वे 23 जुलाई को राजभवन में होने वाले एक कार्यक्रम में शिरकत करेंगी। कार्यक्रम में राज्यपाल प्रतिभा पाटील भी मौजूद रहेंगी।

तस्लीमा नसरीन उपन्यास 'लज्जा' के बाद पूरी दुनिया की सुर्खियों में आ गई थीं। कट्टरपंथियों ने उनके खिलाफ फतवा भी जारी किया। इन दिनों उन्होंने कोलकाता में शरण ली हुई है।

OUR SUPPORT TO YOU ANYTIME ANYWHERE
TATA MOTORS

विमन ऑफ सब्स्टंस

राजेश कुमावत

मैं विवादों की परवाह नहीं करती : तसलीमा

सिटी रिपोर्टर

'मैं विवादों की परवाह नहीं करती, डरती भी नहीं। धार्मिक कट्टरपंथ और धार्मिक आतंकवाद के साथ महिला अत्याचारों के खिलाफ मेरी कलम चलती रहेगी।' शहर में आई बांग्लादेश मूल की चर्चित उपन्यासकार तसलीमा नसरीन ने रविवार को पत्रकारों से यह बात कही। तसलीमा ने एक सवाल के जवाब में कहा, उनके उपन्यास 'लज्जा' के बाद भी बांग्लादेश में महिलाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। वहां दोनों महत्त्वपूर्ण पदों पर महिलाओं की मौजूदगी के बावजूद यह दुर्भाग्य की बात है कि महिलाओं और बालिकाओं को शिक्षा, समानता और उनके वाजिब हक नहीं मिल रहे। उनके उपन्यास के बाद एक आंदोलन की शुरुआत होती लेकिन इससे पहले ही कट्टरपंथी ताकतों ने उनको देश से निकाल फेंका। उन्होंने कहा कि एक महिला होने का मतलब यह नहीं होता कि वह महिला हितों के लिए बदलाव की बात करेगी ही। ऐसा ही कुछ बांग्लादेश में हो रहा है।

भारत में महिलाओं की स्थिति ज्यादा बेहतर

भारत में महिलाओं की स्थिति पाकिस्तान और बांग्लादेश के मुकाबले कहीं ज्यादा बेहतर है। यहां महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकार और समानता का हक दिलाने, उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने के लिए कई महत्त्वपूर्ण आंदोलन हुए हैं। दूसरे मामलों में एशियाई देशों में महिलाओं की दशा कमोबेश एक जैसी ही है।

आटोबायोग्राफी का पांचवां भाग जल्दी

तसलीमा नसरीन की आटोबायोग्राफी का पांचवां भाग जल्द प्रकाशित होगा। तसलीमा बताती हैं, मैं इन दिनों उसी को पूरा करने में जुटी हूं। मेरी आटोबायोग्राफी के चार भाग प्रकाशित हो चुके हैं। इन चारों ही खंडों को बांग्लादेश में प्रतिबंधित किया गया है। तसलीमा इसकी परवाह नहीं करतीं।

जुल्म और अन्याय से परे एक खूबसूरत दुनिया का सपना

राजपूताना शैरेटन होटल और राजभवन में आयोजित 'एजुकेशन फॉर ऑल' कार्यक्रम के समारोह में आयोजकों की ओर से लिखित भाषण पढ़ते हुए तसलीमा ने जुल्म और अन्याय से परे एक खूबसूरत दुनिया का सपना संजोया। तसलीमा ने कहा कि उनका सपना एक ऐसी खूबसूरत दुनिया देखने का है जहां समाज धर्मनिरपेक्ष हो, महिलाएं अत्याचार और उत्पीड़न मुक्त हों। सब में मानवता और प्यार हो। उन्होंने कहा, शिक्षा सब बच्चों का मौलिक अधिकार है। विशेष रूप से बालिकाओं को समान रूप से लिंगभेद किए बिना गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और उनको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिले।

राजभवन से परहेज क्यों ?

तस्लीमा को लेकर साहित्य जगत में छिड़ी व्यापक चर्चा

राजस्थान में रविवार से शुरु हुए 'सबके लिए शिक्षा' अभियान के राजभवन में होने वाले उद्घाटन समारोह में तस्लीमा नसरीन के पहले जाने और फिर नहीं जाने के निर्णय से उपजे सवाल पर शहर का साहित्य जगत काफी उद्वेलित रहा। कई साहित्यकारों ने कहा लेखक को तो इन सियासी पचड़ों से दूर रखा जाना चाहिए तो किसी ने इसे दो देशों के आपसी संबंधों के परिप्रेक्ष्य में जायज भी ठहराया। कई साहित्यकारों ने तस्लीमा के नजरिए को उचित ठहराते हुए यहां तक कहा कि भारत में तो उनका स्वागत होना चाहिए। विभिन्न देशों में हिन्दुओं के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले का हिन्दुस्तान समर्थन नहीं करेगा तो और कौन करेगा। बाद में राजभवन में समारोह में शिरकत करने की खबर पर इन लोगों ने राहत की सांस भी ली पर साथ ही सारे प्रकरण पर ढुलमुल नीति को खेदजनक भी बताया।

प्रकरण खेदजनक

तस्लीमा के कृतित्व और व्यक्तित्व पर पुस्तक लिखने वाले जयपुर के वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. मोहन कृष्ण बोहरा ने दिल्ली से फोन पर भास्कर से इस सारे प्रकरण की जानकारी प्राप्त कर इस पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तस्लीमा लेखिका के रूप में सम्मान की पात्र हैं, हम यदि किसी को सम्मान नहीं दे सकते तो इस तरह अपमानित करने का भी हमें हक नहीं है।

कांग्रेस चिंतन का प्रभाव

भाषाविद् डॉ. कलानाथ शास्त्री ने कहा कि यदि यह निर्णय राजभवन का था तो निश्चित ही कांग्रेस चिंतन का प्रभाव नजर आता है। उन्होंने कहा कि तस्लीमा ने पर्दे के पीछे के तथ्य उजागर किए हैं चूंकि इस चिन्तन में विभिन्न देशों में अल्पसंख्यक हिन्दुओं की स्थिति को उजागर किया है इसलिए भारत को तो उनका समर्थन करना ही चाहिए।

दो देशों के संबंध का मामला

पूर्व कुलपति व विचारक डॉ. के.एल. कमल का कहना है कि चूंकि तस्लीमा बांगलादेश से निष्कासित हैं एवं वहां उनके खिलाफ फतवा भी जारी किया हुआ है इसलिए हो सकता है दो देशों के संबंधों को ध्यान में रखते हुए सरकारी स्तर पर ऐसा निर्णय लिया गया हो। लेकिन फिर भी यदि पहले बुलाने का निर्णय कर लिया गया था तो राजभवन को उस पर कायम रहना चाहिए था।

घर आए की बेइज्जती

प्रसिद्ध विचारक प्रो. जसबीर जैन इस वाकए को घर आए की बेइज्जती मानती हैं। जसबीर दुखी हैं कि तस्लीमा के साथ उनसे अधिक गुणी और वरिष्ठ लेखिका कपिला वात्सायायन भी हैं लेकिन तस्लीमा को बेवजह ही अधिक तरजीह दी जा रही है। प्रश्न यह है कि राजभवन ने इस आयोजन की जिम्मेदारी क्यों ली और फिर यदि जिम्मेदारी ले ही ली तो फिर उसे हर हालत में अपने निर्णय पर कायम रहना चाहिए था।

तस्लीमा पहुंचीं राजभवन

राज्यपाल की पहल पर कार्यक्रम में बुलाया, राजभवन के अफसर और आयोजक कुछ भी कहने से बचते रहे

विशेष संवाददाता ◆ जयपुर, 23 जुलाई।

आखिर राजभवन विवादास्पद लेखिका तस्लीमा नसरीन की मेजबानी के लिए तैयार हो ही गया। रविवार शाम को राज्यपाल प्रतिभा पाटील और तस्लीमा एक साथ मंच पर थीं लेकिन दोनों के चेहरों और समारोह स्थल पर खामोशी छाई हुई थी।

BHASKAR भास्कर इंपैक्ट IMPACT

राजस्थान नेशनल फोरम की ओर से राजस्थान में 'सब के लिए शिक्षा' कार्यक्रम के राजभवन में आयोजित समारोह में तस्लीमा के शामिल होने पर परहेज संबंधी खबर भास्कर में छपने के बाद राज्यपाल ने पहल की और तस्लीमा को राजभवन बुलाया। तस्लीमा रविवार शाम को राजभवन में आयोजित समारोह में शामिल हुईं। समारोह में शामिल होने के बाद राज्यपाल और तस्लीमा में संक्षिप्त बातचीत भी हुई।

चर्चित उपन्यास 'लज्जा' और आत्मकथा 'द्विखंडितो' को लेकर विवादों में रही बांगलादेश की लेखिका तस्लीमा नसरीन की राजस्थान की पहली यात्रा भी विवादित रही। फोरम ने कार्यक्रम की शुरुआत के लिए राजभवन में समारोह का आयोजन रखा था और इसमें तस्लीमा को भी बतौर अतिथि बुलाया गया था। इसके लिए छपवाए आमंत्रण पत्रों में भी तस्लीमा का नाम था। ▸▸ शेष पेज 6 पर

राजभवन में राज्यपाल प्रतिभा पाटील के साथ तस्लीमा।

मुझे आयोजकों ने राजस्थान में 'सबके लिए शिक्षा' कार्यक्रम की शुरुआत के लिए बुलाया था। मुझे पहले कहा गया कि राजभवन में कार्यक्रम होगा जिसमें शामिल होना है। बाद में मना किया। फिर शामिल होने के लिए कहा गया। राजभवन में मेरे जाने या नहीं जाने का विवाद कैसे उपजा, मुझे इसकी जानकारी नहीं है।
तस्लीमा नसरीन, प्रसिद्ध लेखिका

उनका पहले राजभवन में जाने का कार्यक्रम था। राजभवन में आयोजित समारोह में स्थान की कमी के कारण हमने मीडिया को नहीं बुलाया इसीलिए राजपूताना शेरेटन होटल में हमने अलग से कार्यक्रम करने का निर्णय किया। अब वे राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगी। राजभवन ने मना नहीं किया।
***संदीप भूतोड़िया**, अध्यक्ष, राजस्थान नेशनल फोरम आयोजक एजूकेशन फॉर ऑल*

दैनिक भास्कर
जयपुर, सोमवार 24 जुलाई, 2006

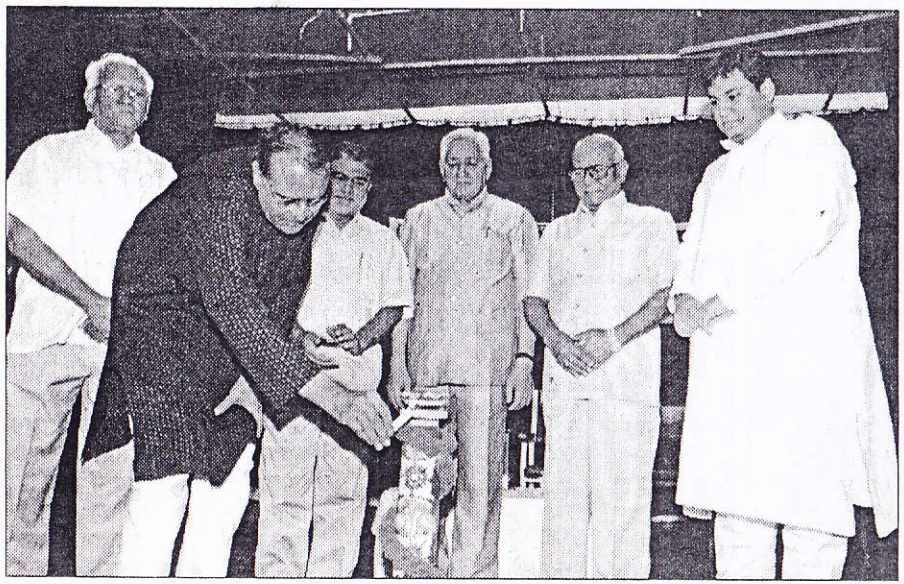

भारतीय भाषा परिषद में 'हिन्दी पत्रकारिता कल और आज' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते श्री रवीन्द्र कालिया। साथ में हैं सर्वश्री हरिवंश, राम अवतार गुप्त, गोविन्द लाल वोरा, विश्वम्भर नेवर और संदीप भूतोड़िया

आजादी के आन्दोलन को समाचार पत्रों से प्रेरणा मिलती थी

कोलकाता, 31 जुलाई (न. प्र.)। समाचार पत्र प्रजातन्त्र का चौथा स्तम्भ है। इस दृष्टि से जनता की भावनाओं व जनहित मुद्दों को प्राथमिकता देना पत्रों का दायित्व है। यह बात हिन्दी दैनिक छपते छपते पत्र द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय गोष्ठी 'हिन्दी पत्रकारिता कल और आज' में अमृत संदेश (रायपुर) के संपादक गोविन्द लाल वोरा ने कही। उन्होंने कहा कि कोलकाता में आजादी के आन्दोलन को प्रेरित करने वाले समाचार पत्र ही थे, जिन्होंने जनमानस में देश के प्रति एक अलख जगायी। आजादी के समय राजनैतिक लड़ाई के साथ साथ आर्थिक व सामाजिक मुद्दों को भी उठाया जाता था। जनमानस के मुद्दों की उपेक्षा कर समाचार पत्र नहीं चल सकते। उन्होंने कहा कि समाचार पत्र आलोचना भी करें तो सकारात्मक रूप से करें। प्रभात खबर के संपादक हरिवंश ने कहा कि समाज में बदलाव समाचार पत्रों से नहीं बल्कि विचारधारा से आया है। महात्मा गांधी व बाल गंगाधर तिलक जैसे व्यक्तियों ने अपनी विचारधारा व दर्शन से समाज में बदलाव किया। आज अखबारों में सेन्सेशन, क्राइम व राजनीति को ही ज्यादा उछाला जाता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सन्मार्ग के संपादक रामअवतार गुप्ता ने कहा कि पिछले 200 वर्षों में कई समाचार पत्र निकले और बंद हो गये, लेकिन जितनी प्रगति भाषाई अखबारों ने की, उतनी हिन्दी अखबारों ने नहीं की। हिन्दी समाचार पत्र धन की कमी के कारण पीछे रह गये। उन्होंने कहा कि हिन्दी अखबारों के प्रति लोगों की मानसिकता को बदलना होगा। लोग अंग्रेजी अखबार तो खरीद कर पढ़ते हैं, लेकिन हिन्दी अखबार पड़ोसी से मांग कर पढ़ते हैं। जब तक हिन्दी समाचार पत्रों में एकजुटता नहीं होगी, उनकी प्रगति नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में कुछ छपने पर संसद में भी गूंज होती है, लेकिन हिन्दी पत्रों में कोई खबर छपने पर उतना प्रभाव नहीं पड़ता है। वागर्थ के संपादक रवीन्द्र कालिया ने कहा कि पत्रकारिता में अंग्रेजी का वर्चस्व बढ़ता ही जा रहा है। कुछ पत्र अंग्रेजी समाचार पत्रों का अनुसरण भी करते हैं, लेकिन यह ठीक नहीं है। हिन्दी के जो समाचार पत्र अंग्रेजी की जकड़ से मुक्त हैं, उन्हीं का भविष्य उज्ज्वल है। छपते छपते के संपादक विश्वम्भर नेवर ने कहा कि आज से 180 वर्ष पहले रवीन्द्र नाथ टैगोर व नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की धरती पर पत्रकारिता का बीज बोया गया। कोलकाता हिन्दी पत्रकारिता की जन्म भूमि रही है। अंग्रेजी अखबारों के सप्लीमेन्ट में अश्लीलता बढ़ती जा रही है। हमारी संस्कृति पर आक्रमण हो रहा है, उसे बचाने के लिये हिन्दी समाचार पत्रों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि अगर भारत में विदेशी समाचार पत्र आयेंगे तो स्थिति और भयावह हो जायेगी। ऐसे में व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के बजाय समाचार पत्रों को समाज के हित में रचनात्मक व सकारात्मक भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में पत्रकार शैलेन्द्र, कृपा शंकर चौबे, ओम प्रकाश अश्क और दिनेश चन्द्र वाडेरा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। स्वागत भाषण संदीप भूतेड़िया ने दिया।

'सन्मार्ग' कोलकाता, मंगलवार, 1 अगस्त 2006

हिन्दी पत्रकारिता कल और आज पर सार्थक गोष्ठी

समाचार पत्रों को ही जलानी होगी मशाल

कोलकाता, 31 जुलाई (संवाददाता)। छपते छपते की 34वीं वर्षगांठ एवं हिन्दी पत्रकारिता के 180 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी आज भारतीय भाषा परिषद के सभागार में सम्पन्न हुई। गोष्ठी का उद्घाटन वरिष्ठ साहित्यकार रविन्द्र कालिया ने किया। उन्होंने कहा कि हमें इस सच्चाई को कबूल करना होगा कि हिन्दी पत्र-अंग्रेजी समाचार पत्रों के विकारों को अंगीकार करने की चेष्टा कर रहे हैं। अंग्रेजी समाचार पत्रों की पत्रकारिता की होड़ करने में हिन्दी पत्रों का स्तर भी गिरा है। श्री कालिया ने भाषायी पत्रों के उत्तरदायित्व का उल्लेख किया एवं कहा कि जनचेतना को उद्वेलित करना एवं परिवर्तन का पथ प्रदर्शन पत्रकारिता का धर्म है। वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रभात खबर के मुख्य संपादक श्री हरिवंश ने कहा कि समाचार पत्र परिवर्तन नहीं लाते। स्वतंत्रता संग्राम में जो चिनगारी फूटी थी उसमें समाचार पत्र, पत्रकार, साहित्यकार ही नहीं सभी विधाओं और वर्त्तियों के लोग प्रभावित हुए थे। अतः काल खंड में वैचारिक क्रांति के अनुरूप समाचार पत्र ढलते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि प्रभात खबर द्वारा समाजवादी विचारधारा की अगुवाई करने के बावजूद झारखंड बनने के पश्चात् पहली सरकार उनकी बनी जो समाजवादी व्यवस्था के घोर विरोधी हैं। तात्पर्य है कि समाचार पत्र संवाद प्रेषण का ही काम कर पाते हैं, आंदोलन नहीं कर सकते हालांकि उनके अपने पत्र पर 'समाचार पत्र

(शेष पृष्ठ 8 पर)

छपते छपते द्वारा आयोजित 'हिन्दी पत्रकारिता पर राष्ट्रीय परिसंवाद' का उद्घाटन करते हुए श्री रविन्द्र कालिया। साथ में सम्पादक विश्वम्भर नेवर, गोविन्द लाल बोरा, रामअवतार गुप्ता एवं संदीप भुतोड़िया। -फोटो : छपते छपते

छपते छपते, कोलकाता, मंगलवार, 1 अगस्त - 2006

कोलकाता में हिंदी पत्रकारिता की स्थिति पर एक संगोष्ठी में (ऊपर बायें से) रविंद्र कालिया, गोविंद वोरा, रामअवतार गुप्त, संदीप भूतोड़िया और (नीचे बायें से) दिनेश वढेरा, शैलेंद्र, कृपाशंकर चौबे व श्रीनिवास शर्मा.

पत्रकारिता का आधार लोकहित : गोविंद बोरा

पुरुषोत्तम तिवारी

कोलकाता : समाचार पत्र जिंदा रहेंगे, तभी प्रजातंत्र सफल होगा. कुछ लोगों के शिथिल होने से देश को बहुत कुछ भोगना पड़ता है. समाचार पत्र देश की नब्ज पहचानते हैं. समाचार पत्र हमें जागृत करते हैं, ताकि समाज से हम उऋण हो सकें. लोग जागृत होंगे, तो सब कुछ ठीक हो जायेगा. देश के आर्थिक व सामाजिक बदलाव में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका है. ऐसा लगता है कि आज हम भटक गये हैं. देश में अमीर-गरीब के बीच की खाई कम होनी चाहिए, तभी जीवन सुरक्षित रह सकता है. अखबार का दायित्व है, लोगों की भावनाओं को सामने रखे और उन्हें सृजनात्मक कार्यों से जोड़े. यह कहना है *अमृत संदेश* (रायपुर) के संपादक गोविंद लाल बोरा का. उन्होंने ये बातें आज *छपते-छपते* के तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता के 180 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी पत्रकारिता कल और आज' के उद्घाटन सत्र में कहीं. श्री बोरा ने कहा कि देश की आजादी और विकास में पत्रकारिता की बड़ी भूमिका है. देश की सौ करोड़ जनता की सेवा करने से बड़ा धर्म कोई नहीं है. समाचार पत्र उन्हीं मुद्दों को उठाते हैं, जिनमें लोकहित होता है. यही पत्रकारिता का आधार है. आंदोलन तो लोग करते हैं, पर प्रेरणा अखबार ही देते हैं. जितने भी परिवर्तन हुए, उसकी आधारशिला साहित्यकारों-पत्रकारों ने ही रखी. गांधी और तिलक की पत्रकारिता लोकहित में थी. स्वतंत्रता संघर्ष के समय समाचार पत्रों के कार्यालय आजादी की लड़ाई के केंद्र बिंदु थे. पहले भी हिंदी पत्रकारिता अच्छी थी, आज भी है और भविष्य में अच्छी रहेगी. समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार राम अवतार गुप्त ने की. उन्होंने कहा कि अर्थाभाव के चलते भाषाई समाचार पत्रों की जितनी तरक्की होनी चाहिए, उतनी नहीं हो पायी. हिंदी को ज्यादा नुकसान हिंदीभाषियों से होता है. मुख्य अतिथि व *प्रभात खबर* के प्रधान संपादक हरिवंश ने कहा कि अखबार समाज में कोई आंदोलन नहीं करते. सांस्कृतिक हमलों को अखबार नहीं विचार रोक सकते हैं. विचार और तकनीक से समाज में व्यापक परिवर्तन होते हैं. इतिहास इस बात का गवाह है. कार्यक्रम का उद्घाटन *वागर्थ* के संपादक रवींद्र कालिया ने किया. उन्होंने कहा कि हिंदी का पत्रकार जल्दी ही रेंगने लगता है. क्या कारण है कि आपातकाल में लोगों का भाषाई पत्रकारिता से विश्वास उठ गया था. अंग्रेजी भाषा की जकड़न से जो हिंदी समाचार पत्र मुक्त होगा, उसी का भविष्य है. कार्यक्रम के संयोजक व वरिष्ठ पत्रकार विश्वंभर नेवर ने कहा कि पत्रकारिता की जननी कोलकाता है. यह प्रतिकार व आंदोलन की भूमि है. महज सूचना देना, पीत पत्रकारिता करना, सनसनी फैलाना पत्रकारिता का मिशन नहीं होना चाहिए. पत्रकारिता का मिशन देश का विकास होना चाहिए. टीवी व अंग्रेजी अखबारों की देन है- घरों में अश्लीलता व बेहूदेपन का आना. हमारी संस्कृति व संस्कारों पर आक्रमण हो रहा है, ऐसे में हिंदी समाचारपत्रों का दायित्व बनता है कि इसके खिलाफ आवाज उठायें. युवा समाजसेवी संदीप भूतोड़िया ने अतिथियों का स्वागत किया. दूसरे सत्र में, पत्रकार शैलेंद्र, पत्रकार कृपाशंकर चौबे, पत्रकार दिनेशचंद्र वंडेरा (ठक्कर) व *प्रभात खबर* के स्थानीय संपादक ओमप्रकाश अश्क ने अपनी बातें रखीं. इस सत्र की अध्यक्षता साहित्यकार श्रीनिवास शर्मा ने की. उन्होंने कहा कि लोगों को चाहिए कि जहां वे रोटी कमाते हैं, वहां की समस्याओं से जुड़ें. समाज से कट कर सिर्फ मनीऑर्डर भेजने तक अपने को सीमित न रखें. यह मानसिकता बदलने की जरूरत है.

कोलकाता, मंगलवार, 1 अगस्त 2006

प्रभात खबर
अखबार नहीं आंदोलन

लोकतंत्र को बचाए रखने में पत्रकारिता की भूमिका महत्त्वपूर्ण : वोरा

रामाशीष

कोलकाता, ३१ जुलाई। 'वर्तमान समय में लोकतंत्र को सुरक्षित रखने के लिए समाचार पत्र को जिंदा रखना होगा। आजादी की लड़ाई में पत्रकारों ने महती भूमिका निभाई थी। देखा जाए तो आज तक जितने भी परिवर्तन हुए हैं वे लेखकों व पत्रकारों के द्वारा हुए। समाचार पत्र उन्हीं मुद्दों को उठाते हैं जो जनता से जुड़ी होती हैं। आंदोलन भले ही जनता करे लेकिन उसकी प्रेरणा के स्रोत समाचार पत्र ही होते हैं।' ये बातें 'अमृत संदेश' (रायपुर) के संपादक व वरिष्ठ पत्रकार गोविंद लाल वोरा ने सोमवार को 'हिंदी पत्रकारिता कल और आज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में कही। भारतीय भाषा परिषद सभागार में महानगर के स्थानीय हिंदी दैनिक 'छपते-छपते' की ओर से हिंदी पत्रकारिता के १८० साल पूरे होने के मौके पर इसका आयोजन किया गया था। संगोष्ठी का उद्घाटन 'वागर्थ' के संपादक रवींद्र कालिया ने किया।

'प्रभात खबर' के प्रधान संपादक हरिवंश ने सामाजिक जागरूकता को पत्रकारिता का महत्त्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में बेहतर लोग आजादी की लड़ाई की वजह से आए। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में महात्मा गांधी जैसे लोगों ने पत्रकारिता को संस्थान के रूप में इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि अखबार कोई आंदोलन नहीं करते बल्कि यथास्थिति को कायम रखते हैं।

कथाकार रवींद्र कालिया ने कहा कि आजादी से पहले पत्रकारिता एक मिशन थी। उसके बाद चीजें तेजी से बदलीं। मिशन शोषण का माध्यम बन गया। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को जब तक नई तकनीक से नहीं जोड़ेंगे तब तक अखबार नहीं चला सकता।

'सन्मार्ग' के संपादक राम अवतार गुप्ता ने इस मौके पर चिंता जताते हुए कहा कि पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों में जितनी प्रगति अंग्रेजी व भाषायी अखबारों ने की उतनी हिंदी के अखबारों ने नहीं की। उन्होंने कहा कि हिंदी पाठकों की मानसिकता बदलनी होगी।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए आलोचक श्रीनिवास शर्मा ने कहा कि यथास्थिति को तोड़ने के लिए ही पत्रकारिता का जन्म होता है। आजादी के पहले भी वह यथास्थिति ही थी जिसको तब के पत्रकारों ने तोड़ा था। नवजागरण व भारतीय जनता की संघर्षशीलता चेतना के विकास में हिंदी पत्रकारिता की बहुत बड़ी भूमिका थी।

'जनसत्ता' के प्रभारी शैलेंद्र ने अपने संबोधन में अखबारों में गुणवत्ता के महत्त्व को रेखांकित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में उपहार व इनामी योजनाओं पर ध्यान देने के बदले समाचार पत्रों को अपनी गुणवत्ता बढ़ाने पर जोर देना चाहिए।

'उत्सव-पूर्वरी' के संपादक दिनेश वडेरा (ठक्कर) ने कहा कि जागृति, जानकारी व जिम्मेदारी नामक तीन 'ज' के इर्द-गिर्द पत्रकारिता घूमती है। उन्होंने कहा कि आज के संदर्भ में परिष्कृत व पुरस्कृत पत्रकारों के अंतर को समझना होगा।

'प्रभात खबर' के स्थानीय संपादक ओम प्रकाश अश्क ने कहा कि आज पत्रकार दिशा-भ्रमित हो गए हैं। विचारों की संकट का रोना रोना फिजूल है। उनके मुताबिक अगर विचारों से परिवर्तन होते तो अखबारों की वजह से ये चीजें रोज नहीं बदलतीं।

'हिंदुस्तान' से जुड़े पत्रकार कृपाशंकर चौबे ने कहा कि आज समूची पत्रकारिता 'गिफ्ट पत्रकारिता' की शिकार हो गई है। उन्होंने कहा कि अखबारों में बाजार ने विचार का स्थान ले लिया है।

संगोष्ठी की शुरुआत में 'छपते-छपते' के संपादक विश्वंभर नेवर ने स्वागत भाषण में अपने अखबार की ३४ साल की यात्रा को रेखांकित किया। इस मौके पर संदीप भूतोड़िया ने भी विचार रखे। साथ ही सभागार में उपस्थित श्रोताओं ने भी वक्ताओं के विचार पर अपनी प्रतिक्रिया जताई। विपिन नेवर ने धन्यवाद दिया।

भारतीय भाषा परिषद सभागार में सोमवार को 'हिंदी पत्रकारिता कल और आज' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए वागर्थ के संपादक रवींद्र कालिया। बाएं से हैं विश्वंभर नेवर, गोविंद लाल वोरा, रामअवतार गुप्त व संदीप भूतोड़िया। फोटो : जनसत्ता

जनसत्ता, कोलकाता, १ अगस्त २००६

TAGORE TRIBUTES AROUND THE WORLD, HIS MEDAL STOLEN AND HOME IN A SHAMBLES HERE

Bengal's bard

Days after his death anniversary, SUNDEEP BHUTORIA *remembers the tributes paid to Rabindranath Tagore in other countries.*

When I received an invitation to chair a Young Scholar Seminar organised at the University of Economics in Prague, Czechoslovakia, last year, I was aware that my first visit to the historic land would be exciting. But despite that, I returned with sorrow in my heart.

While talking to the Indian chancellor Ramesh Chander, I asked if there was any place of special significance for Indians. I was taken aback by the reply that Rabindranath Tagore was a respected figure there, and that his bust had been put up in the city **(picture right)**. The next day, I went to visit the spot on Thakur Riwa (the word means street in the local language). The bust was placed atop a pillar. I stood speechless, my heart swelling with pride.

Another pleasant surprise awaited me at the Indian mission in Hungary, one of the stops on my eastern European tour, where I visited the ambassador Manbir Singh. On a wall was a wooden frame, which, on closer inspection, I realised was a menu card for a dinner party hosted years ago. I was amazed at the history of the memento. After Tagore received his Nobel Prize in 1928, he visited Budapest. The mayor had hosted a grand dinner party in his honour. The menu contained details of the meal, starting with cold soup to the hot coffee after dessert. It even mentioned the fact that the feast was organised to honour Rabindranath Tagore.

I also learnt of a cardiac hospital in Balantonfured, a village about 100 km away from Budapest, where Tagore had been treated during his visit in 1928. Singh told me that a statue of Bengal's bard had been placed in the hospital in his memory. When I went to the village, I notice that the park was named after him, too, as was the room where he stayed, called Tagore Suite, which is reserved for VIPs. When I spoke to the director of the hospital Dr Gabor Veress over phone the next day, he asked me what the nearest airport to Santiniketan was, and which museum held the Nobel Prize medal.

I was caught off guard. What could I tell him, that the prize that had made him famous, had been stolen? The bitter truth is that my knowledge of Gurudev has been gleaned from my various foreign visits. Even the birthplace of poet Pablo Neruda, in Santiago, Chile, has a park named after Tagore. In China, a conversation over tea between a famous Chinese poet and Tagore has been recreated in sculptures in Shanghai. But here, in the land of his brith, we couldn't even protect his Nobel medal.

卐 ।। श्री हरिः ।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता, वर्ष 61, अंक 172, पूर्णांक 20977, आश्विन शुक्लपक्ष चतुर्थी 4, वि. सं. 2063, मंगलवार 26 सितम्बर, 2006,

आज के कार्यक्रम

* भारतीय डाक विभाग : हिन्दी पखवाड़ा के समापन समारोह का आयोजन, रिक्रिएशन क्लब, कोलकाता जी पी ओ में अपराह्न 3.30 बजे से।

* श्री नवाह्नपरायण महायज्ञ : श्री राम कथा का आयोजन, श्री बैकुण्ठनाथ मंदिर में, 12 ए, काली कृष्णा टैगोर स्ट्रीट, कोलकाता में अपराह्न 1 से शाम 5 बजे तक।

* श्री नारायणी फाउंडेशन : नवरात्र महोत्सव के अवसर पर भजन का आयोजन, श्री राणीसती जी मंदिर, 2 डी, नन्दो मल्लिक लेन, कोलकाता में शाम 5 से रात 9.30 बजे तक।

* विक्रम धर्म संघ : साप्ताहिक सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन, 28/2, टैगोर कैसल स्ट्रीट, बिलोटिया भवन, 1 तल्ला, कोलकाता में सुबह 7.30 बजे से।

* जयबोलो श्री राणीसतीजी भक्तवृन्द : श्री राणीसती दादीजी का अलौकिक शृंगार व अखण्ड ज्योतिर्मय भजन-कीर्तन का आयोजन, एफ डी-59, बांगुईआटी, कोलकाता, विद्यासागर पल्ली के पास शाम 6 से 9 बजे तक।

* श्री राणीसतीजी सत्संग भजन मण्डली : कीर्तन व अलौकिक शृंगार का आयोजन, श्री राणीसती मंदिर, 2 डी, नन्दो मल्लिक लेन, कोलकाता में शाम 5 से 1.30 बजे तक।

* श्री सती मण्डल : श्री दादीजी का

96A

: नवरात्र के उपलक्ष्य में दादाजी के भजन-कीर्तन का आयोजन, 75, तुलापट्टी, कोलकाता में शाम 6 बजे से।

* पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री गोपाल कृष्ण गांधी द्वारा मोहम्मद अली पार्क की सुप्रसिद्ध दुर्गा पूजा का उद्घाटन शाम 6 बजे।

* शिमला व्यायाम समिति द्वारा दुर्गोत्सव का उद्घाटन शाम 7 बजे।

* अखिल भारतीय गौड़ ब्राह्मण सभा : नि:शुल्क नेत्र परीक्षण व चश्मा वितरण का आयोजन, 71, पाथुरियाघाट स्ट्रीट, कोलकाता में शाम 7 बजे से।

* श्री खेमी जनकल्याण सेवा समिति : नवरात्र उत्सव का आयोजन, टीबड़ीवाला धर्मशाला, सी आर एवेन्यू, कोलकाता में 6.30 बजे से।

* श्री शक्तिधाम भजन मण्डली : भजन-कीर्तन का आयोजन, 29/ए/1ए, रामकृष्ण समाधि रोड, कोलकाता में शाम 6 से 9 बजे तक।

* मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी : पश्चिम बंगाल के राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी द्वारा उद्घाटन समारोह का आयोजन शाम 7 बजे से।

96B

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

कोलकाता, 26 सितंबर 2006

पूजा का उद्घाटन आज

कोलकाता : कल शाम सात बजे चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी करेंगे. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उद्योगपति राजेंद्र लोढा व हरिमोहन बांगड़ उपस्थित रहेंगे.

समिति के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने बताया कि लोहापट्टी पूजा समिति अपने सेवा कार्यों के लिए विख्यात है. 27 सितंबर को समिति द्वारा एक समारोह का आयोजन किया गया है, जिसमें छात्रों को छात्रवृत्ति, जरूरतमंदों को चिकित्सा के लिए नकद धनराशि व कई विद्यालयों का कंप्यूटर दिये जायेंगें. इस समारोह का उद्घाटन समाज सेविका मीरा भट्टाचार्य करेंगी. मौके पर मेयर विकास रंजन भट्टाचार्य, पुलिस कमिश्नर प्रसून मुखर्जी, सांसद मो सलीम व अमल चक्रवर्ती भी मौजूद रहेंगे. इस वर्ष समिति की ओर से रथ का निर्माण किया गया है. भारी बारिश के बावजूद समिति के सदस्य अशोक जायसवाल, अध्यक्ष लक्ष्मीचंद जायसवाल एवं सचिव रवींद्र जायसवाल के नेतृत्व में कार्य पूरा कर लिया गया है.

- चलता बागान लोहापट्टी दुर्गापूजा का उद्घाटन राज्यपाल करेंगे
- 27 को समिति की ओर से छात्रवृत्ति व विद्यालयों को कंप्यूटर दिये जायेंगे

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, मंगलवार, 26 सितंबर, 2006

राज्यपाल आज करेंगे लोहा पट्टी दुर्गा पूजा का शुभारंभ

कोलकाता : राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी चलताबागान लोहापट्टी दुर्गा पूजा का शुभारंभ करेंगे। मंगलवार को शाम सात बजे आयोजित इस समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योगपति राजेन्द्र लोढ़ा एवं हरिमोहन बांगड़ उपस्थित रहेंगे। पूजा समिति के चेयरमैन संदीप भूतोड़िया ने इस आशय की जानकारी देते हुये बताया कि चलताबागान लोहापट्टी पूजा अपने समाज कार्यों के लिये विख्यात है। उन्होंने बताया कि शाम साढ़े सात बजे आयोजित कार्यक्रम में छात्रों को छात्रवृत्ति, जरूरतमंदों को इलाज के लिये नगद राशि व कुछ विद्यालयों को कम्प्यूटर दिया जायेगा। समाज सेविका मीरा भट्टाचार्य वितरण समारोह का उद्घाटन करेंगी। पूजा कमेटी की ओर से श्रीमती भट्टाचार्य को मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये चेक दिया जायेगा।

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता > मंगलवार > 26 सितम्बर, 2006

चलता बगान लोहापट्टी दुर्गापूजा महोत्सव 26 से

कोलकाता, 25 सितम्बर (वि)। चलता बगान लोहापट्टी दुर्गापूजा का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी करेंगे। 26 सितम्बर को सांय 7 बजे आयोजित उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेंद्र लोढ़ा व हरिमोहन बांगड़ भी उपस्थित रहेंगे।

पूजा समिति के चेयरमैन सन्दीप भूतोड़िया हैं। पूजा स्थल पर 27 सितम्बर को सांय 6.30 बजे एक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में छात्रों को छात्रवृति, जरुरतमदों को चिकित्सा सहायता हेतु नकद राशि, कुछ विद्यालयों को कम्प्यूटर वितरण आदि किया जाएगा।

वितरण समारोह का उद्घाटन मीरा भट्टाचार्य करेंगी। इस अवसर पर पूजा समिति द्वारा उनके हाथों में मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए एक चैक प्रदान किया जाएगा। इस समारोह में श्रीमती मीरा भट्टाचार्य के अलावा कोलकाता के महापौर विकास रंजन भट्टाचार्य, पुलिस आयुक्त प्रसुन मुखर्जी, सांसद मो. सलीम, कोलकाता के शेरिफ अमल चक्रवर्ती उपस्थित रहेंगे।

इस वर्ष पूजा में रथ का निर्माण किया गया है जिसमें पुराने युग के सरोता, कुर्ची, बेलन, चिमटा, चम्मच, कील आदि से साज-सज्जा की गई है। समिति के सदस्य अशोक जायसवाल, अध्यक्ष लक्खीचन्द जायसवाल एवं सचिव रविन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में कार्य पूरा कर लिया गया है।

दैनिक विश्वमित्र

सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समा

कोलकाता, २६ सितम्बर २००६

'विशिष्ट व्यक्तियों का जमावड़ा'

मानिकतल्ला चलताबगान लोहापट्टी दुर्गापूजा महोत्सव

कोलकाता, २५ सितम्बर (नि.प्र.)। सुविख्यात चलताबगान लोहापट्टी दुर्गापूजा का विधिवत उद्घाटन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल माननीय श्री गोपाल कृष्ण गांधी करेंगे। मंगलवार २६ तारीख को सायं ७ बजे आयोजित उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उद्योगपति द्वय राजेन्द्र लोढ़ा व हरिमोहन बांगड़ उपस्थित रहेंगे। पूजा समिति के चेयरमैन सुपरचित सन्दीप भूतोड़िया ने बताया कि चलताबगान लोहापट्टी पूजा अपने समाज सेवा के कार्यों के लिये विख्यात हैं। बुधवार २७ तारीख को सायं ६.३० बजे एक वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम में छात्रोंको छात्रवृत्ति, जरूरतमंदों को चिकित्सा सहायता हेतु नकद राशि, कुछ विद्यालयों को कम्प्यूटर वितरण आदि किया जायेगा। वितरण समारोह का उद्घाटन करेंगी समाज सेविका मीरा भट्टाचार्य। उक्त अवसर पर पूजा समिति द्वारा उनके हाथों में मुख्यमंत्री सहायता कोष हेतु चेक प्रदान किया जायेगा। भूतोड़िया ने बतलाया कि २७ तारीख को समाज सेवा के इस समारोह में श्रीमती मीरा भट्टाचार्य के अलावा कोलकाता के महापौर विकास रंजन भट्टाचार्य, पुलिस कमिश्नर प्रसून मुखर्जी, सांसद मो. सलीम, कोलकाता के शेरिफ अमल चक्रवर्ती भी उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष पूजा में रथ का निर्माण किया गया है जिसमें पुराने युग के सरोता, कुर्छी, वेलन, चिमटा, चम्मच, कील आदि से साज-सज्जा की गयी है। समिति के सदस्य श्री अशोक जायसवाल, अध्यक्ष श्री लक्खीचन्द जायसवाल एवं सचिव रविन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में भारी बारिश के बावजूद समय पर कार्य पूरा कर लिया गया है। दर्शनार्थियों को ऐसा प्रतीत होगा मानो दूधिया रोशनी में भव्य रथ जमीन पर उतर आया हो।

राज्यपाल गोपालकृष्ण गांधी

हरिमोहन बांगड़

आर एस लोढ़ा

Hindustan Tim kis

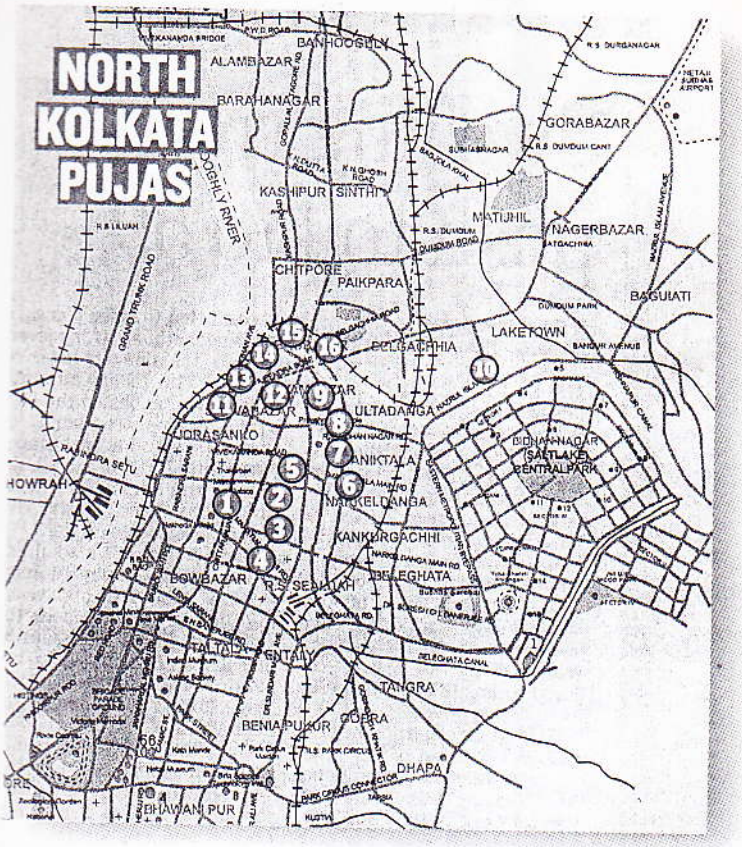

1 Md Ali Park
2 College Square
3 Santosh Mitra Square/Lebutala Park
4 Sealdah Athletic Club
5 Chaltabagan
6 Vivekananda Sporting
7 Simla Byayam Samiti
8 Karbagan Sarbojonin Durgotsab
9 Telengabagan Sarbojonin Durgotsab
10 Sreebhumi Sporting
11 Sovabazar Rajbari
12 Hatibagan Sarbojonin
13 Kumartuli Sarbojonin Durgotsab
14 Ahiritola Sarbojonin
15 Beniatola Sarbojonin
16 Bagbazar Sarbojonin

BAGBAZAR

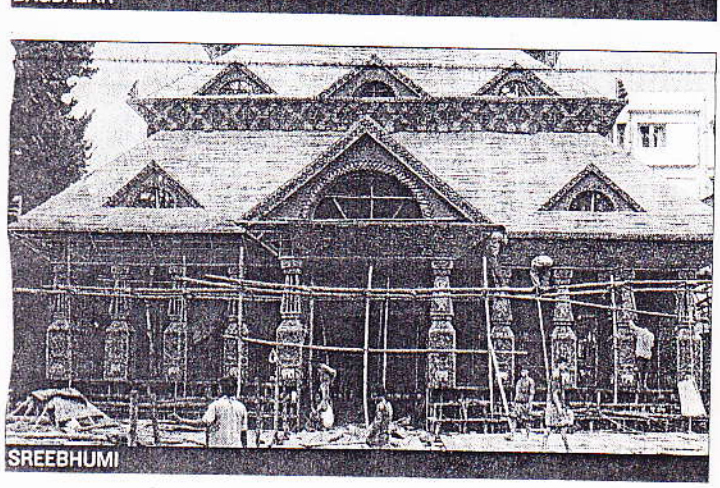
SREEBHUMI

If you plan to go pandal-hopping in the north, the perfect blend of the tradit

Northern lights dra trippers

START OFF with the Mohammed Ali Park Durgotsab Samiti, which portrays current issues based on a definite theme. The pandal this year is made of bamboo and cane. The goddess is portrayed as *Bharat Mata*, surrounded by devotees praying to curb terrorism. There is, however, no *asur* or terrorist.

Your next stop could be the College Square Sarbojonin Durgotsab Committee. Situated on one side of a water tank, the pandal is made to look like a typical North Indian temple. And though the idol is traditional, the pandal has been decorated with a variety of chandeliers. The lighting also promises to be a feast for the eyes, with Chandernagore electricians working their magic.

Move on to Santosh Mitra Square (Lebutala Park), which also has terrorism as its theme. The setting has been based on a scene from *Mahabharata*, where the Pandavas were saved from *jatugriha* or the fire conspiracy of the Kauravas. The organisers rue the fact that similar conspiracies — such as the Mumbai train blasts, the terror attack on Parliament, or the attack on Akshardham Temple — can hardly be similarly stopped.

Your next stop should be the Sealdah Railway Athletic Club, especially if you haven't had the chance to visit South India yet. The pandal, made of plywood, fibreglass, plaster of paris and thermocol, has been constructed to look like the temple at Mahabalipuram. The idol is traditional *ekchala*, but the jewellery promises to be of unusual designs.

Next, take a turn to move on to the puja at Chaltabagan. Here, the pandal is shaped like a chariot. The organisers are depicting the evolution of society from pre-historic times, and there would be a lot of greenery surrounding the pandal. There's a special blue lighting to give a starry look.

Your next stop, Vivekananda Sporting Club, would take you back to the historical Kalinga. In keeping with this theme, the pandal has been designed to look like a temple of that time. The entrance and the inner walls of the pandal are made from mud with sand sprinkled on it. The idol is traditional.

It's time to drop by at Simla Byayam Samiti, the o first *baroari* puja of t the most innovative p the idols' ornaments, signed by Krishnag The inner walls of would be decorated shoots and leaves.

Move on to Karbaga Durgotsab, where the are truly different. H Think of all the medic you throw away. The the exterior of the wa decorated with min made from these wr main idol would hav *patachitras* forming th

The next stop, Telen bojonin Durgotsab, wo temples — four small *Chandi mandap* — wh would be housed. The hexagonal. Do not forg the ceiling, where *Bai bali*, *Chandimangal* a *mangal* have been de would also get to see folk art form of Banku

Move on to Sreebhu Club, where the panda after a pagoda, is mad boo. The inner walls als boo decorations. So are the ornaments.

After all the baroari p the turn of a *barir pujo* miss the Sovabazar Ra you want a taste of the The *thakur dalan* of th is particularly interesti

Turn to Hatibagan f bagan Sarbojonin Durg the pandal has folk tal in relief, made of mud

Next comes the Kum bojonin, where you wo enter Alibaba's cave. story, the door would o you say *chiching phank*

Drop in at Ahirit Mandir Durga Puja. He ing has been made in su to make it seem like a b

Next stop is at Sovab tola Sarbojonin Durgot the idol is traditional look like village folk.

You can wind up Kolkata tour with Bagb jonin Durgotsab, whic traditional idols. Th made of plywood and however, is shaped like church. The idol's je made of silver.

101(B)

t of the must-see pujas and the route you should take to enjoy
odern. Taking you on the tour is **TANYA BAGCHI**

PHOTOS: ASHOK NATH DEY/HT

COLLEGE SQUARE

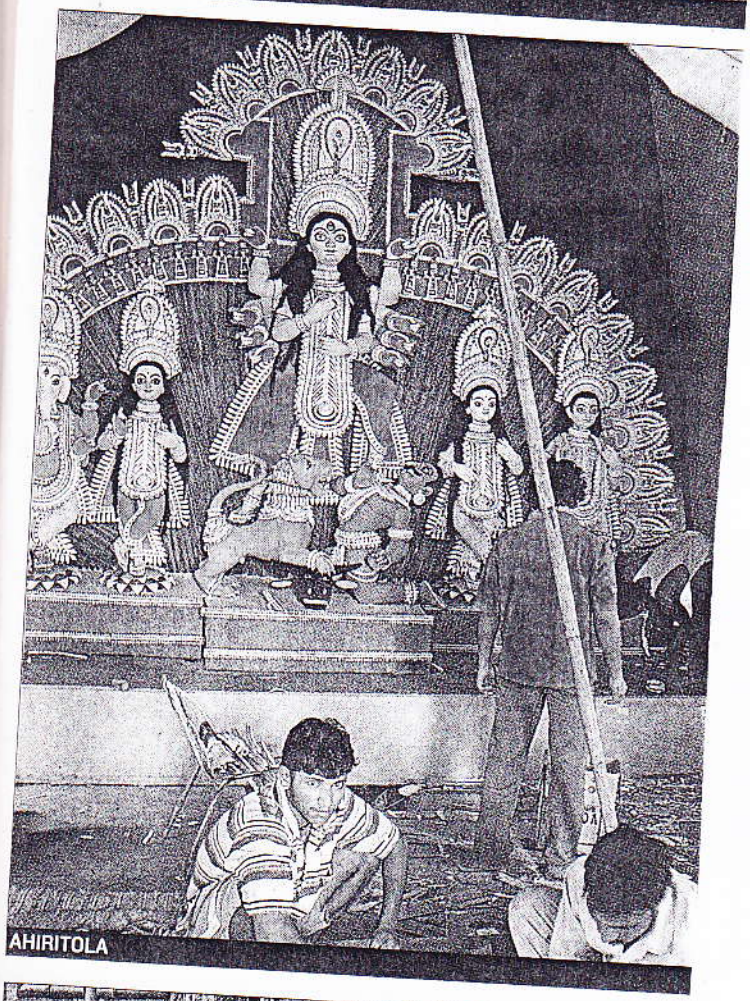

AHIRITOLA

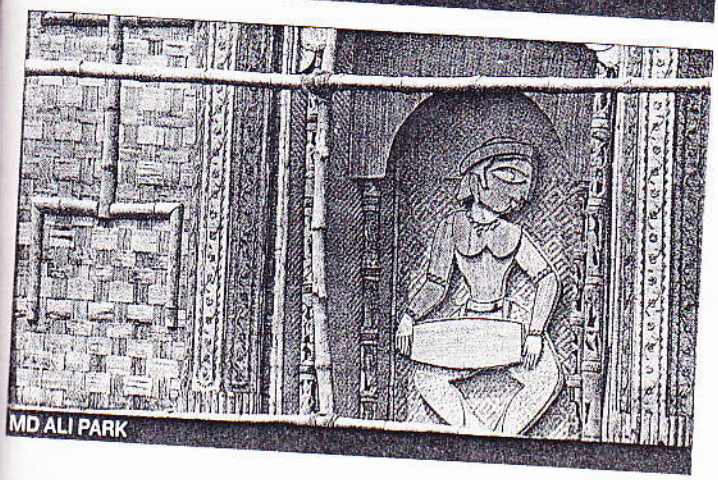

MD ALI PARK

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता > बुधवार > 27 सितम्बर, 2006

नमस्कार

कोलकाता

- श्री राणीसतीजी भक्तवृंद द्वारा श्री राणीसती दादीजी का आलौकिक, श्रृंगारत एवं अखण्ड ज्योर्तिमय भजन कीर्तन शाम 6 बजे से, मानिकतल्ला मेन रोड, संजीवनी अपार्टमेंट, फ्लैट नं. 3ए, काकुड़गाछी,कोलकाता-54 में।
- श्री राणीसतीजी सत्संग मंडली (बड़तल्ला) श्री राणीसती दादीजी का आलौकिक श्रृंगार एवं अखण्ड ज्योर्तिमय भजन कीर्तन शाम 5 बजे, राणीसती मंजिर, 2 नंदो मल्लिक लेन, कोलकाता में।
- मातृ मंगल प्रतिष्ठान 'दर्द निवारण क्लिनिक' में नाड़ी चिकित्सक बैद्धराज जगमाल सिंह (रोहतक वाले) प्रातः 9 बजे से 1 बजे तक हास्पिटल में उपलब्ध रहेंगे।
- श्री नारायणी फाउण्डेशन के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध भजन मण्डियों द्वारा नवरात्र महोत्सव के अवसर पर श्री दादीजी का अलौकिक श्रृंगार एवं ज्योर्तिमय भजन कीर्तन स्थानीय श्री राणी सती जी मंदिर 2/डी, नन्दो मल्लिक लेन, कोलकाता-06 के सभागार में सायं 5 बजे से।
- चितपुर लॉकगेट से वैसाखी तक लांच सेवा के प्रथम सोपान का लोकार्पण मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के हाथों से शाम 4.45 पर चितपुर लॉकगेट पर।
- स्वामी श्री विश्वेशप्रन्ना चार्य जी महाराज द्वारा श्री राम कथा श्री बैकुण्ठ नाथ मंदिर, 12 ए, काली कृष्ण टैगोर स्ट्रीट में दोपहर 1 बजे से ।
- राममोहन स्मृति संघ के आयोजन में अम्सहर्ट रो सर्वोजनिन दुर्गोत्सव उत्सव 2006 का उद्घाटन स्वामी श्री जीतात्मानंद, 24ए, अम्सहर्ट रो, कोलकाता-09 में शाम 5.30 बजे।
- यंग ब्वायज क्लब की सार्वजनिक दुर्गोत्सव का उद्घाटन ले. जनरल अरविन्द शर्मा व ब्रह्मनीश दंडीस्वामी के हाथों, ताराचंद दत्त स्ट्रीट कोलाकाता-73 में शाम 6 बजे।
- मानिकतल्ला चलता बागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी के शरदोत्सव का उद्घाटन समाजसेविका मौरा भट्टाचार्य के हाथो शाम 6.30 बजे।
- कमल पार्क सर्वोजनिक दुर्गापूजा कमेटी की दुर्गापूजा का उद्घाटन न्यायमूर्ति श्यामल सेन के हाथों सुबह 10 बजे।

दैनिक
विश्वमित्र
सिर्फ पन्ने नहीं ढेर स

कोलकाता, २७ सितंबर, २००६

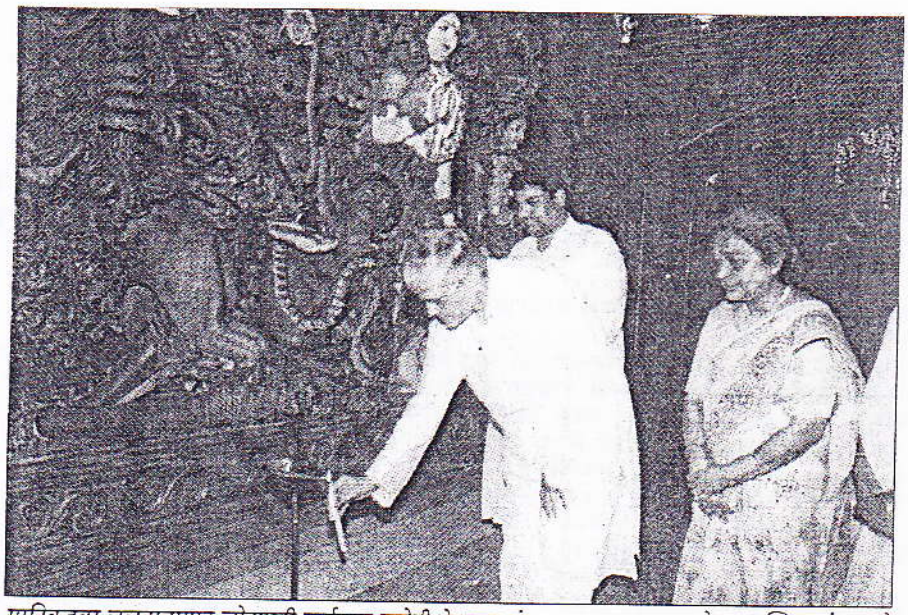

मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी के पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए पश्चिम बंगाल के राज्यपाल श्री गोपाल कृष्ण गांधी। साथ में हैं पूजा कमेटी के चेयरमैन व राजस्थान फाउंडेशन के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया एवं मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की पत्नी श्रीमती मीरा भट्टाचार्य। -विश्वमित्र

अनोखा है मानिकतल्ला चालताबागान का पूजा पंडाल

कोलकाता, २६ सितम्बर (नि.प्र.)। मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी का इस वर्ष का पूजा पंडाल अपने आप में अनोखा है। कमेटी ने इस वर्ष लोहा, ताम्बा, पितल, लकड़ी समेत आठ धातुओं का इस्तेमाल कर पंडाल व प्रतिमा बनवाया है। रसोईघर में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों जैसे बेलन, चिमटा, सरौता आदि से लेकर पूजा घर तक के सभी उपकरणों का प्रयोग पंडाल में किया गया है। पूजा कमेटी के चेयरमैन संदीप भूतोड़िया ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष पंडाल व प्रतिमा के निर्माण में लगभग ७-८ लाख रु. की लागत आई है। आज राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी ने पूजा पंडाल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की पत्नी श्रीमती मीरा भट्टाचार्य, श्रीसीमेंट लि. के प्रबंध निदेशक व राजस्थान फाउण्डेशन के अध्यक्ष हरिमोहन बांगड़, विधायक साधन पांडे, पार्षद प्रद्युत साहा, डॉ. मनीष प्रधान, पूजा कमेटी के अध्यक्ष लखीचंद जायसवाल, सचिव मुरली मनोहर जायसवाल,पूजा कमेटी के संयुक्त सचिव राजेश शाव, प्रदीप कुमार जायसवाल, राजेश कुमार जायसवाल, राजेश बियानी व श्रीकृष्ण सादानी भी उपस्थित थे। श्री गोपाल कृष्ण गांधी ने पूजा पंडाल की प्रशंसा की व इस ऐतिहासिक पूजा पंडाल के निर्माण के लिए पूजा कमेटी तथा पंडाल व प्रतिमा निर्माताओं को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर पूजा कमेटी की ओर से एक अस्पताल के लिए डा. मनीष प्रधान को सहायता राशि दी गई, जिसका चेक राज्यपाल ने डा. प्रधान को प्रदान किया।

विकास रंजन भट्टाचार्य एवं प्रसून मुखर्जी

उल्लेखनीय है कि बुधवार शाम मानिकतल्ला लोहापट्टी दुर्गापूजा समिति द्वारा एक वितरण समारोह का आयोजन किया गया है, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की धर्मपत्नी समाजसेविका मीरा भट्टाचार्य करेंगी। मुख्य अतिथि स्थानीय सांसद मो. सलीम होंगे। समिति के चेयरमैन श्री सन्दीप भूतोड़िया ने बताया कि इनके अतिरिक्त कोलकाता के मेयर विकास रंजन भट्टाचार्य, पुलिस कमिश्नर प्रसून मुखर्जी व शेरिफ डा. अमल चक्रवर्ती भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेंगे।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अख़ब

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, बुधवार,
27 सितंबर, 2006
कोलकाता संस्करण

पूजा मंडपों के शुभारंभ का दौर शुरू

जागरण संवाद, कोलकाता

महानगर तथा इसके आसपास इलाकों में चतुर्थी से दुर्गापूजा मंडपों के शुभारंभ का दौर शुरू हो गया है। अधिकांश पूजा मंडपों की तैयारियां पूरी हों गयी हैं। मंडपों को ंतिम रूप दिया जा रहा है। उत्तर से लेकर क्षिण तक ज्यादातर मंडपों में मां दुर्गा की तेमाएं स्थापित हो गयी हैं। इस कड़ी में ज राजा राममोहन राय सरणी के लोहापट्टी चलता बागान पूजा समिति के पूजा मंडप उद्घाटन हुआ। समिति ने थीम के रूप रथ का चयन किया है। रथ को लोहा, कड़ी, कील व थर्मोकाल की सहायता से ार किया है। सड़कों पर प्रकाश सज्जा का म भी करीब-करीब अंतिम चरण में है किन रोशनी से महानगर के जगमगाने में -तीन अभी बाकी हैं। इधर कुम्हारटोली से ्गा प्रतिमाओं को मंडपों तक पहुंचाने का ार्य भी पूरी रफ्तार से चल रहा है। लारी, टाडोर से दुर्गा प्रतिमाएं मंडपों तक पहुंचायी जा रही हैं इससे कहीं-कहीं पर सड़कों पर जाम की समस्या खड़ी हो जा रही है। इसके लिए सड़कों पर गड्ढे खोद कर बांस गाड़े जा रहे हैं। बड़े पूजा मंडपों के सामने सड़कों पर बांस का बैरिकेड लगाया जा रहा है। श्यामबाजार नवीन संघ ने इस बार राजस्थानी लोक नृत्य व संस्कृति को पंडाल व प्रतिमा दोनों के माध्यम से दिखाने का प्रयास किया है। पंडाल को राजस्थान की लोकसंस्कृति का फाइनल टच देने के लिए पेशेवर कलाकारों से मदद ली गयी है। इसके संयोजक ने बताया कि गरीब तबके के लोग राजस्थान नहीं जा सकते हैं लेकिन पूजा के बहाने बंगाल में ही समग्र राजस्थान का दर्शन कर सकते हैं। राजस्थानी लोककला में मां दुर्गा की प्रतिमा विशेष आकर्षणीय है। पर्यटन की दृष्टिकोण से राजस्थान सर्वोत्तम राज्य है। इसी को ध्यान में रखकर राजस्थान की लोकसंस्कृति को थीम के रूप में चयन किया गया है।

- प्रतिमाओं को दिया जा रहा अंतिम रूप

वहीं दूसरी ओर बड़ाबाजार के सुकिया स्ट्रीट स्थित राममोहन सम्मिलनी पूजा समिति ने दिवंगत माकपा नेता अनिल विश्वास के जीवन वृत्त को थीम के रूप में चयन किया है। इसके संयोजक ने बताया कि दिवंगत माकपा नेता अमन के प्रतीक थे। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में वामो सरकार को नई गति दी थी। पूजा के थीम के रूप में जीवन वृत्त का चयन कर बचपन से यौवनकाल तक व राजनीतिक उत्थान का चित्रण किया गया है। अलीमुद्दीन स्ट्रीट व गणशक्ति की सहायता के बगैर यह संभव नहीं होता। स्व. विश्वास की शादी, शिक्षा पुत्री का विवाह इत्यादि समग्र रूप में पंडाल के फोटो के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इतना ही नहीं मां दुर्गा को भी सफेद वस्त्रों में प्रस्तुत किया गया है। इसे देखने के बाद सम में शोक प्रतीत होता है। राजा राममोह सरणी के लोहापट्टी में चलता बागा समिति ने थीम के रूप में रथ का किया है। रथ को लोहा, लकड़ी, क थर्मोकाल की सहायता से तैयार कि संयोजक ने बताया कि मां दुर्गा आ निष्ठा समर्पण की देवी है इसलिए हमल उन्हें रथ पर बिठाया है।

पूजा मंडपों की तैयारियों के साथ में व्यस्तता चरम पर है। हाथीब धर्मतल्ला, गड़ियाहाट आदि जगहो खरीदारी अंतिम दौर में चल रही है। फु से लेकर शापिंग माल तक ग्राहकों की देखी जा रही है। अमूमन पूजा खरीदा आखिर में फुटपाथों के हाकरों की अ बिक्री होती है। इस बार भी यही हो र हालांकि बारिश से हाकरों की दो-तीन की बिक्री प्रभावित हुई है लेकिन मौसम होने के साथ ही उनके चेहरे पर मु लौट आयी है।

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

कोलकाता, 27 सितंबर 2006 (आश्विन शुक्लपक्ष 5, संवत 2063)

सार्वजनीन दुर्गोत्सव के पंडाल का उद्घाटन दासमुंशी ने और चलताबागान में पंडाल का उद्घाटन राज्यपाल ने किया.

दुर्गापूजा पंडालों का उद्घाटन

कोलकाता : केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्री प्रियरंजन दासमुंशी ने आज कहा कि धर्म व राजनीति एक-दूसरे के पूरक हैं. उन्होंने कहा कि मैं राजनीति के साथ धर्म में भी विश्वास करता है. श्री मुंशी आज नेताजी सुभाष रोड स्थित सार्वजनिन दुर्गोत्वसव समिति की ओर से आयोजित दुर्गापूजा के पंडाल का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि भारत धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है. देश में विभिन्न धर्मों को माननेवाले लोग रहते हैं, जबकि कुछ लोग धर्म में विश्वास नहीं करते. धर्म में विश्वास नहीं करना किसी व्यक्ति का निजी मामला होता है.

उन्होंने कहा कि सभी लोग किसी न किसी धर्म को मानते हैं व उस पर विश्वास करते हैं. प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अमिताभ चक्रवर्ती, पार्षद संतोष पाठक, पत्रकार विश्वंभर नेवर, लक्ष्मीकांत नेवर, लक्ष्मीकांत तिवारी, घनश्याम मिश्रा, राजेश सिन्हा समेत कई लोग उपिस्थत थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता जयगोपाल मिश्रा व संचालन दारा सिंह ने किया. समारोह को सफल बनाने में प्रताप सिंह, हृदय नारायण सिंह, रामसागर शर्मा, रामधनी के अलावा कई लोग उपस्थित थे. वहीं, राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी ने आज शाम सात बजे मानिकतल्ला स्थित चलता बागान लोहापट्टी दुर्गापूजा पंडाल का उद्घाटन किया. कमेटी द्वारा विगत 63 वर्षों से दुर्गापूजा का आयोजन किया जा रहा है. पंडाल में मानव सभ्यता के इतिहास को बरीकी से दर्शाया गया है. राज्यपाल ने अष्टधातु से बनी दुर्गा की मूर्ति व पंडाल की प्रशंसा की.

इस मौके पर एमपी बिरला ग्रुप के अध्यक्ष आरएस लोढा, श्री सिमेंट कंपनी के प्रबंध निदेशक हरिमोहन बांगड़, संदीप भूतोड़िया, मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की पत्नी मीरा भट्टाचार्य, विधायक साधन पांडेय, पार्षद प्रद्युत साहा, लखीचंद जायसवाल समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

卐।।श्री हरिः।। 卐

सन्मार्ग

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

कोलकाता, वर्ष 61, अंक 174, पूर्णांक 20979, आश्विन शुक्लपक्ष षष्ठी 6, वि. सं. 2063, गुरुवार 28 सितम्बर, 2006,

चलता बागान लोहापट्टी के पूजा मण्डप में आयोजित कार्यक्रम में पहुंची मीरा भट्टाचार्य, मो. सलीम, पुलिस कमिश्नर प्रसून मुखर्जी, आर.एस. लोढ़ा व संदीप भूतोड़िया

चलता बागान लोहा पट्टी पूजा कमेटी ने गरीबों में वस्त्र बांटे

कोलकाता, 27 सितम्बर (न. प्र.)। गरीबों व जरूरतमन्द लोगों की सेवा करना ही सच्ची मानवता है और इस कार्य को पूजा के माध्यम से चलता बागान लोहापट्टी कमेटी ने किया है। यह बात सांसद मोहम्मद सलीम ने कमेटी द्वारा आयोजित समारोह में कही। उन्होंने कहा कि गरीबों को नि:शुल्क वस्त्र व मेधावी बच्चों को पुस्तकें देकर कमेटी ने सराहनीय कार्य किया है। यह कमेटी और 100 साल कार्य करे, यही मेरी शुभकामना है। कार्यक्रम में मुख्य मंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की पत्नी तथा सामाजिक कार्यकर्ता मीरा भट्टाचार्य ने कहा कि गरीब व मेधावी बच्चों की मदद कर यह कमेटी उनको आगे बढ़ने के लिये उत्साहित कर रही है। समाज के उत्थान के लिये ऐसी संस्थाओं को आगे आना चाहिये। इस मौके पर दुर्गा पूजा कमेटी के चेयरमैन संदीप भूतेड़िया ने भट्टाचार्य को मुख्यमंत्री राहत कोष में 51,000 रुपये का चेक दिया। भूतेड़िया ने कहा कि यह कमेटी 64 साल से पूजा पंडाल का आयोजन करती आ रही है। पूजा के माध्यम से उपेक्षित व गरीब लोगों की सहायता करने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने पुलिस आयुक्त प्रसून मुखर्जी को लालगढ़ में मारे गये 2 पुलिसकर्मियों के परिवारों के लिये 10-10 हजार का चेक प्रदान किया। आज पर्व के मौके पर 200 गरीब महिलाओं को साड़ियां और 50 लोगों को धोतियां बांटी गयीं। उन्होंने बताया कि धन के अभाव में बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो, इस दृष्टि से 24 जरूरतमन्द बच्चों को साल भर की पुस्तकें नि:शुल्क दी गयी हैं। कुछ बच्चों को छात्रवृत्ति भी दी गयी है। उन्होंने बताया कि मीरां भट्टाचार्य की गैर सरकारी संस्था 'हृदय आकाश' के गरीब बच्चों में भी कमेटी की ओर से पुस्तकें दी गयीं। कार्यक्रम में थाई काउन्सलेट जनरल, संयुक्त पुलिस आयुक्त सुधीर मिश्रा सहित कई गण्यमान्य जन उपस्थित थे। पूजा कमेटी के चेयरमैन ने बताया कि ' मानव सभ्यता क्रम विकास' की थीम पर पंडाल तैयार किया गया है। इसमें रसोई से लेकर पूजा-घर में काम आने वाली सभी चीजों का उपयोग किया गया है। यह अपने आप में अनूठा पंडाल है।

लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
छपते छपते
कोलकाता एवं कटिहार से एक साथ प्रकाशित
कोलकाता • आश्विन शुक्ल पक्ष 6 संवत् 2063 गुरुवार 28 सितम्बर 2006

राज्यपाल ने किया दुर्गापूजा मंडल का उद्घाटन

कोलकाता, 27 सितंबर। मानिकतल्ला चलता वगान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी का इस वर्ष का पूजा पंडाल अपने आप में अनोखा है। लोहापट्टी के 64वें दुर्गोत्सव का राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी ने उद्घाटन किया। उन्होंने इस पंडाल के कलात्मक कार्य को सराहनीय बताया। उद्घाटन के इस अवसर पर मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की पत्नी श्रीमती मीरा भट्टाचार्य, आर. एस. लोढ़ा, विधायक साधन पांडे के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। चलता वगान लोहापट्टी दुर्गोत्सव को एक विशाल रथ के रूप में पेश किया गया है। रथ की सजावट प्राचीन काल में इस्तेमाल किये जाने वाले घरेलू वस्तुओं से की गयी है। इसमें बेलन, चिमटा, सरौता, त्रिशूल जैसे उपकरणों का प्रयोग किया गया है। संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने बताया कि इस पूजा के माध्यम से प्राचीन भारत में हुए विकास को दर्शाया गया है। लगभग 8 लाख की लागत से इस विशाल रथ रूपी पंडाल का निर्माण किया गया है। दो महीनों की कड़ी लगन व मेहनत से मेदिनीपुर से आये कारीगरों ने इस पंडाल को यह रूप दिया है।

Thursday, September 28, 2006

Hindustan Times

GUEST LINE-UP

HT PHOTO

Mohamme
Selim and
Mira
Bhattacha
at a puja a
Chaltabag

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

कोलकाता, 28 सितंबर 2006 (आश्विन शुक्लपक्ष 6, संवत 2063) • गुरुवार •

मानिकतल्ला चलता बागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी के सहायता समारोह में मुख्यमंत्री सहायता कोष के लिए सांसद मो सलीम को चेक प्रदान करते संदीप भूतोड़िया और मंच पर बैठीं समाजसेवी मीरा भट्टाचार्य तथा (दायें) कोलकाता के पुलिस आयुक्त से विचार विमर्श करते संदीप.

वि.

राजस्थान पत्रिका
कोलकाता > गुरुवार > 28 सितम्बर, 2006

सांसद मो. सलीम को चेक देते संदीप भूतोडिया। पत्रिका

संस्थाएं जनहितार्थ कार्य में आगे आएं–श्रीमती भट्टाचार्य

कोलकाता, 27 सितंबर (कासं)। गरीब, असहाय, जरूरतमदों में वस्त्र, पुस्तक, चिकित्सा आदि की व्यवस्था करना एक पुनीत और जनहितार्थ कार्य है। यह एक बड़ी समाज सेवा है। कोलकाता महानगर की सभी सामाजिक संस्थाओं को इस ओर कदम बढ़ाना चाहिए। यह बात समाज सेविका श्रीमती मीना भट्टाचार्य ने कही। श्रीमती भट्टाचार्य बुधवार को मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी के निःशुल्क कपड़े, किताब, और चिकित्सा सेवा वितरण कार्यक्रम में बोल रही थी। मंगलवार को इस कमेटी के पूजा मंडप का उद्घाटन किया गया। बुधवार यहां कमेटी की ओर से इस वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती मीरा भट्टाचार्य ने किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सांसद मो. सलिम, कोलकाता शेरिफ डॉ. अमल चक्रवर्ती, पुलिस आयुक्त कोलकाता प्रसुन मुखर्जी और आर.एस. लोढ़ा उपस्थित थे। समिति के अध्यक्ष संदीप भूतोड़िया ने बताया कि मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा का यह 64वां पूजा समारोह है। मौके पर संदीप भूतोडिया ने सांसद मो. सलीम को बाढ़ राहत के लिए 51 हजार रु. का चेक दिया।

दैनिक विश्वमित्र

सिर्फ पन्ने नहीं ढेर समा

कोलकाता, २८ सितम्बर २००६

मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी द्वारा आयोजित समारोह में पुलिस आयुक्त प्रसून मुखर्जी से बातचीत करते हुए पूजा कमेटी के चेयरमैन सुपरिचित संदीप भूतोड़िया, दूसरी तरफ माकपा सांसद मोहम्मद सलीम को मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए चेक प्रदान करते हुए श्री भूतोड़िया। साथ में हैं मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की पत्नी श्रीमती मीरा भट्टाचार्य एवं श्री अशोक जायसवाल। -विश्वमित्र

चलताबागान पूजा कमेटी का सराहनीय सेवामूलक कार्य

कोलकाता, २७ सितम्बर (नि.प्र.)। मानिकतल्ला चलताबागान लोहापट्टी दुर्गापूजा कमेटी की ओर से आज अनेक सेवामूलक कार्य किये गए। कमेटी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में अनुदान दिया साथ ही गरीबों में वस्त्र वितरित किये गये तथा गरीब छात्र-छात्राओं को पुस्तकें प्रदान की गयीं। आज आयोजित एक समारोह में पूजा कमेटी के चेयरमैन व राजस्थान फाउंडेशन के सचिव श्री संदीप भूतोड़िया ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दी जाने वाली अनुदान राशि का चेक सांसद मोहम्मद सलीम को प्रदान किया। इस अवसर कर कमेटी की ओर से लालगढ़ विस्फोट कांड में मारे गये दो पुलिस कर्मियों के परिवारों के लिए भी सहायता राशि का चेक कोलकाता पुलिस आयुक्त प्रसून मुखर्जी को प्रदान किया गया। इसके अलावा कमेटी की ओर से गरीब छात्र-छात्राओं को पुस्तकें व एक गरीब मेधावी छात्र को लैपटॉप, कुछ गरीब बीमार बच्चों को इलाज के लिए सहायता राशि तथा २०० गरीब महिलाओं को साड़ी व ५० लोगों को धोती भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर डीसी (नार्थ) दाम्यंति सेन, थाइलैंड, जापान व इटली के कौंसुल जनरल, पूजा कमेटी के अध्यक्ष लखीचंद जायसवाल, सचिव मुरली मनोहर जायसवाल, कमेटी के संयुक्त सचिव राजेश शाव, प्रदीप कुमार जायसवाल, राजेश कुमार जायसवाल आदि भी उपस्थित थे। बाद में संयुक्त पुलिस आयुक्त सुधीर मिश्रा ने भी पूजा पंडाल का दौरा किया।

THE ASIAN AGE
Kolkata Friday 29 September 2006

City of light

Revellers flock to Chalta Bagan pandal on Amherst Street in the city on Thursday. A photograph by Abhijit Mukherjee

हिंदी अखबारों में बेहतर विकल्प

प्रभात खबर

कोलकाता, 29 सितंबर 2006

कहीं रूस का गिरजाघर, तो कहीं खजुराहो का मंदि

महानगर में दुर्गा पूजा परिक्रमा

कोलकाता : बंगाल के महापर्व दुर्गा पूजा की बहार शुरू हो गयी है. इस बार भी आकर्षक मंडपों और देवी दर्शन के लिए पंडालों में अलिखित होड़ शुरू हो गयी है. एक नजर महानगर के विख्यात पूजा पंडालों पर.

उत्तर व मध्य कोलकाता : बागबाजार सार्वजनीन : यहां रूस के गिरजाघर की तर्ज पर मंडप का निर्माण किया गया है. इसबार यहां की पूजा अपने पंडाल की सजावट के लिए भारी संख्या में दर्शनार्थियों को आकर्षित कर रही है.

तेलेंगाबागान सार्वजनीन : बंगाल की लोकसंस्कृति तथा पाश्चात्य सभ्यता को यहां मंडप में उकेरा गया है. मंडप को चटाई, मछली पकड़ने का जाल और फाइबर ग्लास से बनाया गया है. **नलीन सरकार स्ट्रीट :** मंडप का निर्माण प्लास्टर ऑफ पेरिस से किया गया है. प्राचीन बौद्ध मूर्ति की तर्ज पर प्रतिमा का निर्माण किया गया है. **सिकदरबागान :** अपने 94वें पूजा वर्ष में यहां हरिद्वार के मंदिर के तर्ज पर पंडाल बनाया गया है. **बीडन स्ट्रीट सार्वजनीन :** गुजरात के अक्षरधाम मंदिर के तर्ज पर मंडप का निर्माण किया गया है. **विवेकानंद स्पोर्टिंग क्लब :** बालू का मंडप बनाया गया है. भीतर बालू की विभिन्न कलाकृति. प्रतिमा का रंग गुलाबी है. **काशी बोस लेन :** फाइबर ग्लास का मंडप. भीतर फाइबर ग्लास के ऊपर पौराणिक कहानियों को दर्शाया गया है. **चलताबागान सार्वजनीन :** मानव सभ्यता के विकास को यहां दर्शाया गया है. चटाई, तांबे व लोहा के उपयोग से मंडप को सजाया गया है. **टालापार्क सार्वजनीन :** खजुराहो मंदिर की तर्ज पर मंडप को बनाया गया है. देवी का रंग सफेद तथा असुर को काले रंग से बनाया गया है. **कुम्हारटोली सार्वजनीन :** अलीबाबा की गुफा के तर्ज पर मंडप का निर्माण किया गया है. प्रवेशद्वार के पास विभिन्न वन्यप्राणी. कालीरूपी दुर्गा. **मोहम्मद अली पार्क :** बांस व बेंत से बना है पंडाल. भीतर बांस व बेंत द्वारा निर्मित कलाकृति. **संतोष मित्रा स्क्वायर :** मूल मंडप के एक तरफ संसद भवन, दूसरी तरफ मुंबई विस्फोट. मंडप की कहानी महाभारत पर आधारित. **कॉलेज स्क्वायर :** दिल्ली के स्वामीनारायण मंदिर पर आधारित मंडप.

दक्षिण कोलकाता :

बोसपुकुर शीतलामंदिर : कुआं के घेरे से बना मंडप. खुली छत. **लेक गार्डेंस सार्वजनीन :** कांच की चूड़ियों व बटन से तैयार है मंडप. मूल धारणा चंडी पाठ से लिया हुआ है. **मुदियाली क्लब :** प्राचीन बंगाल के राजबाड़ी की तर्ज पर बना मंडप. **सिंही पार्क :** लोटस टेंपल की तर्ज पर तैयार है मंडप. **बाबूबागान :** गोवा के मंगेश मंदिर की तर्ज पर तैयार 70 फीट ऊंचा मंडप. **देशप्रिय पार्क :** पूजा की थीम है फुटबॉल. इससे जुड़ी विभिन्न सामग्रियों से तैयार है मंडप. **जोधपुर पार्क :** नारी शक्ति को दिखाया गया है मंडप में. **बादामतला आषाढ़ संघ :** गुड्डों का परिवर्तन. गुड्डों-गुड़ियों का समावेश है मंडप में. **सुरूचि संघ :** हिमाचल प्रदेश को दर्शाया गया है. नदी, पहाड़, खेत आदि. **एकडलिया एवरग्रीन :** खजुराहो मंदि तर्ज पर मंडप. प्लाईवुड, थर्मोकोल आ तैयार.

दक्षिण पश्चिम कोलकाता :

बडिसा क्लब : फाइबर ग्लास का आकाश में नक्षत्रमंडल का कालपुरुष द गया है. **बेहला यंग मेंस एसोसिएश** पतंग से बना है मंडप. **बेहला 29 पल्** होमियोपैथी की शीशियों से बना मंडप. **पूर्व कोलकाता व सॉल्टलेक :** श्री स्पोर्टिंग क्लब : बांस का पगोडा. बां प्रतिमा. **एचबी ब्लॉक :** द्वादश ज्योतिर्लि सजा मंडप. **एजी ब्लॉक :** मंडप में साहित्य के चरित्र से सजावट. **बीई (ई** गुड़ियों से सजा टेराकोटा का मंडप. **ब्लॉक :** विवेकानंद का सिमला स्ट्रीट घर. **जीडी ब्लॉक :** पंचधातु की एक की मूर्ति. **ईई ब्लॉक :** जापानी संसद की पर बना मंडप. **बेलियाघाटा बालका** : मंडप में ग्रामीण परिवेश. जीवंत मॉड सहायता से ग्रामीण जीवन की झलकियां

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

जमशेदपुर, शुक्रवार
29 सितंबर, 2006
कोलकाता संस्करण

चालता बागान में कोणार्क सूर्य मंदिर की तर्ज पर बना मंडप

The Statesman

29 September FRIDAY 2006

website: www.thestatesman.net
email: thestatesman@vsnl.com

Mukut vetting begins

Statesman News Service

KOLKATA, Sept. 28: The heavy downpour preceding Durga *Puja* this year failed to dampen the spirits of *Puja* organisers. Now it is time for The Statesman and Dainik Statesman Mukut Sarad Mahasamman 2006 to acknowledge their resolute efforts. The Statesman began its three-day tour of the *pandals* on Wednesday. The *Pujas* will be judged in six categories – best image, best decoration, best theme, best environment and overall achievement. There will also be the

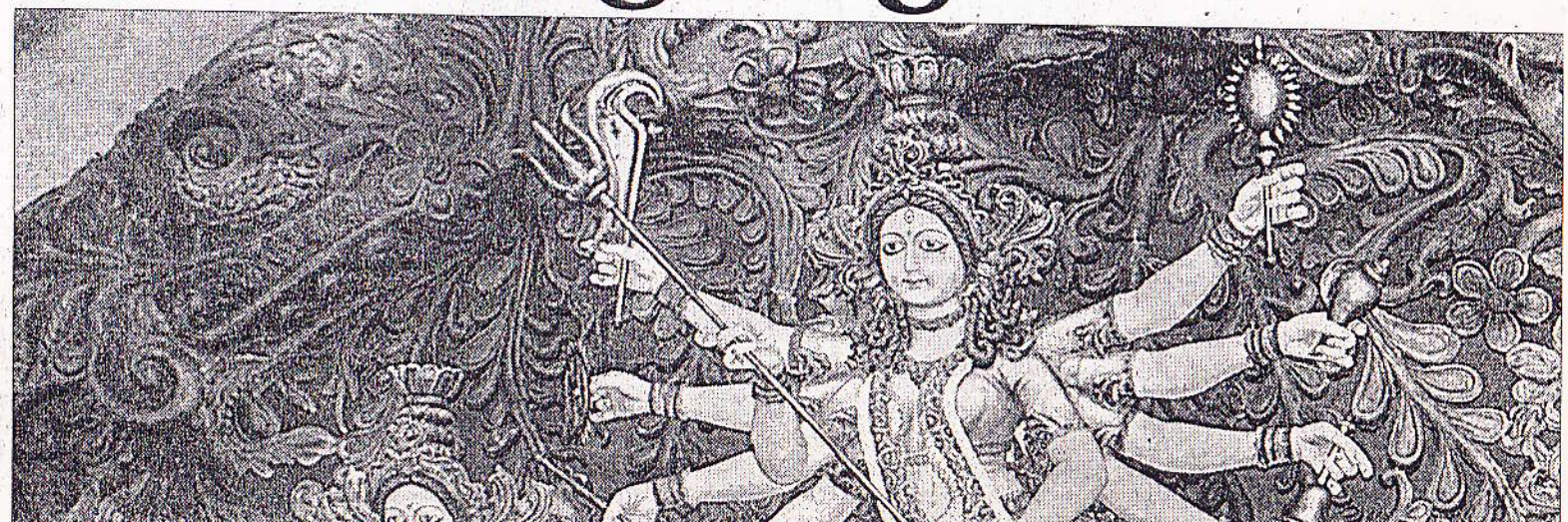

the convoy went round the *pandals*. The judges, including Soumili Biswas, actress; Mrs. Sashi Dhupar, director of Monet perfumes; Mr Prem Bhambalni, designer; Anushila Bose, singer and Ronit Mitra from Aquaguard, surveyed the *pandals* in north and east Kolkata.

Manicktala Chaltabagan Lohapatty's *Puja*, like every year, was unique and attractive. The *surya rath* (chariot) complete with the *sarathi* (charioteer) and four horses, indicating the progress of human civilisation, was the *pandal's* "concept." The chariot is a symbol of development. The materials used in the *pandal's* construction were plywood, plaster of Paris, mud, iron and some other metals. For decoration, nails, roller pins, *kosha-kushi*, spoons and nut-crackers were used. The *pandal* was completed after two months of tireless work at a cost of Rs 8 lakh. "The *pandal* is an incredible work of art and the lighting is so beautiful that it enhances the festive mood," said an excited Mrs Dhupar.

For Rammohan Smriti Sangho, budget and space were both restricted. The theme of the *pandal* was centred on the importance of the number "five" in Indian culture and civilisaation - *pancha-tatwa, panchamrita, pancha-sashya, pancha-dhatu*, five senses and even Durga *Puja*, a five-day festival. The entire *pandal* was decorated with seashells collected from Digha, Puri and Chennai. Completely bowled over by the intricate decoration of the *pandal*, Soumili said: "It is unbelievable that with a budget of just Rs 3.5 lakh and in spite of a space crunch they have treated an innovative subject with such creativity."

The Mukut Team at Chalta Bagan in north Kolkata on Wednesday. ■ BIJOY SENGUPTA

Baskets made of bamboo adorned the *pandal* of

Brindaban Matri Mandir at Sukia Street. Construction of this low-budget *Puja pandal*, costing around Rs 1.5 lakh, commenced on 16 August. "In our country, there isn't any alternative to bamboo; no construction is possible without it even today. Eight crematorium hands from East Midnapore were employed for the construction. The arms of *Maa Durga's* idol have been made from dried palm leaves," an organiser said.

The pristine white *pandal* of Rammohan Roy Road Durgapuja Committee, celebrating their 62nd year, enthralled the judges. The theme, inspired by *The Mahabharata*, depicts the five holy places - *pancha-kedar*, from where the five parts of Shiva's body were discovered. With a budget of Rs 6 lakh and three months of hard work, they were successful in giving their idols the look of a marble finish. This look was created by the intricate work on thin slices of thermocol. According to the judges, the idol symbolised purity and piety.

Lake Town Adhibashi Brinda's *Puja pandal*, conceptualised by Arjun Bhattacharya, an art college graduate, symbolised traditional *Puja* rituals based on *tantra*. With a budget of Rs 4.55 lakh, they constructed the *pandal* within a period of six months. Other *Pujas* visited by the judges' panel were Netaji Sporting Club, where *Ma Durga* has been visualised as *Patal Bhairavi*; Dum Dum Park Tarun Sangha Puja Committee, which has worked on the theme of unity; and Dum Dum Park Bharat Chakra, which has brought Orissa and West Bengal under one roof. Sribhumi, Mitali in Kankurgachi, Haritaki Bagan, Swapnar Bagan, Jawpur Bayam Samiti, Lalabagan Yubak Brinda and Lalabagan Sammilani were also considered for this year's awards.

116B

THE TIMES OF INDIA

Kolkata/ Friday, September 29, 2006

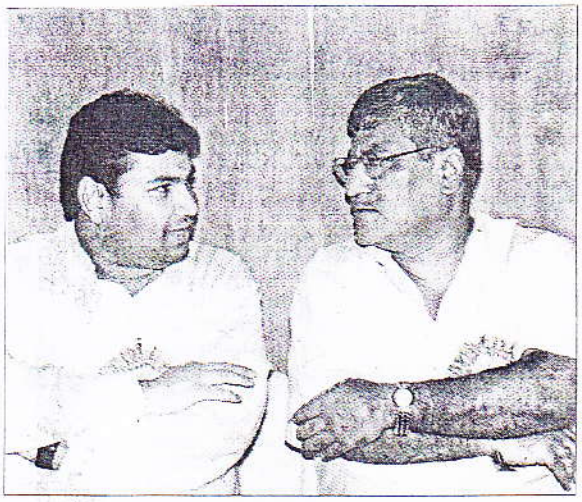

Commissioner of Police PRASUN MUKHERJEE sharing some moments with social activist and chairman of Maniktala Chaltabagan Lohapatty Durga Puja SUNDEEP BHUTORIA. Mukherjee attended the social function as chief guest on Wednesday organised by the Puja committee